RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 115
नई दिल्ली, बुधवार, 2 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हरमनप्रीत वनडे रैंकिंग में 20वें स्थान पर स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

यूक्रेन में गोलाबारी में भारतीय छात्र की मौत

● भारत ने अपने सभी लोगों से तत्काल कीव छोड़ने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, बेंगलुरु, कीव

रूसी हमले में ध्वस्त खारकीव शहर की सिटी हाल बिल्डिंग। इसी नगर में गोलाबारी में भारतीय छात्र नवीन (इनसेट) की जान चली गई

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पूर्वी यूरोप के इस युद्धग्रस्त देश के खारकीव शहर में मंगलवार सुबह गोलाबारी में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई। इसके कुछ ही घंटे पहले यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने छात्रों सहित सभी भारतीयों को उपलब्ध ट्रेन या किसी अन्य माध्यम से आज तत्काल कीव छोड़ने का सुझाव दिया था। गोलाबारी में मारा गया भारतीय यूक्रेन में मेडिकल का विद्यार्थी था। रूस के हमले के बाद यूक्रेन में जारी युद्ध में यह किसी भारतीय व्यक्ति की मौत का पहला मामला है।

विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, अत्यंत दुख के साथ हम पुष्टि करते हैं कि आज सुबह खारकीव में गोलाबारी में एक भारतीय छात्र की जान चली गई। मंत्रालय ने कहा कि वह छात्र के परिवार के संपर्क में है। इसने कहा, 'हम परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि छात्र कर्नाटक के हावेरी जिले के चलगेरी का निवासी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन के खारकीव शहर में मंगलवार सुबह गोलाबारी में मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर के पिता से बात कर संवेदना प्रकट की। वहीं, नवीन के एक चाचा के अनुसार, वह बंकर में था और सुबह के समय जरूरी चीजें और कुछ खाने की वस्तुएं लेने गया था तथा गोलाबारी में फंस गया और उसकी मौत हो गई। इससे पहले, यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, कीव में भारतीयों के लिए परामर्श...छात्रों सहित सभी भारतीयों को सलाह दी जाती है कि वे आज तत्काल कीव छोड़ दें। उपलब्ध ट्रेन या किसी अन्य उपलब्ध माध्यम के जरिए। वहीं, विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश सचिव रूस और यूक्रेन के राजदूतों से बात कर रहे हैं जिसमें वह उन भारतीय नागरिकों के लिए तत्काल सुरक्षित मार्ग की भारत की मांग को दोहराएंगे जो अभी भी खारकीव और अन्य शहरों में संघर्ष क्षेत्रों में फंसे हैं।

इसने कहा, इसी तरह की कार्रवाई रूस और यूक्रेन में हमारे राजदूतों द्वारा भी की जा रही है। खारकीव शहर में यूक्रेनी सैनिकों और रूसी सेना के बीच भीषण लड़ाई हो रही है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि खारकीव में बिगड़ती स्थिति गंभीर चिंता का विषय है और उस शहर में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही रूसी और यूक्रेनी दूतावासों के साथ खारकीव और संघर्ष वाले अन्य शहरों से छात्रों सहित भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षित मार्ग की आवश्यकता का मुद्दा उठा चुका है। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, 24 फरवरी को इस संघर्ष की शुरुआत के बाद से रूस और यूक्रेन से यह मांग बार-बार की जाती रही है। नई दिल्ली में उनके राजदूतों के साथ-साथ उनकी राजधानियों में भी यह मांग की गई है। सूत्रों ने कहा कि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को निकालने की तैयारी पिछले कुछ समय से की जा रही है। सूत्र ने कहा, यूक्रेनी सीमा के पास रूसी शहर बेलगोरोद में एक भारतीय टीम को तैनात किया गया है। हालांकि, खारकीव और आसपास के शहरों में संघर्ष की स्थिति एक बाधा बन कर रही है। उन्होंने कहा, इसलिए, यह जरूरी है कि रूस और यूक्रेन सुरक्षित मार्ग की हमारी आवश्यकता पर तत्काल प्रतिक्रिया दें। सूत्रों ने कहा कि जिन जगहों पर संघर्ष से आवाजाही के लिए खतरा नहीं है, वहां भारतीय अधिकारी नागरिकों को निकालने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना जारी रखेगा।

प्रधानमंत्री ने की उच्च-स्तरीय बैठक

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन में जारी युद्ध के मद्देनजर वहां से भारतीयों, विशेषकर छात्रों की सुरक्षित निकासी को केंद्र में रखते हुए मंगलवार को एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यूक्रेन के खिलाफ रूस द्वारा की जा रही सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी की यह चौथी बैठक है। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। प्रधानमंत्री की यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। इस हमले में मंगलवार को एक भारतीय छात्र की मौत भी हो गई।

छात्रों को निकालने में सहायता करेगी वायु सेना

● सी-17 हैवी लिफ्ट परिवहन विमान ऑपरेशन गंगा के तहत भरेंगे उड़ान

● चार केंद्रीय मंत्रियों ने युद्धग्रस्त यूक्रेन के पड़ोसी देशों में संभाला मोर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बुखारेस्ट से एयर इंडिया के हवाई जहाज में सवार होने जाते यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र

युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे छात्रों समेत भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द निकालने के लिए केंद्र सरकार ने वायुसेना को तैयार रहने को कहा है। अभी ऑपरेशन गंगा के तहत एयर इंडिया समेत अन्य निजी एयरलाइंस छात्रों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों से ला रही हैं और 26 फरवरी से अब तक कुल 2012 भारतीय नागरिक वापस लाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय वायु सेना ऑपरेशन गंगा में मदद करने के लिए तैयार रहे।

रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट और हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से तीन निकासी उड़ानों से मंगलवार को भी 616 भारतीय नागरिक लाए गए। बुधवार के लिए सात और नागरिक उड़ानें निर्धारित हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि कि ऑपरेशन गंगा में भारतीय वायुसेना की भागीदारी मानवीय सहायता को कुशलतापूर्वक वितरित करने में मदद करेगी। एयरफोर्स ऑपरेशन गंगा के हिस्से के रूप में कई सी-17 हैवी लिफ्ट परिवहन विमान तैनात कर सकती है। भारत के पास 10 सी-17 ग्लोबमास्टर विमान हैं और प्रत्येक विमान में 400 से अधिक लोग बैठ सकते हैं। ये विमान 4500 किमी तक बिना रुके उड़ान भर सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि विमानों के कीव, खार्किव और ओडेसा से फंसे छात्रों को बाहर लाने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना है। चूंकि यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद है, भारतीय वाणिज्यिक विमानों की तरह सी-17, पोलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी, रोमानिया और मोल्दोवा जैसे पड़ोसी देशों से भारतीयों को निकालेंगे। अधिकारियों के अनुसार, कुवैत के रास्ते बुखारेस्ट से 182 भारतीयों को लेकर एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स-1202 मंगलवार सुबह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। यहां केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने भारतीय नागरिकों का स्वागत किया। वापस आए लोगों में 25 महाराष्ट्र, 38 हरियाणा, 34 उत्तर प्रदेश, 10 गुजरात और शेष 75 देश के अन्य हिस्सों से थे। इंडिगो का विमान बुडापेस्ट से 216 भारतीय नागरिकों को लेकर इस्तांबुल होते हुए दिल्ली पहुंचा।

इसके अलावा इसी एयरलाइंस की 218 भारतीय नागरिकों के साथ इस्तांबुल के रास्ते एक और उड़ान बुखारेस्ट से दिल्ली आई। भारतीयों को निकालने के लिए इंडिगो ने दो बुडापेस्ट और दो पोलैंड के रेज़ज़ो के लिए कुल चार विमान भेजे थे। स्पाइसजेट ने भी मंगलवार को एक विमान को स्लोवाकिया के कोसिसे भेजा। स्लोवाकिया पश्चिमी सीमा पर यूक्रेन के साथ भूमि सीमा साझा करता है। कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू निकासी की निगरानी के लिए भारत सरकार के विशेष दूत के रूप में स्लोवाकिया के लिए स्पाइसजेट की विशेष उड़ान में थे। कोसिसे की (शेष पेज 9)

भारत ने दोहराया, कूटनीति से ही सुलझेगा यूक्रेन संकट

● संयुक्त राष्ट्र महासभा के विशेष आपातकालीन सत्र में युद्ध से बिगड़ती स्थिति पर जताई चिंता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यूक्रेन में रूसी सैन्य हमले के कारण गंभीर और बदतर होते हालात पर भारत ने मंगलवार को तनाव को कम करने के लिए 'कूटनीति के रास्ते' पर लौटने की बात दोहरायी है। नई दिल्ली ने संयुक्त राष्ट्र में इस बिंदु पर जोर देते हुए शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आग्रह किया। यूक्रेन में चल रहे युद्ध पर चर्चा के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का एक आपातकालीन विशेष सत्र जारी है। 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों द्वारा अपने विचार रखने के बाद मतदान करने की उम्मीद है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 1982 के बाद यह पहली बार है जब आपातकालीन विशेष सत्र बुलाया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी है, जबकि महासभा का प्रस्ताव नहीं हैं। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र निकाय में वोट विश्व मत का प्रतीक है। भारत ने पिछले सप्ताह शुक्रवार को रूस की निंदा करने वाले एक प्रस्ताव पर चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ मतदान में भाग नहीं लिया था। यूएनएससी के स्थायी सदस्य के रूप में रूस ने इस प्रस्ताव को वीटो कर दिया था जिसें गाद इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता था। संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन सत्र को बुलाने के लिए सोमवार को फिर से प्रक्रियात्मक मतदान से भारत ने परहेज किया। नई दिल्ली ने यह भी दोहराया कि स्थिति को शांत करने के लिए कूटनीति और बातचीत ही आगे का रास्ता है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर 193 सदस्यीय महासभा के आपातकालीन विशेष सत्र पर मतदान करने के लिए 15 सदस्यों वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक हुई। यूएनजीए सत्र के लिए वोट प्रक्रियात्मक था, इसलिए चीन, फ्रांस, रूस, यूके और यूएस सहित सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो का प्रयोग नहीं कर सकता था।

यूएनजीए सत्र में मंगलवार को अपने देश के रुख पर प्रकाश डालते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि वह यूक्रेन में बिगड़ती स्थिति पर गहराई से चिंतित है, सभी मतभेद सिर्फ ईमानदार और निरंतर संवाद के माध्यम से पाटा जा सकता है। उन्होंने हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने के अपने आह्वान को दोहराया। तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक विशेष आपात विशेष सत्र में कहा कि नई (शेष पेज 9)

आयसी ने एयर इंडिया का सीईओ-एमडी पद ठुकराया

● तुर्की नागरिक इल्कर ने कहा- भारतीय मीडिया में उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव को गलत रंग दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तुर्की के नागरिक इल्कर आयसी ने मंगलवार को टाटा समूह की कंपनी एअर इंडिया का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। आयसी ने कहा कि भारतीय मीडिया के कुछ तबकों द्वारा उनकी नियुक्ति को अवांछनीय तरीके से गलत रंग दिया गया, जिसके चलते उन्होंने यह फैसला किया।

उन्हें तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन का करीबी माना जाता है, जो पाकिस्तान के सहयोगी हैं। टाटा संस ने 14 फरवरी को तुर्की एयरलाइंस के पूर्व प्रमुख इल्कर आयसी को अपनी विमानन कम्पनी एअर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की थी। आयसी ने एक बयान में कहा कि मैं घोषणा के बाद से भारतीय मीडिया के कुछ वर्गों में मेरी नियुक्ति को अवांछनीय रंग देने की कोशिश वाली खबरों को ध्यान से देख रहा था।

उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए परिवार की खुशी और भलाई सबसे ऊपर है। मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि इस तरह की खबरों के बीच इस पद को स्वीकार करना मेरे लिए संभव या सम्मानजनक निर्णय नहीं होगा। आयसी ने कहा कि वह एयर इंडिया का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए टाटा (शेष पेज 9)

किसानों पर दर्ज लालकिला कांड समेत 17 केस वापस

● किसान आंदोलन के दौरान विभिन्न धाराओं में दर्ज किए गए थे 54 मुकदमे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पिछले साल कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान यहां पुलिस द्वारा किसानों पर दर्ज किए गए 54 में से 17 मामलों को वापस लेने की मंजूरी दे दी है। इसमें लगभग 200-300 प्रदर्शनकारियों और 25 ट्रैक्टरों के लाहौरी गेट के जरिये लाल किले तक पहुंचने का मामला भी शामिल है, जिसके चलते लाल किले के टिकट काउंटरों और सुरक्षा जांच उपकरणों को नुकसान हुआ था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, उपराज्यपाल अनिल बैजल के कार्यालय ने मामलों से संबंधित फाइलों को 31 जनवरी को दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन को भेजी गई थी। जैन ने इसे मंजूरी देकर 25 फरवरी को मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 28 फरवरी को फाइल उपराज्यपाल कार्यालय भेज दी और उपराज्यपाल ने उसी दिन इसे मंजूरी दे दी। दिल्ली पुलिस ने नवंबर 2020 से दिसंबर 2021 के दौरान दर्ज किए गए 54 मामलों में से 17 को वापस लेने का फैसला किया था। इसमें लगभग 200-300 प्रदर्शनकारियों और 25 ट्रैक्टरों के लाहौरी गेट के जरिए लाल किले पहुंचने का मामला भी शामिल है, जिसके चलते टिकट काउंटरों और सुरक्षा जांच उपकरणों को नुकसान हुआ था। इसके अलावा 150-175 ट्रैक्टरों पर सवार होकर उत्तर प्रदेश के लोनी से दिल्ली में प्रवेश करने वाले किसानों के खिलाफ उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर पुलिस थाने में एक मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि उन किसानों ने पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डाली और उन पर हमला किया। अधिकतर मामले दिल्ली के सिंघू, टिकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल तक चले किसान आंदोलन के दौरान कोविड-19 नियमों और दिशा-निर्देशों के उल्लंघन से संबंधित हैं। आंदोलनकारी किसानों ने संसद द्वारा पारित कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करते हुए नवंबर 2020 में दिल्ली की सीमाओं सिंघू, टिकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर डेरा डाल दिया था। मोदी सरकार द्वारा कृषि कानूनों को वापस लिए जाने के बाद किसानों ने दिसंबर 2021 में आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्र ने नवंबर 2020 से दिसंबर 2021 के बीच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की संयुक्त किसान मोर्चा की मांग पर भी सहमति जताई थी। केंद्र ने 9 दिसंबर, 2021 को एक पत्र में कहा था कि किसानों के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों और उनके समर्थकों के खिलाफ दर्ज किए गए मामले तुरंत वापस लेने पर सहमति बन गई है। इसके बाद, एसकेएम ने 11 दिसंबर, 2021 को एसकेएम ने आंदोलन खत्म कर दिया था।

बाजार

सेंसेक्स	54,833	
निफ्टी	16,794	
सोना	50,601	/10g
चांदी	65,710	/kg

क्विक न्यूज

जेईई-मेन का प्रथम चरण 16-17 अप्रैल, दूसरा चरण 24-29 मई को

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग के लिए दाखिले की प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन का पहला चरण अप्रैल और दूसरा चरण मई मे निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जेईई-मेन का पहला चरण 16 से 21 अप्रैल और दूसरा चरण 24 से 29 मई को निर्धारित किया गया है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन मे दो पत्र (पेपर) होते है। इसके तहत पहले पत्र का आयोजन एनआईटी, आईआईआईटी एवं अन्य केंद्र पोषित तकनीकी संस्थानो तथा राज्य सरकारो की हिस्सेदारी वाले मान्यता प्राप्त संस्थानों एवं विश्वविद्यालयो मे बीई और बीटेकस्नातक इंजीनियरिंग कार्यक्रमो मे दाखिले के लिए होता है। यह जेईई एडवांस केलिए पात्रता परीक्षा भी होती है जो आईआईटी मे दाखिले के लिए होती है।

छठे चरण का थमा चुनाव प्रचार 57 सीटों पर कल होगा मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में छठे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम थम गया। अब गुरुवार को मतदाता उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। छठे चरण में प्रदेश की 57 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। यूपी में अब केवल छठे और सातवें चरणों का मतदान बचा हुआ है। इसके बाद 10 मार्च को यूपी विधानसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा होगी।

छठे चरण के मतदान में जिन जिलों में वोटिंग होगी उनमें प्रमुख रूप से बलिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, महाराजगंज, अंबेडकरनगर, बलरामपुर, देवरिया, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर शामिल हैं। इन जिलों में करीब सवा दो करोड़ मतदाता हैं जो कि पौने सात सौ प्रत्याशियों के भविष्य का फैसला करेंगे। छठे चरण में खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जिला गोरखपुर भी शामिल है। योगी आदित्यनाथ के अलावा यूपी सरकार में मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जय प्रताप सिंह, सतीश द्विवेदी कि किस्मत का भी फैसला इसी चरण में होना है। इसके अलावा उपेंद्र तिवारी, श्रीराम चौहान व राम स्वरूप शुक्ला भी जिन सीटों पर ताल ठोक रहे हैं वह इसी चरण में शामिल हैं।

वहीं विपक्ष के नेता राम गोविंद चौधरी, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय, बसपा छोड़ सपा में आए लालजी वर्मा, राम अचल राजभर, पूर्व मंत्री राममूर्ति वर्मा, राज किशोर सिंह, स्वामी प्रसाद मौर्य और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू कि किस्मत भी इसी चरण के चुनाव के भरोसे टिकी है। प्रचार का शोर खत्म होने से पहले दिग्गजों ने पूरी ताकत झोंक दी है। योगी ने पिपराइच, पनियरा, कपिलवस्तु, तुलसीपुर, डुमरियागंज, (शेष पेज 9)

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के बेटे का निधन

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला के बेटे जैन नडेला का निधन हो गया है। जैन 26 साल के थे और उनका जन्म सेरेब्रल पाल्सी नामक बीमारी के साथ हुआ था। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा के एक ई-मेल के जवाब में कहा, अत्यंत दुख की बात है कि सत्य के बेटे जैन नडेला का निधन हो गया है। इस बीच सोशल मीडिया मंच पर शोक संदेश छा गए और कई लोगों ने निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। नडेला के बेटे का जन्म 13 अगस्त 1996 को एक आपातकालीन स्थिति में हुआ था, जब उनकी पत्नी अनु ने गर्भावस्था के 36वें सप्ताह के दौरान पाया कि बच्चे की स्थिति सामान्य नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने 2017 में एक ब्लॉग में लिखा था कि जैन जन्म के समय रोया नहीं था और उसे सिएटल चिल्ड्रन हॉस्पिटल में (शेष पेज 9)

कोरोना के इलाज में भी कारगर है नीम

● अध्ययन में दावा, वैश्विक महामारी के उपचार के साथ संक्रमण प्रसार रोकने में भी प्रभावी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विभिन्न औषधीय, एंटीवायरल और जीवाणुरोधी गुणों से भरपूर चमत्कारी नीम के पेड़ से अब कोविड-19 के उपचार भी संभव है। नीम के पेड़ से अभी तक मलेरिया, पेट और आंतों के अल्सर और त्वचा रोगों के उपचार के लिए जाना जाता है। भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों ने संयुक्त अध्ययन में पाया कि पेड़ की छाल में पाए जाने वाले घटक (अजादिराछा इंडिका) वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के इलाज और प्रसार को कम करने में मदद कर सकता है।

जर्नल वायरोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में दावा किया गया है कि नीम की छाल पर आधारित इस दवा से हर बार एक नए सार्स कोव-2 वैरिएंट सामने आने पर नए उपचार विकसित करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। अमेरिका के कोलोराडो स्कूल ऑफ मेडिसिन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर एमडी, न्यूरोलॉजी एवं अध्ययन की सह-लेखक मारिया नागेल और नेत्र विज्ञान विभाग में शोध प्रोफेसर ने कहा कि इस अध्ययन का लक्ष्य नीम आधारित दवा विकसित करना है जो किसी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर बीमारी के गंभीर जोखिम को कम कर सकती है। भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) कोलकाता के अनुसंधानकर्ताओं के नेतृत्व में किए अध्ययन में कहा गया है कि नीम के पेड़ की छाल से निकलने वाला अर्क कोविड-19 के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस के प्रसार को कम करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि वैज्ञानिकों को हर बार कोरोना (शेष पेज 9)

कोविड के दौरान पश्चिमी देशों ने प्रतिरोधक क्षमता के लिए आयुर्वेद, यूनानी पर भरोसा किया

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिमी देशों ने कोविड के संकट के दौरान भारत की ओर देखा और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग, प्राकृतिक चिकित्सा तथा अन्य वैकल्पिक पद्धतियों पर भरोसा किया। सिंह ने कहा कि अनेक रोगों के सफल प्रबंधन के लिए चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों का सर्वोत्तम समागम महत्वपूर्ण है जहां कोई एक चिकित्सा पद्धति पूरी तरह कारगर नहीं होती। केंद्रीय मंत्री ने यहां जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी केंद्र का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने चिकित्सा प्रबंधन की स्वदेशी प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित किया है। सिंह ने कहा कि यूनानी पद्धति में हकीमों ने और आयुर्वेद में वैद्यों ने अनेक गंभीर और पुराने रोगों का किफायती और प्रभावी इलाज किया है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 2 मार्च 2022

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के गांवों में भूमि अधिग्रहण की तैयारी

अगले एक साल में किसानों को मिलेगा 1350 करोड़ का मुआवजा

● मेडिकल डिवाइस पार्क, डाटा सेंटर, इलेक्ट्रिकल व्हीकल हब जैसे प्रोजेक्ट लगाए जाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के दायरे में पड़ने वाले गांवों के लिए खास खबर है। अगले एक साल के दौरान यमुना अथॉरिटी बड़ा भूमि अधिग्रहण करने जा रही है। जिसकी एवज में यहां के किसानों को 1350 करोड़ रुपए मुआवजा बांटा जाएगा। इस जमीन पर मेडिकल डिवाइस पार्क, डाटा सेंटर, इलेक्ट्रिकल वेहिकल हब और फि ल्म सिटी जैसे महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट आएंगे। अथॉरिटी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक जिम्मेदार विभागों और अफसरों को प्रक्रिया शुरू करने का आदेश मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने दिया है।

फाइल फोटो

अथॉरिटी के एक जिम्मेदार अधिकारी ने बताया, 1 अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में यमुना प्राधिकरण करीब 1800 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करेगा। इस साल जमीन की खरीद पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च किया जाएगा। करीब 1350 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। भूमि अधिग्रहण से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया, आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बजट से जुड़ी तैयारियां चल रही हैं। इस बार सबसे ज्यादा पैसा जमीन अधिग्रहण के लिए रखा जाएगा। उन्होंने आगे कहा हम अगले एक वर्ष के दौरान करीब 1700 से 1800 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करना चाहते हैं। बड़ी परियोजनाओं के लिए जमीन खरीदनी पड़ेगी। अथॉरिटी भविष्य के लिए लैंड बैंक बनाने का फैसला लिया है। भूमि अधिग्रहण पर 1350 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है।

आगामी वित्तीय वर्ष के बजट में यह धनराशि शामिल की जाएगी। सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्क का काम शुरू हो गया है। मेडिकल डिवाइस पार्क के फेज-2 पर भी काम शुरू किया जाना है। फि ल्म सिटी के फेज-2 और फेज-3 के लिए जमीन की खरीद की जाएगी। प्रस्तावित परियोजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए जमीन की जरूरत है। इन दोनों परियोजनाओं को फाइलों से बाहर लाने की प्रक्रिया चल रही है।

यमुना प्राधिकरण सेक्टर-10 में एविएशन क्लस्टर और 120 मीटर चौड़ी रोड बनाएगा। सेक्टर-22ई में बाकी बची जमीन खरीदनी है। उद्योगों और संस्थागत श्रेणी के लिए जमीन चाहिए। डाटा सेंटर, इलेक्ट्रिकल व्हीकल हब, हैंडीक्राफ्ट और प्लास्टिक एसोसिएशन को जमीन की जरूरत है। कई अन्य परियोजनाएं आ रही हैं। इन सबके लिए जमीन खरीदी जाएगी।

यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि जमीन खरीदने की व्यवस्था नए ढंग से बनाई गई है। अब हर महीने के लिए लैंड डिपार्टमेंट को जमीन खरीद का लक्ष्य मिलेगा। जिससे प्रस्तावित परियोजनाओं को तय समय पर जमीन उपलब्ध करवाई जा सके। नई परियोजनाओं के लिए लैंड बैंक तैयार हो जाए। अभी जमीन के उपलब्धतता के मामले में यमुना अथॉरिटी का हाथ तंग है। कोई भी योजना लाने के बाद उसके लिए जरूरी जमीन का इंतजाम करना सिरदर्द बन जाता है।

जेवर एयरपोर्ट का असर

कोरोना काल में भी बढ़ी प्राधिकरण की आमदनी

● 9 अरब रुपये का शुद्ध लाभ कमाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट का फायदा दिखने लगा है। एयरपोर्ट का यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी को बड़ा लाभ मिला है। अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कोरोना काल के दौरान पिछले 2 वर्षों में यमुना अथॉरिटी की आमदनी में रिकॉर्ड तोड़ इजाफा दर्ज किया गया है। सोमवार को यमुना अथॉरिटी की बोर्ड बैठक हुई। जिसमें पिछले 3 वर्षों का वित्तीय लेखा-जोखा पेश किया गया है।

अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष में प्राधिकरण को 169 फीसद ज्यादा आमदनी हुई है।

सिंह ने बताया एक अप्रैल 2021 से 15 दिसंबर 2021 तक प्राधिकरण को विभिन्न योजनाओं से 2120.97 करोड़ रुपये की आय हुई है। इस दौरान 1474.40 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले प्राधिकरण की आमदनी में 169 फीसद इजाफा हुआ है।

चालू वित्तीय वर्ष में प्राधिकरण को शुद्ध 455 करोड़ रुपये की आय हुई है। डॉक्टर अरुणवीर सिंह ने कहा, सोमवार को यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक हुई। जिसमें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, आवंटियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना और पिछले 3 वर्षों का आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया गया है।

आरटीई के तहत आज से आवेदन शुरू

नोएडा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के निजी स्कूलों में पहले चरण की ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया शुरू हो रही है। आज से यानी दो मार्च से दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

पहला चरण दो मार्च से 25 मार्च तक चलेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी धमेंद्र सक्सेना ने बताया कि पिछले सत्र में निजी स्कूलों में आरटीई के तहत इस बार करीब 18 हजार सीट पर तीन चरण में दाखिला प्रकिया होनी है। इस वर्ष एक हजार सीट बढ़ी है, जबकि 30 से अधिक निजी स्कूलों को इस प्रकिया में जोड़ा गया है। अधिकारी ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया करने के लिए आरटीई के तहत निजी स्कूलों में निशुल्क दाखिला कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार आरटीई के तहत दाखिले के लिए अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है।

वेतन नहीं मिलने से परेशान युवक ने खुद को लगाई आग

● अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एक निजी अस्पताल के फ ार्मेसी विभाग में कार्यरत बल्लभगढ़ हरियाणा निवासी युवक ने नौकरी छोड़ने के एक माह बाद वेतन नहीं मिलने के खफा होकर अस्पताल के अंदर ही ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर खुद को आग के हवाले कर दिया था। अस्पताल के अंदर ही युवक के आत्मदाह का प्रयास करते ही हड़कंप मच गया था और फिर उसे प्राथमिक उपचार मिलने के बाद हालत गंभीर देखते हुए सफ दरजंग अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

एसपी सिटी द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह ने युवक की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि बल्लभगढ़ हरियाणा निवासी 35 वर्षीय नागेंद्र कौशांबी क्षेत्र के निजी अस्पताल में फार्मेसी विभाग में नौकरी करता था। नागेंद्र ने दूसरी जगह नौकरी लगने पर लगभग एक माह पूर्व अस्पताल से नौकरी छोड़ दी थी। आरोप है कि तभी से वह कई बार वेतन के अपने पैसे लेने के लिए आता रहता था, लेकिन अस्पताल प्रबंधन कोई ना कोई बहाना बनाते हुए उसे टरका देता था। पूर्व की भांति 22 फरवरी को भी वह अपना वेतन लेने अस्पताल आया था।

आरोप है कि इस दौरान भी अस्पताल प्रबंधन ने उसे वेतन के पैसे नहीं दिये और अस्पताल में चल रहे ऑडिट की बात कहकर 15 दिन बाद आकर वेतन लेने को कहकर टरका दिया। अस्पताल प्रबंधन की इसी बात से नाराज होकर युवक ने दोपहर लगभग साढ़े 3 बजे के आसपास अस्पताल के ही बाथरूम में जाकर अपने ऊपर पहले से ही साथ लाए ज्वलनशील पदार्थ को उड़ेल लिया।

प्रेमिका के भाइयों ने युवक को उतारा मौत के घाट, शव बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में मंगलवार की सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंगलवार की सुबह ग्रेटर नोएडा में एक युवक का शव बरामद हुआ है। यह युवक पिछले काफी दिनों से लापता था। इस मामले में सूरजपुर थाने में भी शिकायत दर्ज की गई थी। पुलिस ने बताया कि प्रेम प्रसंग के चलते युवक की हत्या हुई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह ग्रेटर नोएडा के पाली गांव के रहने वाले एक युवक का शव नहर में बरामद हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सूरजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक युवक के शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि जिस युवक का शव बरामद हुआ है। वह मूल रूप से ग्रेटर नोएडा में स्थित पाली गांव का रहने वाला था।

शुरुआती जांच में पता चला है कि मृतक युवक का उसके ही गांव में रहने वाली एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। यह प्रेम प्रसंग काफी समय से चल रहा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि युवती के भाइयों ने युवक की हत्या की है।

ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर लगाया जाम

● दोनों तरफ घंटों फंसे रहे हजारों वाहन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मंगलवार को नेशनल हाईवे-91 पर कोट गांव में गंग नहर के पुल पर ग्रामीणों ने यातायात जाम कर दिया। सैकड़ों की संख्या में पाली गांव के ग्रामीण नेशनल हाईवे पर धरना देने पहुंचे। दरअसल, गांव के रहने वाले रोबिन नामक युवक की हत्या कर दी गई और लाश को गंग नहर में बहा दिया गया। ग्रामीण हत्यारोपियों को गिरफ्तार और लाश को बरामद करने की मांग कर रहे थे।

मंगलवार दोपहर मृतक रोबिन के परिजन और पाली गांव के सैकड़ों ग्रामीण नेशनल हाईवे-91 पर पहुंच गए। भीड़ ने कोट गांव के पास गंगनहर के पुल पर नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। जिससे दोनों और हजारों वाहनों की लंबी-लंबी लाइन लग गई। जानकारी मिलने के बाद दादरी के सहायक पुलिस आयुक्त और आसपास के थानों से पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारी ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण लाश बरामदगी और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अड़े हुए थे।

सड़क जाम कर रहे ग्रामीणों को समझाती पुलिस।

संक्षिप्त समाचार

रूस-यूक्रेन युद्ध पर विराम लगाने को हवन करते युवा।

रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति के लिए हवन

नोएडा। देशभर में महाशिवरात्रि का त्यौहार मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में नोएडा के युवाओं द्वारा रूस और यूक्रेन के युद्ध को खत्म करने के लिए हवन का आयोजन किया गया। पिछले कई दिनों से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। हालात हर दिन खराब होते जा रहे हैं और कोई हल निकलता अभी तक नजर नहीं आ रहा है। वही, भारत के भी तमाम छात्र अभी यूक्रेन में फंसे हुए हैं। ऐसे में नोएडा के निठारी गांव में युवाओं ने हवन का आयोजन किया। जिसमें अधिक मात्रा में युवाओं ने हिस्सा लिया। युवाओं ने मंदिर के अंदर रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की समाप्ति और छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए भजन-कीर्तन भी किया। इस दौरान कई युवाओं ने पहुंचकर शांति के लिए हवन कुंड में आहुति दी।

चोरी के माल के साथ नोएडा पुलिस द्वारा पकड़े गए तीन शातिर।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

हापुड़। जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के बदनौली मार्ग पर एक कैंटर और बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका ममेरा भाई घायल हो गया है। इस बारे में मृतक के भाई ने कैंटर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि मरने वाले की पहचान जितेंद्र सिंह के तौर पर की की गई है। उन्होंने बताया कि जितेंद्र अपने ममेरे भाई राकेश के साथ बाइक से गांव लौट रहा था। उन्होंने बताया कि रास्ते में कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में राकेश गंभीर घायल हो गया और जितेंद्र की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

किशोरी लापता, पिता ने दर्ज कराई प्राथमिकी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के नोएडा सेक्टर-49 थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी गत दो दिन से लापता है और पिता ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नोएडा सेक्टर-49 थाना के थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि गांव में रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस से शिकायत की है, कि उनकी 16 वर्षीय बेटी को उनके पड़ोस में रहने वाला एक युवक कथित तौर पर बहला फुसला कर ले गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक मूर्ति गोलचक्कर के पास कार पर पलटा ट्रक

● दुर्घटना में तीन युवक हुए जख्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बीती देर रात को एक सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में एक गाड़ी के ऊपर ट्रक पलट गया, हादसे के दौरान गाड़ी में बैठे 3 लोग घायल हो गए हैं। जिनको इलाज के लिए नोएडा के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। फ़िलहाल तीनों की हालत खतरे से बाहर है। वहीं, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने गाड़ी और ट्रक को बिसरख थाने में खड़ा कर दिया है।

हादसे के दौरान सड़क पर खड़ी दुर्घटनाग्रस्त कार।

बिसरख थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार की देर रात को थाना बिसरख क्षेत्रान्तर्गत एक मूर्ति गोल चक्कर के पास यूटर्न पर अर्टिगा गाड़ी के ऊपर एक ट्रक पलट गया था। इस हादसे के दौरान अर्टिगा गाड़ी में 3 लोग सवार थे। जिनकी पहचान प्रशान्त, अरूण और अमित के रूप में हुई हैं। यह तीनों शाहबेरी के रहने वाले हैं।

पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहा तीनों की हालत खतरे से बाहर है। सभी का इलाज सुरभि अस्पताल मामूरा में चल रहा है। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है। दोनों वाहनों को थाने पर लाया गया है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

सोसाइटी की 15वीं मंजिल से गिरकर घरेलू सहायक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बिसरख थाना क्षेत्र की एक सोसाइटी में रहने वाली महिला आर्किटेक्ट के घरेलू सहायक की संदिग्ध परिस्थितियों में 15वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बिसरख थाना के प्रभारी निरीक्षक यशपाल धामा ने बताया कि कासा ग्रीन सोसाइटी में रहने वाली महिला आर्किटेक्ट के घर बतौर घरेलू सहायक काम करने वाले रोहित की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में इमारत की 15वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि रोहित गत आठ महीने से महिला के घर में काम कर रहा था और मूलरूप से लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला था।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि युवक ने आत्महत्या की है या दुर्घटनावश गिरा है, अगर इस मामले में मृतक के परिजन कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस उसकी जांच करेगी।

बाजार से सामान लेने गई युवती लापता

गाजियाबाद। थानाक्षेत्र के एक गांव से 22 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 22 वर्षीय पुत्री सोमवार को बाजार से सामान लेने की बात कहकर घर से निकली थी, जो शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी जब युवती नहीं मिली तो उनकी मां ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

प्रेमिका के दूसरे प्रेमी को उतारा मौत के घाट

शराब पिलाकर दो लोगों ने दिया वारदात को अंजाम, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव मे 24 फरवरी को मिले मृतक धर्मपाल उर्फ बीजू की हत्या अवैध संबंधों और पैसों के कारण हुई है। इस मामले का खुलासा करते हुए ग्रेटर नोएडा की ईकोटेक थाना-1 पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने धर्मपाल को शराब पिलाने के बाद शराब की बोतल से सिर पर वार कर बेहोश कर दिया था और फिर चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद शव को सरसों के खेत में फेंककर फरार हो गए थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से हत्या में इस्तेमालचाकू, मृतक का मोबाइल फोन और टूटी हुई शराब की बोतल बरामद की है।

धर्मपाल ग्रेटर नोएडा में स्थित मुर्शीद गांव का रहने वाला था। धर्मपाल 17 फरवरी से लापता लापता था। उसके भाई ने 21 फरवरी को इसकी गुमशुदगी थाना इकोटेक.वन में दर्ज कराई थी। 24 फरवरी को धर्मपाल का शव सिरसा गांव में मिलने के बाद मृतक के भाई ने गांव के रंजीत पर हत्या का शक जताते हुए 25 फरवरी को एफ आईआर दर्ज कराई थी। डीसीपी ग्रेटर नोएडा अमित कुमार ने बताया कि शिकायत के बाद मामले की पुलिस तफ्तीश कर रही थी। इस दौरान पता चला कि मृतक धर्मपाल के गांव की ही एक विधवा महिला से पहले काफी नजदीकी संबंध थे, लेकिन उसकी निकटता अब रंजीत से हो गई थी। उसके बावजूद भी धर्मपाल उस महिला के पास जाता था। महिला को मुआवजा भी मिला था। धर्मपाल के महिला के बार-बार पास आने की वजह से रंजीत को धर्मपाल पसंद नहीं था।

पुलिस गिरफ्त में शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले तीनों युवक।

पुलिस चौकी के सामने शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले धरे

● वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी के साथ वायरल हो रही है। इस वीडियो में दिख रहा है कि कुछ युवक पुलिस चौकी के गेट के सामने 2 गाड़ी खड़ी करके उसके ऊपर डांस कर रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद जब गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट पर सवाल खड़े हुए तो पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा इनकी दोनों गाड़ी को भी कब्जे में ली है।

दरअसल, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के व्हाट्सएप ग्रुप पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, इस वीडियो में दिख रहा है कि 5 युवक नशे में धुत 2 गाड़ियों के ऊपर चढ़कर डांस कर रहे हैं। बड़ी बात यह है कि युवक कोई आम जगह नहीं बल्कि पुलिस चौकी के ठीक सामने गाड़ी खड़ी करके उसके ऊपर डांस कर रहे हैं। नशे में धुत युवकों की यह हरकत सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यह पूरा मामला सोरखा पुलिस चौकी के सामने का है। जब वीडियो वायरल हुई तो पुलिस हरकत में आई।

गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में जांच पड़ताल की और गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान की है। इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान अजीत निवासी गाजियाबाद, अमृत राज निवासी नई दिल्ली, मयंक निवासी नोएडा, सुनील ओझा निवासी नोएडा और गुरुदत्त निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई है।

नोएडा हाट मेले में उड़ीसा की हस्तकला ने मोहा मन

स्वंय सहायता समूह की महिलाओं की दस्तकारी को लोगों ने जमकर सराहा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 33 स्थित नोएडा हाट में आयोजित सरस आजीविका मेला 2022 में शहर के विभिन्न सेक्टरों से लोग परिवार सहित पहुंच रहे हैं। साथ ही महिलाओं के द्वारा निर्मित उत्पादों की लोगों के द्वारा जमकर खरीदारी की जा रही है। मंगलवार को महाशिवरात्रि के दिन अवकाश के कारण मेले में खासी भीड़ रही।

सरस मेले में उड़ीसा का मिक्स फूड लोगों को खूब भा रहा है। देश भर में जहां गेंहू, मक्का तथा बाजरा का आटा प्रयोग में लाया जाता है वहीं उड़ीसा के पार्वती स्वंय सहायता समूह ने रागी आटा, लेवल ग्रास आटा, कंगू चावल, काजालीय खीर का चावल के साथ ही हल्दी साबुन, इमली, झाडू तथा बांस के खिलोने बाजार में उतारे हैं। समूह की सदस्या शाला मिशा शंकर ने बताया कि ये उत्पाद स्वंय में अनूठे हैं, जो स्वाद और सेहत से भरपूर हैं। सरकार के प्रयासों से समूह में 15 सदस्या काम कर रही हैं।

उड़ीसा की ही मां समलेश्वरी स्वंय सहायता समूह ने यहां अपने स्टाल के माध्यम से रसोई के अनूठे उत्पाद उतारे हैं। इन उत्पादों में चावल के पापड़, उड़द की दाल की बडी, शीताफल की बडी, मसाला बडी, उड़ल तक तिल की मिक्स बडी तथा उडद तथा शीताफ ल की मिक्स बडी उपलब्ध हैं। समूह में सुषमा पटेल समेत तीन सदस्या काम कर रही है।

नेत्रियों एवं अभिनेत्रियों की पसंदीदा साड़ी

मेले में उड़ीसा के भाग्यलक्ष्मी स्वंय सहायता समूह की साडियां ग्रहणियों की पसंद बन रही हैं, समूह की सदस्या मीणापारि मेहर ने बताया कि हमारे सभी उत्पाद हैंडलूम के हैं। जिनमें ईका साड़ी महिलाओं की पहली पसंद है, जो देश में नेत्रियों के साथ अभिनेत्रियां धारण कर रही हैं। उन्होंने बताया भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अधिकतर ईका साडी ही पहनती हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री एश्वर्या राय ने अपनी शादी में यही साड़ी पहनी थी। जबकि बिद्या बालन को भी यही साडी पसंद है। इसके अतिरिक्त कॉटन बिन इक्कन साडी, पाटा साडी, लेडिज एंड जेंटस कुर्ते तथा रूमाल के सहित अन्य हैंडलूम उत्पाद स्टॉल पर उपलब्ध हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

शराब की दुकानों पर पुलिस का पहरा

नई आबकारी नीति का राजनीतिक दल कर रहे विरोध, किए कई ठेके सील

सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने हाई कोर्ट में दिया सुरक्षा का आश्वासन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई आबकारी नीति के खिलाफ विपक्षी पार्टियां ठेकों के बाहर लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रही हैं। शराब की दुकान के बाहर बैठे प्रदर्शनकारियों से सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कदम उठाने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली पुलिस ने उच्चतम न्यायालय में जवाब दाखिल किया है।

पुलिस ने हाई कोर्ट को भरोसा दिया है कि शराब की दुकानों और उसके कर्मचारियों को दुकान में प्रवेश और निकास के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाएगी। साथ ही यह भी कहा कि ठेकों के कामकाज में प्रदर्शनकारियों द्वारा कोई हस्तक्षेप नहीं करने दिया जाएगा।

दिल्ली पुलिस का जवाब रिकार्ड पर लेते हुए न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव की पीठ ने याचिका का निपटारा कर दिया। पीठ ने कहा कि मामले में आगे कोई आदेश देने की जरूरत नहीं है। पीठ ने स्पष्ट किया कि यह आदेश याचिकाकर्ता के पक्ष में शराब लाइसेंस की निरंतर वैधता के अधीन होगा। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र के संबंधित एसएचओ याचिकाकर्ता और उसके कर्मचारियों को शराब की दुकान में प्रवेश और निकास के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेंगे। इतना ही नहीं सुरक्षा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के लिए कदम भी उठाए जाएंगे।

पुलिस द्वारा शराब की एक दुकान के मालिक की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह प्रतिवेदन दिया गया। याचिका में अधिकारियों को पर्याप्त कदम उठाने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है ताकि याचिकाकर्ता दुकान चला सकें और उसके बाहर बैठे प्रदर्शनकारी दुकान को या उसके कर्मचारियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकें। न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव ने पुलिस की दलीलों पर गौर किया और याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि आगे किसी आदेश की जरूरत नहीं है। साथ ही यह स्पष्ट किया कि यह आदेश याचिकाकर्ता के पक्ष में शराब लाइसेंस की निरंतर वैधता के अधीन होगा। दिल्ली सरकार के स्थाई वकील संतोष कुमार त्रिपाठी और राज्य और दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अरुण पंवार ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र के एसएचओ याचिकाकर्ता और उसके कर्मचारियों को शराब की दुकान में प्रवेश और निकासी के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेंगे।

वकील ने अदालत को भरोसा दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि शराब की दुकान के सुचारू कामकाज में कोई हस्तक्षेप न हो। यहां गोविंदपुरी में शराब की दुकान चलाने वाले याचिकाकर्ता मेसर्स श्रीअवंतिका कांट्रेक्टर ने कहा कि उनके पास वैध शराब लाइसेंस है और वह पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग कर रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने संबंधित थाने के एसएचओ को कई आवेदन दिए जिनमें याचिकाकर्ता और उसके कर्मचारियों को शराब की दुकान में प्रवेश और निकास के लिए पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने का अनुरोध किया गया था लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन मनाई जाती है। मान्यता है इस दिन व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं, जो भी इस व्रत को करता है उसके सभी कष्ट और संकट दूर होते है, भय से मुक्ति मिलती है और शिव कृपा से आरोग्य की प्राप्ति होती है और सुख सौभाग्य बढ़ता है। फोटो: रंजन डिमरी

शिवरात्रि पर शराब ठेकों का खुलना दुर्भाग्यपूर्ण : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शिवरात्रि के दिन शराब के ठेकों का खुलना दिल्लीवासियों और दिल्ली के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। यह सब शराब माफियाओं की सह पर शिवरात्रि महापर्व के दिन प्रदेश सरकार भी शराब परोसने का काम कर रही है। यह आरोप प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आप सरकार पर लगाया है।

आदेश गुप्ता ने केजरीवाल को हिन्दू विरोधी बताते हुए कहा कि दिल्ली में पहले त्योहार व राष्ट्रीय पर्व को मिलाकर 21 दिन होते थे जब दिल्ली में शराब नहीं बिकती थी लेकिन अब उन में से गुरु गोविंद सिंह जयंती, महावीर जयंती, शिवरात्रि, दीपावली व होली जैसे 18 त्योहारों पर भी शराब बेचने की इजाजत केजरीवाल सरकार ने दे दी है। मतलब ये कि ड्राई डे 21 दिन की जगह सिर्फ 3 बच गए हैं जहां 20,000 करो? रुपये का सलाना ब्रिकी होती है उसमें अतिरिक्त 1000 करोड़ की बिक्री हो सके।

ई-कॉमर्स वेबसाइट की तर्ज पर दिल्ली बाजार पोर्टल

- शहर भर के व्यापारी ऑनलाइन बेच सकेंगे अपने उत्पाद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ई-कॉमर्स वेबसाइट की तर्ज पर होगा दिल्ली बाजार पोर्टल। इस पर दिल्ली के सभी दुकान मालिकों और सेवा प्रदाताओं का एक वर्चुअल स्टोर होगा जहां से वे देश दुनिया में अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेच सकेंगे। केजरीवाल सरकार ने अपने महत्वाकांक्षी ई-कॉमर्स वेबसाइट पर काम शुरू कर दिया है।

उद्योग विभाग ने मंगलवार को डिजाइन बनाने में रुचि रखने वाली एजेंसियों (प्रबंधित सेवा प्रदाता, सिस्टम इंटीग्रेटर, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, पेमेंट गेटवे) के लिए ईओआई जारी किया है। जिसमें डिजिटल पोर्टल के साथ-साथ ऑफलाइन सेवाओं, दिल्ली बाजार प्लेटफॉर्म का विकास, संचालन और रखरखाव शामिल है।

दिल्ली बाजार पोर्टल को व्यापारियों, विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, सेवा प्रदाताओं आदि सहित व्यवसायों की डिजिटल उपस्थिति को बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक से डिजाइन किया जाएगा। इस योजना का पहला चरण उत्पादों के विक्रेताओं को शामिल करने पर केंद्रित होगा। दूसरे चरण में सेवा प्रदाताओं को इस मंच से जोड़ा जाएगा। डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन को इस पोर्टल को बेहतर तरीके से बनवाने और एक रणनीतिक रोडमैप तैयार करने में उद्योग विभाग की सहायता करने का काम सौंपा गया। डीडीसी के उपाध्यक्ष जस्मिन शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में उनकी सरकार लॉकडाउन और कोविड महामारी से प्रभावित कारोबारियों को राहत देने का प्रयास कर रही है। दिल्ली के उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता की देश और विश्व स्तर पर प्रशंसा की जाती है। सरकार विक्रेताओं को अपनी आभासी दुकानों को जीरो लागत में स्थापित करने में मदद करेगी।

मरम्मत के चलते आईटीओ से तिलक मार्ग रहेगा बाधित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आईटीओ से तिलक मार्ग पर आने वाले दिनों में भारी जाम मिल सकता है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसकी मरम्मत करने का फैसला किया है।

इस दौरान एक सड़क की एक लेन बंद रहेगी जिससे आईटीओ से तिलक मार्ग की ओर यातायात प्रभावित रहेगा और मुसाफिरों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली यातायात पुलिस ने मंगलवार को ट्विटर पर बताया, तिलक ब्रिज से पहले आईटीओ से तिलक मार्ग की तरफ पीडब्ल्यूडी की ओर से किए जा रहे मरम्मत कार्य के कारण एक लेन बंद कर दी गई है जिस वजह से यातायात धीमा रहेगा।

पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि आईटीओ से तिलक मार्ग की ओर जा रही सड़क टूट गई थी और उसकी मरम्मत की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि सुबह से जरूरी मरम्मत का काम किया जा रहा है जो शाम तक पूरा होने की उम्मीद है। हालांकि ट्रैफिक पुलिस ने भी अपनी तैयारी पूरी कर ली है।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को जल्द वापस लाएं : केजरीवाल

- दिल्ली सरकार हर तरह के सहयोग के लिए तैयार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे विवाद के चलते बड़ी संख्या में भारतीय फंसे हैं। इनमें वे छात्र भी शामिल है जो मेडिकल या फिर किसी अन्य क्षेत्र में पढ़ाई के लिए यूक्रेन गए थे।

ऐसे में ये छात्र और प्रवासी भारतीय मुश्किल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ट्विट कर केंद्र सरकार को इस ओर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में बिगड़े हालातों के बीच भारतीय छात्रों समेत अन्य भारतीय भी मुश्किल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वहां फंसे सभी भारतीयों को हर संभव मदद देते हुए जल्द से जल्द स्वदेश लाएं। इसके लिए दिल्ली सरकार हर तरह की मदद केंद्र सरकार को देने के लिए तैयार है।

युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, छात्रों के वापसी की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस की युवा इकाई ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने की मांग को लेकर मंगलवार को यहां प्रदर्शन किया। भारतीय युवा कांग्रेस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के आवास के निकट प्रदर्शन किया। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. ने आरोप लगाया, मोदी सरकार जिंदगी और मौत के बीच हज़ारों भारतीय नागरिकों की सहायता करने के बजाय केवल आत्मनिर्भरता की सलाह दे रही है। बीते 5 दिनों से संकट के बीच यूक्रेन में मोदी सरकार हज़ारों बच्चों को बस यहां से वहां भगा रही है। मोदी ने हर समस्या का समाधान चुप्पी में ढूंढ लिया है। प्रधानमंत्री विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार छोड़ कर अपनी

जिम्मेदारी निभाएं और यूक्रेन में फंसे सभी भारतीयों को देश में वापस लेकर आने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। युद्ध के बीच नागरिकों को असहाय नहीं छोड़ा जा सकता। सरकार पूरी शक्ति के साथ वहां फंसे भारतीयों को जल्द से जल्द वापस लाए।

डीएसजीएमसी यूक्रेन में फंसे छात्रों के परिजनों को देगी रहने-खाने की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यूक्रेन में चल रहे युद्ध के कारण वहां फंसे भारतीयों की मदद के लिए 16 परिजनों ने दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी से संपर्क कर मदद मांगी है।

यह जानकारी दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने संयुक्त प्रेस बयान में दिया। दिल्ली कमेटी का हेल्पलाइन नंबर +91-011-23712580-82 है।

कालका और काहलों ने बताया कि फंसे हुए भारतीयों को भोजन, पानी, आवास आदि जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हम नई दिल्ली में यूक्रेन दूतावास, यूक्रेन, हंगरी, पोलैंड में भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ संपर्क करने में परिवारों की सहायता कर रहे हैं।

कालका और काहलों ने कहा कि सरकार की मांग पर दिल्ली कमेटी को यूक्रेन से भारत वापस लाए गए भारतीयों के लिए दिल्ली के एतिहासिक गुरुद्वारों में निशुल्क सराय और हर संभव सहायता मुहैया करवाने में प्रसन्नता होगी। उन्होंने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए भारत सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

वरिष्ठ छात्रों को अभिभावकों की सहमति जरूरी नहीं

- राजधानी में एक अप्रैल से सभी कक्षाएं ऑफलाइन चलेंगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्कूलों में 10वीं से 12वीं तक की कक्षाओं के छात्रों को ऑफलाइन कक्षाओं में हिस्सा लेने के लिए अपने अभिभावकों से सहमति पत्र की आवश्यकता नहीं है।

पिछले दो साल में पहली बार राष्ट्रीय राजधानी में सभी स्कूल एक अप्रैल से पूरी तरह से ऑफलाइन मोड में चलेंगे। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक अप्रैल से हाइब्रिड मोड में स्कूल संचालन को समाप्त करने की पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी।

शिक्षा निदेशालय एक आदेश में कहा, सभी स्कूल 10वीं से 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए ऑफलाइन क्लास चला सकते हैं। ऑफलाइन कक्षाओं के लिए अब अभिभावकों की सहमति की आवश्यकता नहीं होगी। स्कूल कोविड-अनुकूल नियमों का पालन करते हुए परिवहन सुविधाएं भी उपलब्ध करा सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में स्कूल कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से पहले मार्च 2020 में बंद कर दिए गए थे। बाद में स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से हाइब्रिड मोड में चलाया गया था।

मुठभेड़ के बाद दो शार्प शूटर गिरफ्तार

- दो पिस्टल, चार कारतूस, आठ खाली कारतूस, एक चोरी की बाइक बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

काला जठेड़ी गिरोह के दो शार्प शूटरों को मंगलवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारियों ने गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया और दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल की हत्या के षड़यंत्र का भंडाफोड़ करने का दावा भी किया। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों परविंदर (31) और टोनी (22) ने ताजपुरिया को यहां एक अदालत में पेश किए जाने के दौरान जान से मारने की योजना बनाई थी। पिछले साल 24 सितंबर को दो लोगों ने जेल की सजा काट रहे गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की यहां रोहिणी की अदालत में वकीलों के वेश में गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुठभेड़ के दौरान 22 राउंड गोलीबारी हुई।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सूचना मिली थी कि काला जठेड़ी गिरोह का सक्रिय सदस्य परविंदर अपने सहयोगी के साथ अलीपुर इलाके में अन्य लोगों से मिलने आएगा । पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) बृजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि खुद को पुलिस से घिरा देख दोनों आरोपियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दो गोलियां सब-इंस्पेक्टर रश्मि की बुलेट-प्रूफ जैकेट में लगीं। ओरोपियों के पास से दो पिस्टल, चार कारतूस, आठ खाली कारतूस, एक चोरी की बाइक बरामद किए है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आईएचबीएएस निदेशक डॉ आरके धमीजा को पुरस्कार प्रदान करते केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह।

विंडसर प्लेस गोल चक्कर का नाम सावरकर पर रखने की मांग

नई दिल्ली। विंडसर प्लेस गोल चक्कर का नाम आने वालों दिनों में बदल सकता है। भारत सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के प्रमुख व राज्यसभा सांसद विनय सहस्रबुद्धे ने नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) को पत्र लिखकर मांग की है कि विंडसर प्लेस गोल चक्कर का नाम विनायक दामोदर सावरकर के नाम पर रखा जाए। सहस्रबुद्धे ने रेखांकित किया विंडसर कैसल ब्रिटिश राज का प्रतीक है। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कहा कि नगर निकाय आग्रह पर विचार करेगी।

दीपक द्विवेदी बने उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ के संयोजक

नई दिल्ली। दीपक द्विवेदी को भारतीय जनता पार्टी में उत्तराखण्ड प्रकोष्ट शाहदरा जिले का संयोजक बनाया गया। इस अवसर पर द्विवेदी ने कहा कि उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरी है और उत्तराखंड प्रकोष्ठ को वह और मजबूत करने में अपने दयित्व का निर्वहन करगें।

उत्तरी निगम ने संपत्ति कर भुगतान की तारीख 31 मार्च तक बढ़ी

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने आम माफी योजना के अंतर्गत संपत्ति कर के भुगतान की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2022 से बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष जोगी राम जैन ने मंगलवार को बताया कि इस आम माफी योजना में संपत्तिकरदाताओं को बकाया संपत्तिकर के एकमुश्त भुगतान पर ब्याज और जुर्माने में शत प्रतिशत की छूट व मूल राशि पर 15 फीसदी की छूट दी जा रही है। जोगी राम जैन ने बताया कि यह निर्णय उन संपत्ति कर दाताओं की सुविधा के लिए लिया गया है जो किसी कारणवश आम माफी योजना का लाभ अब तक नहीं ले सके थे।

चिड़ियाघर में आगंतुक को जिज्ञासापूर्वक देखता टाइगर।

चिड़ियाघर फिर गुलजार, बच्चों ने की जमकर मस्ती

सुबह आठ बजे तक ही बिक गए सभी टिकट, अभी खिड़की से टिकटों की बिक्री है बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के संक्रमण मामलों में वृद्धि को देखते हुए लगभग दो महीने तक बंद रहने के बाद दिल्ली चिड़ियाघर मंगलवार को फिर से गुलजार हो गया।

मंगलवार को सरकारी छुट्टी के कारण चिड़ियाघर पहुंचने वालों की लंबी कतारें दिखने को मिली। सोमवार की रात को ऑनलाइन बिक्री के लिए प्रशासन ने वेबसाइट खोली थी। सुबह आठ बजे ही करीब चार हजार टिकट बिक गए।

सुबह और शाम के सत्र में अभिवकों संग पहुंचे बच्चों ने चिड़ियाघर में खूब मस्ती की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि चिड़ियाघर को चार जनवरी को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था और उसकी वेबसाइट पर ऑनलाइन टिकटों की बिक्री भी रोक दी गई थी।

मस्ती करते बच्चे

एक अधिकारी ने कहा कि लिंक को सोमवार की रात फिर से सक्रिय कर दिया गया और जब चिड़ियाघर फिर से खुला तो सभी 4,000 टिकट सुबह साढ़े आठ बजे तक बिक चुके थे। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर के बाहर टिकट काउंटर पहले ही बंद कर दिए गए हैं। इसलिए, लोगों से अनुरोध है कि किसी भी असुविधा से बचने के लिए दो से तीन दिन पहले ही केवल ऑनलाइन टिकट बुक करें।

चिड़ियाघर में एक दिन में केवल 4,000 आगंतुकों को दो स्लॉट सुबह साढ़े आठ बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक और दोपहर साढ़े बारह बजे से शाम साढ़े चार बजे तक ही जाने की अनुमति है। चिड़ियाघर के फिर से खुलने पर प्रशासन ने सभी अनुभाग पर्यवेक्षकों को कोविड अनुकूल व्यवहार का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इससे पहले, महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोविड के मामलों की संख्या में वृद्धि के कारण बंद होने के दो महीने से अधिक समय बाद चिड़ियाघर को एक अगस्त को आगंतुकों के लिए फिर से खोल दिया गया था। मार्च 2020 में आगंतुकों के लिए चिड़यिाघर बंद कर दिया गया था जब कोविड-19 महामारी ने देश में पांव पसारना शुरू कर दिया था। इसके बाद, पिछले साल जनवरी में बर्ड फ्लू के खतरे के मद्देनजर इसे फिर से बंद किया गया था।

ट्रेनिंग पूरी करके पुलिस में शामिल हुए 303 पुलिसकर्मी

भोंडसी रैकरूट ट्रेनिंग सेंटर में हुआ दीक्षान्त परेड का आयोजन

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

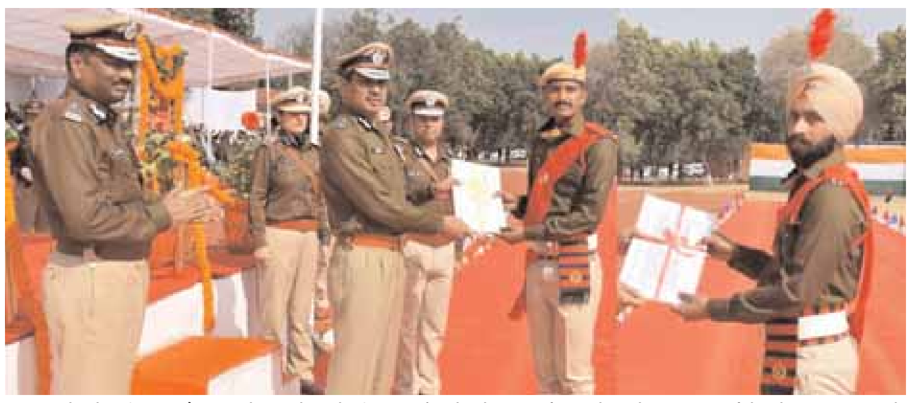

गुरुग्राम में भोंडसी स्थित रैकरूट ट्रेनिंग सेंटर में दीक्षान्त परेड के श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक कुलदीप सिंह।

रैकरूट ट्रेनिंग सेंटर भोंडसी के विशाल दीक्षान्त परेड स्थल में मंगलवार को पुलिसकर्मियों के बेसिक कोर्स के 12वें बैच का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उपरांत अब हरियाणा पुलिस के बेड़े में 303 पुलिसकर्मी शामिल हो गए हैं, जिनमें से 3 महिलाएं तथा 300 पुरुष पुलिसकर्मी शामिल हैं। दीक्षांत समारोह में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक कुलदीप सिंह ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि कुलदीप सिंह ने परेड टुकड़ियों का निरीक्षण करने उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में दीक्षांत परेड एक गौरवशाली क्षण है। यह जीवन में केवल एक बार ही आता है, इसलिए व प्रशिक्षण के दौरान बताई गई सभी बातों को अपने जीवन में अमल करें। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा पुलिस प्रत्येक चुनौती का सामना करने में सक्षम है। ऐसा आभास शानदार पासिंग आउट परेड देखकर हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी अब आपके कंधों पर है। राज्य की सुरक्षा व शांति बनाए रखने के लिए आप किसी भी समय या स्थान पर जाने के लिए सदैव तैयार रहना। कोई भी संगठन या देश एक मजबूत व ईमानदार संस्था के बिना नहीं चल सकता है। आपको हमेशा अपने देश व राज्य की सुरक्षा ईमानदारी और बहादुरी के साथ करनी है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के सफल होने के लिए उसके ऑपरेशन की महत्ता हमेशा बनी रहती है और ऑपरेशन के सफल होने के लिए प्रशिक्षण व इंटेलिजेंस यही दो चीजें कार्य करती हैं।

इसलिए यदि ट्रेनिंग अच्छी हो तो उसका प्रभाव आपकी कार्यकुशलता पर भी दिखता है। उन्होंने एक जवान के जीवन में अनुशासन की क्या महत्ता होती इस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुशासन में रहने वाला व्यक्ति कभी जीवन में मात नहीं खाता, इसलिए वे प्रशिक्षण के दौरान बताई गई सभी बातों को अपने जीवन में अमल करें।

पुलिसकर्मी के जीवन में रोज नई चुनौतियां

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हरियाणा पुलिस के महानिदेशक पीके अग्रवाल ने दीक्षांत परेड में शामिल जवानों को बधाई देने के साथ ही उन्हें भविष्य में प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के गुर बताए। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आप सदैव तत्पर रहें।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को रोजाना अपने जीवन में नई-नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में शिक्षा व प्रशिक्षण के अनुभव आपके जीवन में समय-समय पर मार्गदर्शन करेंगे। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पुलिसकर्मी आमजन की सुरक्षा के लिए लगाए जाते हैं, इसलिए जरूरी है कि वे समर्पण भाव से लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा कि आपका व्यवहार व सेवाएं ही आपकी उत्कृष्ट पहचान का मुख्य आधार बनेंगी।

धार्मिक मान्यताओं का देश है हमारा भारतः सुधीर सिंगला

ब्रह्माकुमारी संस्थान में महाशिवरात्रि पर्व पर पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला

मिलेनियम सिटी में धूमधाम से मंदिरों में मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-4 स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में महाशिवरात्रि पर्व पर पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला।

सेक्टर-4 स्थित ब्रह्मकुमारी संस्थान की ओर से मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। उन्होंने सभी को भगवान शंकर के इस पर्व की बधाई दी और सबकी सुख-शांति की कामना की। इस अवसर पर मेयर मधु आजाद भी पहुंची।

विधायक सुधीर सिंगला ने इस अवसर पर श्रद्धालुओं के साथ भोले बाबा की आराधना की। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति का आधार पर्व भी हैं। ये पर्व में एकता से रहना सिखाते हैं। हमें धर्म-कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। हमारा देश धार्मिक मान्यताओं का देश है। अनेक पर्व हमारे देवी-देवताओं के नाम से मनाए जाते हैं और कई पर्व संस्कृतियों को पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए। सभी त्योहारों में एकता और भाईचारे का संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को हमारे त्योहारों को संस्कृति का परिचायक मानते हुए इन्हें भव्यता से मनाना चाहिए। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी त्योहारों को भव्यता से मनाने की प्रेरणा देते हैं और खुद भी किसी न किसी मंदिर में पहुंचकर पूरी आस्था के पूजा-अर्चना करते हैं। उनके द्वारा धर्म की जो शिक्षा दी जा रही है, वह देशवासियों को सुखद अहसास कराती है। देश में मंदिरों, मठों का सौंदर्यकरण व पुनरुद्धार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। धर्म के प्रति उनका आस्था का कोई पैमाना नहीं है। विधायक ने कहा कि हम सभी को धार्मिक कार्यक्रमों, तीज-त्योहारों को धूमधाम से मनाना चाहिए। हमें अपने धर्म को मजबूत बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। कहावत है धर्मो रक्षति रक्षितः यानी अगर हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को हमें चरितार्थ करना चाहिए, ताकि हम अपने धर्म को और अधिक मजबूत बना सकें। उन्होंने जिलावासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व सबके जीवन में खुशियां व उल्लास लेकर आए। यही उनकी कामना है।

सड़क हादसों में मजदूर की मौत, तीन युवक घायल

अलग-अलग हुईं तीन सड़क दुर्घटनाओं में मजदूर के शव का कराया पोस्टमार्टम

> **सभी** अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ मामले दर्ज कर लिए हैं। आरोपियों की जल्द से जल्द उनके वाहनों के पंजीकरण नंबर से तलाश करके गिरफ्तार किया जाएगा।
>
> राजेन्द्र सिंह
> (एसएचओ भोंडसी थाना)

सोहना। भोंडसी थाना क्षेत्र में तीन दिन में हुए तीन सड़क हादसों में मजदूर की मौत तथा स्कूटी व बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। पुलिस ने मृतक मजदूर के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। वाहन चालकों के खिलाफ मामले दर्ज करने के बाद तलाश शुरू कर दी है।

सोमवार को गुरुग्राम-सोहना मार्ग पर गांव धुनेला में 28 वर्षीय मजदूर राजेन्द्र वाहन की तलाश में सड़क किनारे खड़ा था। उसी समय तेज रफ्तार में आई गाड़ी ने राजेन्द्र को सीधी टक्कर मारते हुए घायल कर दिया। राजेन्द्र को गंभीर हालत में नूंह के नल्हड़ अस्पताल में दाखिल कराया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक मूलरुप से उत्तर प्रदेश का निवासी था। दो अन्य सड़क हादसे एलीवेटेड मार्ग पर भोंडसी में बना टोल पर हुए। जहां शनिवार को सोहना निवासी काजीवाड़ा मोहल्ला निवासी तेजसिंह व चौधरी मार्केट मोहल्ला निवासी जावेद की स्कूटी में तेज रफ्तार गाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे तेजसिंह व जावेद दोनों घायल हो गए।

रविवार को गांव मानुवास जिला नूंह निवासी अजय सिंह को टोल पर सामने से आ रही कार ने टक्कर मारी। जिससे अजय बाइक समेत सड़क पर गिर गया। कार चालक ने मदद करके अजय को बादशाहपुर के अस्पताल में दाखिल कराने के बाद फरार हो गया।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला कल

शहरी क्षेत्र के 320 बीपीएल कार्ड धारकों को सूचित कराया गया

> **शहरी** और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बीपीएल परिवारों को मुख्यमंत्री अंत्योदय उत्थान मेले में रोजगार प्राप्ती व व्यवसाय चलाने के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। जल्द ही ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बीपीएल परिवारों को मेले में आने के लिए सूचित किया जाएगा।
>
> जितेन्द्र गर्ग
> (एसडीएम सोहना)

सोहना। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला तीन मार्च को शहर के देवीलाल खेल स्टेडियम में लगेगा। जिसमें शहरी क्षेत्र में रहने वाले 320 बीपीएल कार्ड धारकों को मेले में रोजगार व व्यवसाय प्राप्ति के लिए सूचित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे पहले 6 दिसम्बर को दो दिवसीय मेला का पहली बार आयोजन हुआ था।

एक बार फिर प्रदेश सरकार के आदेश पर बेरोजगार बीपीएल कार्ड धारकों को रोजगार व व्यवसाय उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला शहर के देवीलाल खेल स्टेडियम में तीन मार्च को लगेगा। इस मेले में नगर परिषद सीमा क्षेत्र में रहने वाले 320 बीपीएल परिवार को रोजगार व व्यवसाय उपलब्धता के लिए बुलाया जाएगा। बीपीएल परिवार के सदस्यों को अपनी आजीविका कमाने के लिए रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अतर सिंह खनगवाल ने बताया कि शहर क्षेत्र 320 परिवारों का राज्य सरकार द्वारा जारी की गई सूची में नाम अंकित है। जिन्हें इस मेले में पहुंचने और अपना रोजगार चलाने के लिए योजना का लाभ लेने को बुलाया जा रहा है। इससे पहले 6 से 7 दिसम्बर को मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का आयोजन किया था। जिसमें 350 परिवारों का नाम सची में अंकित था। 70 फीसदी परिवारों ने मेले का लाभ लिया था।

मस्कट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी रेनू कादियान

मास्टर्स वर्ल्ड रेस वॉक चैंपियनशिप में लेंगी हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

द्रोणाचार्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विरेंद्र अंतिल के साथ रेनू कादियान।

ओमान के मस्कट में आगामी 4 मार्च से आयोजित होने वाली मास्टर्स वर्ल्ड रेस वॉक चैंपियनशिप में गुरुग्राम की रेनू कादयान भारतदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। रेस वॉकर रेनू कादयान शहर के द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा में मास्टर्स डिग्री की छात्रा है।

रेनू कादयान ने वर्ष 2018 में स्पेन में आयोजित हुई वर्ल्ड मास्टर्स चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया था। वर्ष 2019 में मलेशिया में आयोजित मास्टर एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। रेनू कादयान ने अक्टूबर 2021 में गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल खेल परिसर में लगातार 24 घंटे में 150.7 किलोमीटर की रेस वॉक करके एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया था। रेनू कादयान का कहना है कि जीवन के कड़वे सामाजिक अनुभवों ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। जीवन में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है और नकारात्मकता एवं निराशा को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने बताया कि मास्टर्स वर्ल्ड रेस वॉक चैंपियनशिप में वह अकेले देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष पदमश्री डॉ. सुनील डबास ने रेनू कादयान का मार्गदर्शन करके सफलता का मूल मंत्र दिए हैं। द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विरेंद्र अंतिल, प्रो.एसएम गौड़, राकेश डबास, शारीरिक शिक्षा विभाग से प्रोफेसर कविता, डॉ. आरके ने अपनी शुभकामनाएं देकर स्वर्ण पदक जीतने की आशा व्यक्त की।

खुले आसमान के नीचे शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं सैकड़ों छात्राएं

पुन्हाना। पिनगवां के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल कक्षा 6 से 12 तक की छात्राएं खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही व सुस्ती का खामियाजा यहां छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। करीब चार साल पहले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक कन्या विद्यालय के भवन को तोड़ दिया गया था।

चार साल बीत जाने के बाद भी भवन का निर्माण कार्य नहीं शुरू किया गया। स्कूल में कस्बे सहित आसपास के गांवों की सैकड़ों छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही है। स्कूल के प्राध्यापक मुकेश जैन ने बताया कि फरवरी 2018 में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की बिल्डिंग को तोड़ दिया गया था। बिल्डिंग टूटने के बाद स्कूल की छात्राओं को राजकीय कन्या प्राइमरी स्कूल में पांच कमरे दिए गए थे। जब इस बारे में खंड शिक्षा अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बात की तो उन्होंने बताया कि भवन बनाने का बजट है, लेकिन जगह कम पड़ने के कारण परेशानी आ रही है। पंचायत अगर स्कूल बनाने के लिए अलग से जमीन दे तो बेहतर भवन का निर्माण कराया जा सकता है।

महाशिव रात्रि पर शहर के मंदिरों में हुआ जलाभिषेक, भंडारों में प्रसाद वितरण

सोहना स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक करते भक्तजन।

बाजारों में महाशिव रात्रि के अवसर पर प्रसाद वितरण करते आयोजक।

सोहना में सबसे ज्यादा भीड़ शिव कुंड पर बने मंदिर पर रही

सोहना। महाशिव रात्रि के अवसर पर शहर के मंदिरों में जलाभिषेक करने वाले भक्तों का तांता लगा रहा। शहर में जगह-जगह भंडार चलाकर भक्तों को प्रसाद वितरण किया।

मंगलवार की सुबह ही भगवान शिव के मंदिरों में व्रतधारियों का पूजा अर्चना करने के लिए सुबह 6 बजे से ही आना शुरू हो गया। शहर के अलग-अलग वार्डो में 15 से 20 बने मंदिरों में पुजारियों ने पूजा अर्चना के लिए तैयारियां कर ली थीं। सबसे ज्यादा भीड़ शिव कुंड पर बने मंदिर पर रही। उसके बाद हनुमान बगीची में तथा दूसरे नंबर पर सैनी धर्मशाला में बना मंदिर पर भक्तों ने सुबह 6 बजे से ही पूजा अर्चना करने के लिए आना शुरू कर दिया। इनके अलावा पुराना बस स्टैंड, बालूदा मार्ग, तिलपत कॉलोनी, पहाड़ी स्कूल, तिलपत कॉलोनी, दुर्गा कॉलोनी, फ्रेंड्स कॉलोनी आदि स्थानों पर महाशिव रात्रि के अवसर पर मंदिरों में भीड़ रही।

शहर के सैनी धर्मशाला, बस स्टैंड मार्ग, दमदमा मोड़, हनुमान बगीची, शिव कुंड के अलावा बाजार में जगह-जगह शिव भक्तों ने हलवा-पूरी, खीर व सब्जी-पूरी के भंडारे चलाकर प्रसाद वितरण किया। शिव भक्त कैलाश चंद ने बताया कि महाशिव रात्रि के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र में बने मंदिरों में पूजा अर्चना के साथ-साथ भंडारे किए गए।

शिव नादर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में 2022.23 के सत्र के लिए प्रवेश शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में सबसे नए इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस शिव नादर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं। यह यूनिवर्सिटी अपने चार स्कूल्स एवं एकेडमी ऑफ कंटीन्यूइंग एजुकेशन में अपने सभी कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित कर रही हैं, जहां इंजीनियरिंग, नैचुरल साईंसेज, मैनेजमेंट-एंट्रेप्रेन्योरशिप एवं ह्यूमनिटीज और सोशल साईंसेज में अंडरग्रेजुएट रिसर्च कार्यक्रम कराए जाते हैं। अगले शैक्षणिक वर्ष में यह यूनिवर्सिटी एक नए यूनिफाइड बैचलर इन टेक्नॉलॉजी कार्यक्रम के साथ बीएससी, रिसर्च, कैमिस्ट्री डिग्री में तीन नए स्पेशलाईजेशन शुरू कर रही है। कर्नल गोपाल करुणाकरन, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर, शिव नादर यूनिवर्सिटी दिल्ली-एनसीआर ने कहा, शिव नादर यूनिवर्सिटी दिल्ली-एनसीआर में हमारा उद्देश्य हर उम्र के लर्नर्स की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा कर 21वीं सदी के कैरियर द्वारा लोगों को सशक्त बनाना है। इसके लिए हमारे विद्यार्थियों को शोध सुविधाएं प्रदान करना, विभिन्न कोर्स में मजबूत संसाधन, व्यक्तिगत एवं कल्याणकारी सहायता, शैक्षणिक मार्गदर्शन और हमारे एवं उनके साथ की संपूर्ण अवधि में एक सामुदायिक भावना प्रदान करना आवश्यक है।

महामारी के दौर में विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, अंडरग्रेजुएट कार्यक्रमों में प्रवेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रक्रिया द्वारा रिमोटली प्रॉक्टर्ड प्रवेश परीक्षा, एसएनयूसैट एवं एप्ट के माध्यम से होगा, जो सुरक्षित होने के साथ एंटी-चीटिंग सर्वलेंस सुविधा से युक्त है। विद्यार्थियों को भारत में पीयरसन व्यू सेंटर्स पर परीक्षाएं देने का विकल्प भी मिलेगा। जेईई मेंस 2021 और 2022 में 80 पर्सेंटाइल या उससे ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों को स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में सीधे प्रवेश मिलेगा। स्कूल ऑफ नैचुरल साईंसेज के लिए चयनित विद्यार्थियों को एक ऑनलाईन इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले विद्यार्थियों को उनके मौजूदा स्कूल ग्रेड एवं प्रवेश परीक्षाओं में उनकी परफॉर्मेंस के आधार पर प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा।

संबंधित कार्यक्रमों की पात्रता की शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक प्रवेश के पहले चरण के लिए www.snu.edu.in पर उपलब्ध आवेदन पूर्ण रूप से भरकर 31 मार्च 2022 तक जमा कराएं। अन्य जानकारी के लिए https://snuadmissions.com/ पर विजिट करें।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन में फंसे हरियाणवियों के लिए भाजपा का हेल्पसेंटर शुरू

गुरुग्राम। यूक्रेन में फंसे हरियाणवियों के लिए भारतीय जनता पार्टी हरियाणा ने हेल्प सेंटर शुरू किया है। गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय में हेल्प सेंटर (सहायता केंद्र) में ये 8527615086, 8527589654 नंबर जारी किए गए हैं। हेल्प सेंटर की जिम्मेदारी भाजपा की एनआरआई सेल को दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर पर यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने में जुटी है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने स्तर पर यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों की सहायता करने के लिए यह हेल्प सेंटर स्थापित किया है। जिसके लिए दो हेल्प लाइन नंबर-8527615086, 8527589654 जारी किए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस हेल्प सेंटर की जिम्मेदारी एनआरआई सेल के प्रदेश संयोजक संदीप देशवाल तथा अभिनव बालियान व रजत भार्गव को दी गई है। उन्होंने बताया कि यह सहायता केंद्र भारत में विदेश मंत्रालय, यूक्रेन में दूतावास व चार देशों में भेजे गये केंद्रीय मंत्रियों के संपर्क में रहेगा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिदित्य राव सिंधिया रोमानिया मोल्डोवा में रहेंगे, जबकि किरन रिजीजू स्लवाकिया, हरदीप सिंह पुरी हंगरी और जनरल वीके सिंह पोलैंड में रहकर यूक्रेन में फंसे हरियाणा निवासी भारतीय नागरिकों की वापसी की निगरानी व सहयोग करेंगे। भाजपा हरियाणा का गुरुग्राम स्थित हेल्प सेंटर लगातार इन सभी मंत्रियों के संपर्क में रहेगा। श्रीधनखड़ के मुताबिक सहायता के लिए हरियाणा के अभिभावक रिश्तेदार व छात्र इन हेल्प लाइन नंबरों पर कभी भी सम्पर्क कर सकते हैं, उनकी हर संभव मदद की जाएगी। उनके मुताबिक इन नंबरों पर कॉल के अलावा वाट्सअप करके भी संबंधित विषय पर जानकारी दी और ली जा सकती है। भाजपा हरियाणा के मीडिया सह प्रमुख अरविंद सैनी के मुताबिक विदेश में फंसे अपने नागरिकों को सुरक्षित लाने में हर संगठन और व्यक्ति को अपने-अपने स्तर पर भी जितना संभव हो सहयोग करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़ की इसी जनकल्याणकारी सोच के चलते भाजपा ने हरियाणा में एक संगठन के तौर पर यह हेल्प सेंटर शुरू किया है। श्री सैनी ने बताया कि केंद्र सरकार के अनुसार हरियाणा के 1786 विद्यार्थी यूक्रेन में हैं, जिनमें से 100 से अधिक छात्रों को वापिस लाया जा चुका है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को दिया झिरका आने का निमंत्रण

नूंह। केंद्रीय श्रम एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव शीघ्र ही फिरोजपुर झिरका के दौरे पर आ सकते हैं। भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य अनीश गोयल ने केंद्रीय मंत्री से मिलकर उनको फिरोजपुर झिरका आने का न्यौता दिया। जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया कि उत्तर प्रदेश सहित पांच प्रदेशों के विधानसभा चुनावों के बाद फिरोजपुर झिरका आने का कार्यक्रम बनाएंगे। भाजपा नेता अनीश गोयल ने बताया कि उन्होंने महाशिवरात्रि पर्व पर उन्होंने केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव भूपेंद्र यादव से मिलकर क्षेत्र के विधानसभा की समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रदेश के पिछड़े जिले नूंह के कस्बा फिरोजपुर झिरका आने के लिए निमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि पांच प्रदेशों के विधानसभा चुनावों के बाद मंत्रीजी फिरोजपुर झिरका आएंगे। बता दें, अनीश गोयल ने 27 फरवरी को शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर भी फिरोजपुर झिरका की सनातन धर्मशाला में बेहतरीन कार्यक्रम का आयोजन करवाया था। जिसके मुख्य वक्ता पूर्व चेयरमैन जीएल शर्मा एवं मुख्य अतिथि शहीद चंद्रशेखर आजाद के प्रपौत्र अमित आजाद थे।

पाण्डव कालीन मंदिर में धूमधाम से मनाई महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि पर नल्हड़ शिव मंदिर पर लगा श्रद्धालुओं का तांता।

नूंह। अरावली पर्वतमाला की तलहटियों में स्थित पाण्डवकालीन नल्हड़ महादेव मंदिर में मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का बेलपत्र, बेलगिरि, शहद, दूध, दही, गंगाजल आदि से अभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। श्रीशिव रुद्र जन कल्याण संस्था मौजीवाल नांगल डैम (पंजाब) के चेयरमैन सरदार व मंदिर समिति के प्रधान गुरचरण सिंह मलिक ने बताया कि नूंह के नल्हड़ मेडिकल कॉलेज के निकट पहाड़ों में बसे प्राचीनकाल के कौरव पाण्डव-युद्ध के दौरान जब अज्ञात वास के दौरान कौरव-पाण्डव चलते थे तो उन्होंने इस क्षेत्र में शिवलिंग स्थापित किया था। उनके द्वारा स्थापित करीब 3 फुट ऊंचे शिवलिंग में गणेश जी, ओउम्, त्रिशूल, सर्प आदि की आकृति होने के चलते यह मंदिर दूर-दराज तक लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर करीब 20 हजार लोगों ने सुबह 4 बजे से देर सायं तक शिवलिंग पर अभिषेक किया। भगवान शिव के दर्शन कर परिवार, समाज व विश्व की सुख-समृति की कामना की। व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर कमेटी के सदस्यों व पुलिस प्रशासन का बड़ा योगदान रहा। मंदिर के प्रधान सरदार गुरचरण सिंह मलिक ने बताया कि नूंह शहर के श्रीखाटू श्याम मंदिर से पहाड़ों में बने शिव मंदिर तक बैंड-बाजों के साथ कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें करीब 250 महिलाओं ने हिस्सा लिया। यह कलश यात्रा मंदिर परिसर में संपन्न हुई, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का अभिषेक किया। मंदिर समिति द्वारा भण्डारे का आयोजन किया गया तथा व्रतधारियों के लिए अलग से प्रसाद की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि मंदिर की स्थापना कैलाशवासी ब्रह्मलीन श्रीश्री 1008 स्वामी ज्ञानगिरि महाराज द्वारा की गई थी। वर्तमान में मंदिर के उत्तराधिकारी के रूप में श्रीश्री 1008 मुलकराज महाराज विराजमान रहे। पहाड़ों के बीच बनी 287 सीढ़ियां चढ़ने के बाद एक कदम का वृक्ष है, जिसमें कुण्डली बनी हुई है। इसका पानी विश्व प्रसिद्ध है।

अमेजन.इन पर नए ऑफर्स के साथ शुरू हुई 'सुपर

amazon.in

बेबी और पेट केयर उत्पादों सहित अन्य पर पाएं 45 प्रतिशत की छूट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अमेजन के 'सुपर वैल्यू डेज' के साथ करिए गर्मियों के सीजन का स्वागत, जहां आपको मिलेगी किराना, घरेलू आवश्यक उत्पादों, पैक्ड फूड, पर्सनल केयर, बेबी और पेट केयर उत्पादों सहित अन्य पर 45 प्रतिशत की छूट।

सुपर वैल्यू डेज सेल 07 मार्च, 2022 तक चलेगी, जहां ग्रोसरी डील्स एक रुपये से शुरू होगी और प्राइम मेंबर्स को फ्री डिलीवरी दी जाएगी। ग्राहक एक सिंगल ऑनलाइन डेस्टिनेशन से अपनी सुविधानुसार डिलीवरी सुविधा पर दावत, हिमालया, सनफीस्ट, डाबर, कैडबरी, केलॉग, मदर डेयरी सहित अन्य लोकप्रिय ब्रांड्स की आकर्षक कीमत और फ्रेश ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं।

ग्राहक एक्सिस बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड से न्यूनतम 2500 रुपये की खरीदारी पर 10 प्रतिशत (250 रुपए तक) इंस्टेंट डिस्काउंट भी प्राप्त कर सकते हैं और 4 से 7 मार्च तक 2000 रुपये की न्यूनतम खरीदारी पर 200 रुपये का कैशबैक पा सकते हैं।

सरकारी सख्ती से ही रुक सकता है पॉलीथिन का इस्तेमाल

कविता। फरीदाबाद

अगर पॉलीथिन बैग के इस्तेमाल को रोकना है तो उत्पादन बंद करने के लिए सरकार को सख्ती करनी होगी। ये बातें मॉडर्न बीपी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन ओपी परमार ने सेक्टर-23, संजय कालोनी की मार्केट में निकाली गई स्काउड एडं गाइड और एनसीसी कैडेट्स के जरिये निकाली गई जारूकता रैली को हरी झंडी दिखाते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चे लगातार लोगों को जागरूक कर रहे हैं, लेकिन जागरूकता अभियान में एक मुख्य बात सामने आ रही है कि पॉलीथिन बैग का इस्तेमाल तभी रूक सकता है, जब सरकार उत्पाद को बंद कर दें। स्वच्छता के प्रति

पॉलीथिन पर लोग बोले- हम क्या करें, आ रही है सप्लाई तो करना पड़ता है इस्तेमाल

सेक्टर-23 स्थित संजय कालोनी में मॉडर्न बीपी पब्लिक स्कूल के एनसीसी और स्काउड एडं गाइड द्वारा लगातार जागरूक किया जा रहा है। सोमवार को स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा 22 फीट रोड से 33 फीट रोड पर मौजूद घरों और दुकानों में लोगों को पॉलिथीन के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया। लोगों को इसका इस्तेमाल रोकने के टिप्स भी दिए। विद्यार्थियों के संग प्रिंसीपल जितेन्द्र परमार, पार्षद जयवीर खटाना, एनसीसी के इंचार्ज हरीश शर्मा और अन्य

स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते एमबीपी स्कूल के चेयरमैन ओपी परमार, प्रिंसीपल जितेन्द्र परमार और पार्षद जयवीर खटाना।

समाजसेवी मौजूद रहे। जागरूकता रैली को स्कूल के चेयरमैन ओपी परमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के जरिये विद्यार्थियों ने लोगों को पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने के प्रति जागरूक किया। वहीं पार्षद जयवीर खटाना ने भी लोगों से अपील की कि वह शहर को स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग दें।

स्कूल सभी में आगे: स्कूल के चेयरमैन ओपी परमार ने कहा कि स्वच्छता के लिए महात्मा गांधी के बाद अब पीएम नरेंद्र मोदी ने भी देश को स्वच्छ बनाने का बीड़ा उठाया है। जिसे आगे बढ़ाते हुए स्कूल की तरफ से भी लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हम स्वच्छता के प्रति एनसीसी, स्काउड एंड गाइड के बच्चों के जरिये जागरूक कर रहे है। स्कूल के विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र नेशनल लेबल पर है। अन्य प्रतियोगिताओं में भी 80 प्रतिशत बच्चे जीतकर आते हैं। स्कूल का परीक्षा परिणाम भी बेहतर आ रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि पॉलीथिन का इस्तेमाल रोकने का एक मात्र रास्ता है, उत्पादन बंद कर देना चाहिए।

जिले में पल्स पोलियो अभियान का 99.8 प्रतिशत लक्ष्य हुआ पूरा : डीसी

जिले में 377639 में से 3,77,025 बच्चों ने पी पोलियो ड्रॉपः डॉ. मान सिंह

प्वाइंट दो प्रतिशत को आज करेंगे कवर : डॉ. मान सिंह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में पोलियो ड्राप्स अभियान का मंगलवार तक 99.8 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया है। इसके लिए जिला पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ये बातें उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहीं। उन्होंने कहा कि रविवार को जीरो से 5 साल के बच्चों को बूथों पर पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई। जबकि 28 फरवरी तथा एक मार्च यानी सोमवार व मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग की वालिंटियर टीमों ने घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो

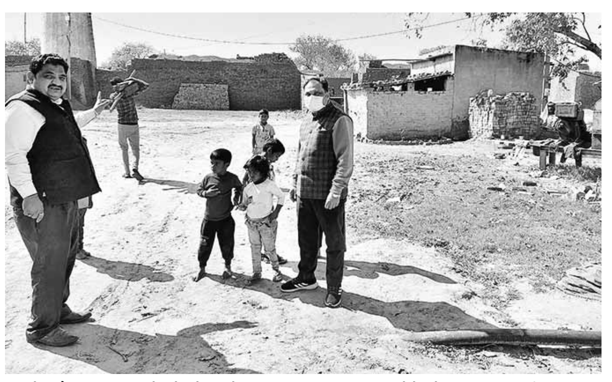
भट्टों और स्लम इलाके में पोलियो अभियान का जायजा लेते नोडल अधिकारी डॉ. मान सिंह और स्टेट की टीम के सदस्य राजेश गुप्ता।

ड्राप्स पिलाई। ताकि एक भी बच्चा जिला में पोलियो ड्राप्स पिए बिना ना रहे।

पोलियो अभियान की जानकारी देते हुए नोडल अधिकारी डॉ. मान सिंह ने बताया कि आंगनबाड़ी वर्करों ने हड़ताल के चलते पोलियों अभियान में सहयोग नहीं किया। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने इस कार्य के लिए स्कूल टीचरों और बच्चों के साथ स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग लिया। जिसके कारण जिले में 377639 में से 3,77,025 बच्चों को तीन दिनों में पोलियों की खुराक पिलाई गई। उन्होंने बताया कि ईट भट्टों और स्लम इलाके समेत घरों को कवर कर लिया गया है। महाशिवरात्रि के कारण स्कूल मंगलवार को बंद थे। जिस कारण प्वाइंट दो प्रतिशत बच्चे रह गए हैं। इस अभियान को बुधवार को आगे बढ़ाते हुए छुटे हुए बच्चों को कवर किया जाएगा। बुधवार तक पोलियों अभियान 100 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। इस दौरान उन्होंने स्टेट से आई टीम के सदस्य राजेश गुप्ता के संग ईंट भट्टों और स्लम इलाके का दौरा किया था, जहां पता चला कि बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाई गई है।

फील्ड में उतरी 2113 टीमें: डॉ. मान सिंह ने बताया कि जिले में जीरो से 5 वर्ष के 377639 बच्चे हैं। इनमें से 377025 बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाने के लिए स्वास्थ्य तथा अन्य विभाग के कर्मचारियों की 2113 टीमें बनाई गई थीं। टीमों ने 634976 घरों में भी दस्तक देकर बच्चों को पोलियो ड्राप पिलानी सुनिश्चित की। इसके लिए विभाग ने 1532 बूथ बनाए थे और 2113 टीमें बनाई गई थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 111 ट्रांजिट टीमें और 94 मोबाइल टीमों का गठन किया गया था। वहीं माइग्रेटिड के 1112, स्लम के 681, नोर्मड के 39, ईट भट्टों के 146 और कंट्रक्शन की 219 साइटे जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित की गई। वहां पर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाना सुनिश्चित किया गया।

यूक्रेन में फंसे लोगों की सहायता के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद मंडल के मंडल आयुक्त एवं हरियाणा भवन दिल्ली के रेजिडेंट कमिश्नर संजय जून ने बताया कि यूक्रेन में फंसे हरियाणा राज्य के निवासियों व छात्रों की सहायता के लिए मंडल आयुक्त कार्यालय फरीदाबाद में राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह नियंत्रण कक्ष लगातार 24 घंटे कार्य करेगा। इस नियंत्रण कक्ष के लिए टेलीफोन नंबर 0129-2981617 जारी किया गया है।

इस कंट्रोल रूम को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्मचारियों की अलग-अलग शिफ्ट में ड्यूटी भी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में किसी भी व्यक्ति को यूक्रेन में फंसे हुए किसी भी व्यक्ति या छात्र से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त करनी है अथवा सहायता की आवश्यकता है तो वह 24 घंटे किसी भी समय इस नंबर पर संपर्क कर सकता है। उन्होंने बताया कि इस कंट्रोल रूम में तीन शिफ्ट में कर्मचारियों की इस कंट्रोल रूम में ड्यूटी लगाई गई है। पहली शिफ्ट में बड़खल तहसील कार्यालय से सहायक नर्सिंग व लिपिक गौरव, कंप्यूटर ऑपरेटर सोनिया व पिंकी

किसी भी मदद व जानकारी के लिए नियंत्रण कक्ष लगातार 24 घंटे कार्य करेगा

नियंत्रण कक्ष के लिए टेलीफोन नंबर 0129-2981617 जारी किया गया

सैनी प्रात: 7:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उपमंडल अधिकारी कार्यालय बल्लभगढ़ से सहायक बृजमोहन, लिपिक सत्या कुमार, आरटीओ कार्यालय से कंप्यूटर ऑपरेटर प्रेमलता व कमिश्नर ऑफिस से कंप्यूटर ऑपरेटर प्रेमलता दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उपायुक्त कार्यालय से सहायक अमरीश कुमार लिपिक रवि कुमार, आरटीओ कार्यालय से कंप्यूटर ऑपरेटर नेतराम, व उपमंडल अधिकारी कार्यालय बल्लभगढ़ से कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल घटवाल रात्रि 11 बजे से प्रात: 7 बजे तक ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

बस स्टैंड मार्केट में हुआ शोभा यात्रा का जोरदार स्वागत

बल्लभगढ़ में ब्रह्माकुमारीज द्वारा शिवरात्रि के अवसर पर निकाली शोभा यात्रा का स्वागत करते बस स्टैंड मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में शिवरात्रि के पावन पर्व पर बल्लभगढ के ब्रह्माकुमारीज सेवा केन्द्र द्वारा मंगलवार विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा बल्लभगढ बस स्टैंड मार्केट में पहुंचने पर हरियाणा व्यापार मंडल के स्थानीय प्रधान प्रेम खट्टर के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया।

इस मौके पर समस्त व्यापारी वर्ग ने विश्व में शांति के लिए भोले बाबा से प्रार्थना की। उपस्थित शिव भक्तों को सम्बोधित करते हुए प्रधान प्रेम

विश्व कल्याण के लिए भगवान भोले से की प्रार्थनाः प्रेम खट्टर

खट्टर ने कहा कि आज विश्व के जो हालात हैं उन में केवल भगवान पर भरोसा ही लोगों के मन को मजबूत करता है। उल्लेखनीय है कि उदासीन साधु आश्रम से मंगलवार सुबह इस शोभा यात्रा का शुभारम्भ भाजपा नेता टिप्पर चंद ने झंडी दिखा कर किया था। इस मौके पर उनके साथ हरियाणा व्यापार मंडल के प्रधान प्रेम खट्टर,पार्षद दीपक यादव भी मौजूद थे।

आज से शुरू होगा कर्मचारियों का क्रमिक अनशन: शास्त्री

फरीदाबाद। पालिका, परिषद, नगर निगम व अग्निशमन विभाग के कर्मचारी कल 2 व 3 मार्च को क्रमिक अनशन कर 6 मार्च को शहरी स्थानीय निकायों एवम अग्निशमन विभाग के हजारों कर्मचारी शहरी स्थानीय निकाय मंत्री के हिसार स्थित आवास पर राज्य स्तरीय प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन के मंच से बड़े आंदोलन का ऐलान करेंगे।

नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्यप्रधान व संघ के महासचिव मांगेराम तिगरा ने सरकार पर कर्मचारी और दलित विरोधी होने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने ग्रुप डी की भर्ती में एक भी सीवरमैन और सफाई कर्मचारी की भर्ती सरकार ने नहीं की है। उल्टा एक्स ग्रेसिया में नौकरी लगने वाले सीवरमैनों के आश्रितों को सीवरमेन के पद पर नियुक्ति देने पर ही पाबंदी लगा दी है। उन्होंने कहा कि गांव से लेकर शहर तक सफाई कर्मचारियों की संख्या क्षेत्रफल एवं आबादी के अनुपात में कम है। अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के लोगों को न्याय देने एवं सेवा संबंधी लाभ में न्याय देने के लिए सरकार द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया है।

जलवायु परिवर्तन की अनदेखी की तो हो जाएंगे विलुप्त

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (आईपीसीसी) वर्किंग ग्रुप 2 की रिपोर्ट का हाल ही में जारी की गई। इससे पूर्व अगस्त, 2021 में वर्किंग ग्रुप 1 की रिपोर्ट जारी हुई थी। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन की स्थिति 2000 साल में सर्वाधिक अप्रत्याशित है और इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। 2014 में आईपीसीसी वर्किंग ग्रुप 2 की रिपोर्ट में भी ऐसी ही तस्वीर सामने आई थी।

सामाजिक एवं पर्यावरण संबंधी मसलों पर काम करने वाले संगठन एक्शन एड एसोसिएशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर संदीप चाचरा ने कहा,'हमें जलवायु परिवर्तन को लेकर गरीबों को ध्यान में रखते हुए और सर्व समावेशी नीति अपनाने की जरूरत है। सस्टेनेबल लाइफ के लिए सभी की सहभागिता वाली, भविष्य केंद्रित और टेक्नोलॉजी आधारित योजना बनाने तथा ग्रामीण एवं शहरी जीवन को प्रबंधित

करने की आवश्यकता है। हमें विलुप्त होने की इस राह पर चलने से बचना होगा।'

वहीं सस्टेनेबेल एनवॉयरमेंट एंड इकोलॉजिकल डेवेलपमेंट सोसाइटी (सीड्स) के सह संस्थापक डॉ मनु गुप्ता ने कहा, ''आईपीसीसी वर्किंग ग्रुप 2 रिपोर्ट ने जलवायु संकट के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को स्पष्ट कर दिया है। हालांकि यह भविष्य के जोखिमों को कम करने के लिए व्यापक स्तर पर सहयोगात्मक कार्यवाही की मांग करता है, ताकि प्रभावित समुदायों को विपरीत वास्तविकताओं के वाबजूद आज के हिसाब से अनुकूल बनाने में मदद मिल सके इसलिए वर्तमान समय में इस समुदाय के साथ काम करने की आवश्यकता है। हमें उन्हें बेहतर तरीके से तैयार करने के लिए स्थानीय इन्नोवेशंस को बढ़ावा देने और बिगड़ते प्रभावों के बावजूद एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए उपायों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। बाढ़, तूफान, गर्म व सर्द हवाएं, समुद्र का बढ़ता जलस्तर और वायु प्रदूषण के कारण पहले से ही करोड़ों लोगों का जीवन संकट में है।

आंगनबाड़ी वर्कर करेंगी विधानसभा का घेराव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद। आंगनबाड़ी वर्कर और हेल्पर यूनियन के हजारों कार्यकर्ता आगामी 3 मार्च को विधानसभा घेराव के लिए चंडीगढ़ कूच करेंगे। यह जानकारी यूनियन की राज्य प्रधान दबिंदेरी शर्मा ने सेक्टर 12 में लघु सचिवालय के सामने हड़ताली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दी। इस मौके पर सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर एवम् सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिवरात्रि का अवकाश होने के बावजूद भी बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी वर्करों हेल्पर आज 83 वे दिन भी धरने प्रदर्शन में शामिल हुई। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डंगवाल ने बताया कि हरियाणा में तालमेल कमेटी के आवाहन पर हजारों आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर 8 दिसंबर 2021 से हड़ताल पर हैं। राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा प्रचार के लिए 29 दिसंबर 2021 को कुछ

सेक्टर 12 में प्रदर्शन करती आंगनबाड़ी वर्कर को संबोधित करते कर्मचारी नेता।

मांगो को लेकर घोषणा की गई थी। लेकिन जो प्रमुख मुद्दा था। उसे हल नहीं किया गया। हड़ताल इसलिए जारी है, क्योंकि राज्य सरकार प्रधानमंत्री द्वारा सितंबर 2018 में की गई और वर्कर्स के मानदेय में 15 सौ रुपए और हेल्पर के लिए 750 रुपये की बढ़ोतरी को नहीं दे रही है। जबकि केंद्र सरकार से 4 साल से यह पैसा राज्य सरकार के पास आ रहा है। दूसरी मांग राज्य के मुख्यमंत्री ने स्वयं 5 मार्च 2018 को हरियाणा विधानसभा में वर्कर हेल्पर को अर्द्धकुशल और कुशल का दर्जा देने और महंगाई भत्ते को मानदेय में जोड़ने का घोषणा की थी। उसी के अनुसार तक महंगाई भत्ता एक साल तक दिया गया, लेकिन बाद में इसको बंद कर दिया गया। इसके अलावा यूनियन ने अन्य विभागों की तर्ज पर विभागों की तर्ज पर आंगनबाड़ी वर्कर्स को भी एक्स ग्रेशिया स्कीम का लाभ देने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा सरकार आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर के साथ उसी तरह का व्यवहार कर रही है। जिस तरह का किसान आंदोलन में उनके साथ किया गया था। उन्होंने कहा कि महिला हितेषी होने का दावा करने वाली सरकार अब उनका दमन करने से पीछे नहीं हट रही है।

वर्करों को और हेल्परों की मांगों को लागू करने के बजाए अधिकारियों से उनकी सेवाओं को समाप्त करवाया जा रहा है। पूरे प्रदेश से हजारों वर्कर और हेल्पर 14 फरवरी से करनाल में मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में खुले आसमान के नीचे बैठी हुई हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा और जेजेपी की सरकार मजदूरों, किसानों, कर्मचारियों पर हमलावर है। अपनी जायज मांगों के लिए आंदोलन करने वालों का दमन करने पर उतारू है। प्रदर्शन के समापन पर प्रधान ने बताया कि कल 2 मार्च को सभी आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर बीके नगर निगम चौक पर एकत्रित होंगी वहां से सभी कर्मचारियों को साथ लेकर के आंदोलन को तेज किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर व्रत रखने का विशेष महत्व : धर्मबीर

एनएच पांच स्थित बांके बिहारी मंदिर में महाशिव रात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना।

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने मंगलवार को बड़खल विधानसभा के वार्ड नं- 14 स्थित बांके बिहारी मंदिर में आयोजित महा शिवरात्रि के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

भोले बाबा के चरणों में शीश झुकाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड नं.-14 से पार्षद पद के भावी उम्मीदवार संजय कुमार जुनेजा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान ललित गोंसाई ने आए हुए सभी अतिथियों को आशीर्वाद प्रदान किया। आप पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने इस मौके पर अपने साथियों सहित शहर के मंदिरों से निकाली गई शिव बारात में शिरकत की और शिव शंकर की महत्ता पर प्रकाश डाला।

संक्षिप्त समाचार

कुरीतियों को दूर कर समाज को दें नई दिशाः शर्मा

गांव सदपुरा में जिला ब्राह्मण सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी को सम्मानित करते कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के भाई टिपर चंद।

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद ब्राह्मण सभा की एक बैठक परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के गांव सदपुरा में देवी मंदिर के प्रांगण में हुई। जिसमें एक ओर जहां समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया, वहीं दूसरी ओर युवाओं को अच्छी शिक्षा ग्रहण कर समाज को नहीं दिशा देने के बारे में प्रेरित किया। मंच संचालक लालचंद शर्मा ने किया। कार्यक्रम का आयोजन रेलवे से सेवानिवृत अधिकारी तुलसीराम ने किया। जिसमें मास्टर विजय समेत गांव के लोगों ने अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर सभा के जिला अध्यक्ष बृजमोहन वत्स, मोतीलाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं परिवहन मंत्री के भाई टिप्परचंद शर्मा, बृजलाल शर्मा, डा तेजपाल शर्मा, न्यादर सिंह, श्रवण कुमार, गिर्राज शर्मा, जगदीश मास्टरजी, रविदत्त शर्मा, जेपी शर्मा,तुलसीराम शर्मा, मानिक मोहन शर्मा, राजकुमार शर्मा समेत इलाके से आए प्रमुख लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान समाज में अहम भूमिका निभाने वाले सब इंस्पेक्टर उमेश कौशिक, एडवोकेट पाराशर महासचिव, एडवोकेट तरुण भारद्वाज, वरिष्ठ उप प्रधान, टीकाराम शर्मा को उल्लेखनीय लार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

सरकारी हिदायत के अनुसार रेडक्रॉस के काम हों पूरे

फरीदाबाद। उपायुक्त कम जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में जिला रेडक्रास सोसायटी की कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एक एक करके बिंदुवार तमाम विषयों पर विस्तार पूर्वक समीक्षा करके सुझाव साझा किए गए। बैठक में उपमंडल अधिकारी नागरिक फरीदाबाद परमजीत चहल, एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोकचंद, सीटीएम नसीब कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुशीला देवी, डीडीपीओ राकेश मोर, जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी और रेडक्रॉस के सचिव विकास कुमार, डीईपीआरओ राकेश गौतम तथा रेडक्रॉस के पैटर्न श्रीगंगा शंकर मिश्र सहित रेडक्रॉस के सभी पदाधिकारी व अन्य सदस्य मौजूद रहे। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला रेडक्रॉस सोसाइटी में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सभी को नार्मस पूरे हो। सोसाइटी में विभिन्न कार्यों का क्रियान्वयन और भी बेहतर तरीके से करें ताकि प्रदेश के अन्य जिले भी हमारा अनुसरण करें।

हवन और भंडारे के संग कथा का समापन

फरीदाबाद। हवन और भंडारे के साथ श्रीराम कथा का समापन हुआ। प्राचीन शिव मंदिर राजीव कॉलोनी में चल रही शिवरात्रि उत्सव का संपन्न हुआ। इस मौके पर हवन और भंडारे का आयोजन किया गया। आचार्य सर्वेश पांडे ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। विशाल भंडारे का आयोजन किया गया साथ ही कालसर्प दोष शांति की नि:शुल्क पूजा की गई। जिसमें शहर के विभिन्न शत्रु लोग आकर के कालसर्प दोष की शांति कराएं। महाराजश्री बताते हैं कि महाशिवरात्रि के दिन कालों के काल महाकाल देवों के देव महादेव भूत भगवान भोलेनाथ की सेवा करना सबसे अधिक श्रेयस्कर है। इस अवसर पर शहर के विभिन्न सांस्कृतिक सामाजिक लोग भी उपस्थित होकर महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त किए।

भूखे प्यासे लावारिस वृद्ध को वृद्धाश्रम ने अपनाया

फरीदाबाद। नवजन मोर्चा समिति ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम 2डी-ब्लॉक ब्लॉक ने एक लावारिस वृद्ध जोकि भूखा प्यासा दशहरा ग्राऊंड के पास बैठा था। उसे आश्रम में सहारा देकर नेक काम किया है। आश्रम के संचालक किशन लाल बजाज को एम्बूलेंस ड्राइवर पप्पू का फोन आया कि एक वृद्ध दशहरा ग्राऊंड एनआईटी के पास दयानीय स्थिति में बैठा हुआ है। किशन लाल बजाज बिना समय गवाएं, अपनी टीम जिसमें सत्यपाल चौहान, सूरज आर्य व कोमल बजाज के साथ मौके पर पहुंचे। वृद्ध को लेकर आश्रम आए। किशन लाल बजाज ने बताया कि पूछताछ करने पर वृद्ध ने अपना नाम अशोक कुमार उम्र 62 और पिता का नाम बालमुकुन्द बताया और ऐसा लग रहा है कि वृद्ध ने कुछ दिनों से कुछ नहीं खाया है और उसकी मानसिक हालत भी ठीक नहीं है। किशन लाल बजाज ने बताया कि वृद्ध को खाना और पहनने के लिए नए कपड़े दिए गए है और उसे आश्वासन दिया गया है कि उसकी देखभाल करने की जिम्मेदारी अब आश्रम की है। उन्होंने कहा कि इस वृद्ध के बारे में सूचना 3 नंबर पुलिस चौकी में दे दी जाएगी।

पेंशन बहाली को लेकर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। जिले के सेक्टर-12 में हसला फरीदाबाद व पेंशन बहाली संघर्ष समिति और अन्य कर्मचारी यूनियन के साथ मिलकर जिला उपायुक्त के द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें हसला फरीदाबाद प्रधान संदीप चौहान के नेतृत्व में लगभग 300 प्रवक्ता वर्ग इकट्ठे हुए। इसके लिए सभी सेक्टर-12 टाउन पार्क से पुरानी पेंशन बहाली के नारे लगाते हुए जिला उपायुक्त के मुख्यालय पहुंचे। जिसमें नारी शक्ति ने बहुत ही बढ़ चढ़कर भाग लिया। मुख्यालय के समक्ष हसला फरीदाबाद कार्यकारिणी व पीबीएसएस के सदस्य व प्रधान राजेश भाटी व राज्य सदस्य प्रतिभा चौहान व अन्य कर्मचारी प्रधान के साथ मिलकर जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया।

सेफ्टी कॉउंसिल ने वाहनों पर लगाई रिफ्लेक्टर टेप

फरीदाबाद। डॉ दुर्गेश शर्मा (विशेष आमंत्रित सदस्य, हरियाणा रोड सेफ्टी कॉउंसिल) ने शहर की प्रमुख संस्थाओ सोनू नव चेतना फाउंडेशन और संभार्य फाउंडेशन के साथ मिलकर 265 निजी व कमर्शियल वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई। अभियान के दौरान डॉ दुर्गेश शर्मा व् अभिषेक देशवाल ने रिफ्लेक्टर टेप लगाकर वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया व रात के समय कम दृश्यता के चलते दुर्घटना ना हो इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया। डॉ दुर्गेश शर्मा ने बताया की यह अभियान परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के दिशा-निर्देशन में हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव नवदीप विर्क, परिवहन विभाग के परिवहन आयुक्त अमिताभ ढिल्लो और डॉ राजश्री सिंह (आइजी, ट्रैफिक एंड हाईवे) की देखरेख में चलाया जा रहा है।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप ने किया जलाभिषेक

फरीदाबाद। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं बड़खल विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे विजय प्रताप सिंह ने मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर शहर में अलग-अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की। भोले शंकर का आशीर्वाद ग्रहण किया। विजय प्रताप ने शिव महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रनुसार सर्वप्रथम ब्रह्मा व विष्णु ने महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पूजन किया था। सृष्टि की कल्पना की थी। शिव पुराण के ईशान संहिता में फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में आदिदेव भगवान शिव करोड़ों सूर्य के समान प्रभाव वाले लिंग के रुप में प्रकट हुए थे। इस मौके पर उनके मंदिर के प्रधान ललित गोंसाई, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष गुलशन बग्गा, राकेश कोहली, महेश बजाज प्रधान, पदम सिंह भडाना उपप्रधान, संजय शर्मा महासचिव, ओमप्रकाश कोषाध्यक्ष एवं कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल सरदाना मौजूद रहे।

चिकित्सा शिक्षा
समस्या समाधान आवश्यक

भारत में चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र समस्याओं से ग्रस्त है और सरकार को इसे ठीक करना चाहिए। व्लादीमिर पुतिन के यूक्रेन पर हमले से अब सभी यह तथ्य जान गए हैं कि उस देश में हजारों भारतीय छात्र मुख्यत: डाक्टरी पढ़ने गए थे। इस मामले का यथाशीघ्र आंकलन होना चाहिए। भारत में वर्तमान समय में इस विमर्श पर भी जोर देना चहिए कि भारतीय छात्रों को यूक्रेन जैसे देशों में डाक्टरी पढ़ने क्यों जाना पड़ता है। स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने से इस पर मीडिया व सोशल मीडिया में बहुत ध्यान दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यूक्रेन का सीधे उल्लेख नहीं किया, लेकिन उनके कथन का संदेश स्पष्ट है। उन्होंने कहा, 'आज हमारे बच्चे छोटे देशों में खासकर चिकित्सा शिक्षा पढ़ने जाते हैं। वहां भाषा की समस्या है। लेकिन इसके बावजूद वे जाते हैं। क्या हमारा निजी क्षेत्र इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रवेश नहीं कर सकता है? क्या हमारी राज्य सरकारें इनके लिए भूमि आबंटन हेतु अच्छी नीतियां नहीं बना सकती हैं?' हम सभी जानते हैं कि छात्र विदेशों में डाक्टरी पढ़ने क्यों जाते हैं। सरकारी मेडिकल कालेजों में सीटें सीमित हैं। प्रतियोगिता बहुत अधिक है तथा कटआफ बहुत ऊंचे होते हैं। निजी मेडिकल कालेज बहुत महंगे तथा कुछ तो पहुंच से बाहर हैं। ऐसे में अनेक छात्र विदेशों के बड़े संस्थानों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। लेकिन सरकारी कालेजों में प्रवेश योग्य अच्छे नंबर न लाने या निजी कालेजों की भारी फीस अदा करने में अक्षम बाकी छात्रों के सामने यूक्रेन जैसे देशों में जाने का एकमात्र विकल्प बचता है। वहां कोई प्रवेश

परीक्षा नहीं होती है, अनेक विश्वविद्यालयों को भारतीय चिकित्सा परिषद ने मान्यता दी है, शिक्षा तुलनात्मक रूप से सस्ती है तथा प्रशिक्षण एवं सुविधायें काफी हैं।

2015 में विदेशों में डाक्टरी पढ़ने के इच्छुक 3,398 भारतीय छात्रों को भारतीय चिकित्सा परिषद ने योग्यता प्रमाणपत्र दिए थे। 2018 में यह संख्या बढ़ कर 17,504 हो गई। अब तक यह दूनी हो गई होगी। लेकिन जब 'छोटे देशों' से एमबीबीएस की डिग्री लेकर छात्र लौटते हैं तो उनको दो और बाधायें पार करनी पड़ती हैं। पहला, उनको अपने अध्ययन के रूप में 12 महीने की इंटर्नशिप पूरी करने के बाद फिर भारत में 12 महीने की सुपरवाइज्ड इंटर्नशिप करनी पड़ती है। इसके बाद उनको भारत में प्रैक्टिस के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की एक परीक्षा पास करनी पड़ती है। जून 2021 में इस परीक्षा में 18,048 छात्र बैठे थे और उनमें से केवल 4,238 ही योग्य पाए गए थे। उनके सामने परीक्षा पास करने तक टेस्ट देने के सिवा कोई और विकल्प नहीं हैं। इसके बाद उनको मूलभूत विशेषज्ञता के लिए मास्टर डिग्री लेनी होती है। इस प्रकार डाक्टरी अब विशिष्ट पेशे के बजाय एक महत्वाकांक्षी पेशा बन गई है। जिन लोगों के पास भारत में अध्ययन के लिए समुचित नंबर या पैसा नहीं होता है, वे अन्य विकल्प तलाशते हैं। विदेशों में शिक्षा एक व्यक्तिगत विकल्प है। लेकिन जब यह मजबूरी बन जाए तो सरकार के पास सार्वजनिक चिकित्सा शिक्षा को विस्तार देने के साथ ही डोनेशन व कैपिटेशन फीस पर लगाम लगाने का ही रास्ता बचता है। इसके लिए केवल नए मेडिकल कालेजों को जमीन देना ही काफी नहीं है। इसका अर्थ निजी चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के बेलगाम मुनाफों पर रोक है जो एक उद्योग में बदल गए हैं।

मातृभाषा में प्रारम्भिक शिक्षा का महत्व

नई शिक्षा नीति का यह सुझाव सही है कि पहले पांच साल पढ़ाई मातृ भाषा में होनी चाहिए। इसके बाद बच्चा अंग्रेजी माध्यम से पढ़ सकता है।

रामचंद्र मूर्ति कोंडुभाटला
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

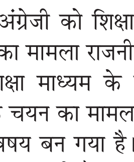

तेलुगू राज्यों में अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाने का मामला राजनीतिक मुद्दा बन गया है। शिक्षा माध्यम के लिए मातृभाषा या अंग्रेजी के चयन का मामला पूरे भारत में विवाद का विषय बन गया है। इस विषय पर दशकों से बहस जारी है, हालांकि यह थोड़े असंगठित रूप में है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव-केसीआर की अध्यक्षता में 17 जनवरी, 2022 को बुलाई कैबिनेट बैठक में पहली कक्षा से ही अंग्रेजी माध्यम को शुरू करने तथा इसके साथ ही इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए तेलुगू माध्यम जारी रखने का निर्णय किया। यह नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-एनईपी के खिलाफ है। स्वाभाविक रूप से तेलंगाना के भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार के फैसले का विरोध किया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी-जेएमआर मुख्यमंत्री बनने के पहले ही दिन से चाहते थे कि राज्य सरकार के सभी स्कूल अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दें। उन्होंने कहा था कि 2017-18 में ऐतिहासिक पदयात्रा के समय जब उनसे बड़ी संख्या में लोग मिले तो उन्होंने अंग्रेजी माध्यम पर जोर दिया। निसंदेह यह मांग लोकप्रिय है।

क्या सरकारों को जनता की मांग के अनुसार काम करना चाहिए या उस रास्ते पर चलना चाहिए जो उनके लिए अच्छा हो? सत्ता में आने के फौरन बाद जेएमआर ने सरकारी स्कूलों के विकास का प्रयास किया, उनकी छवि सुधारी तथा आवश्यक ढांचा प्रदान किया। पहले उन्होंने तेलुगू माध्यम की अनुमति ही नहीं दी। लेकिन मातृभाषा के पैरोकारों द्वारा काफी शोर-शराबा मचाने के बाद उन्होंने कहा कि वे कुछ स्कूलों में तेलुगू माध्यम की भी अनुमति देंगे। लेकिन उनकी नीति कठिनाइयों तथा कानूनी समस्याओं में फंस गई, जिससे सरकार को अगले अकादमिक वर्ष से नई नीति क्रियान्वयन की घोषणा करनी पड़ी।

तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर लिम्बादरी के अनुसार, 'संयुक्त राष्ट्रसंघ की मानवाधिकार घोषणा के अनुसार शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। बच्चे को कैसी शिक्षा मिले यह उसके माता-पिता पर निर्भर करता है और वे ही इस मामले में अंतिम निर्णय कर्ता होते हैं। माता पिता खासतौर से चाहते हैं कि उनके बच्चे को स्कूली शिक्षा की शुरुआत से ही अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाया जाए।' उन्होंने कहा कि सरकार 'मन्ना ओरु-मन्ना बाड़ी', यानी मेरा गांव-मेरा स्कूल पायलट परियोजना के अंतर्गत सरकारी स्कूलों में सुविधायें बढ़ा रही है। एक प्रकार से केसीआर पूरी सतर्कता के साथ जेएमआर की नीति को आगे बढ़ा रहे हैं। तेलंगाना पूरी तरह तेलुगू माध्यम को समाप्त नहीं करेगा, बल्कि वह इसे प्राकृतिक मौत मरने देगा। दो दशक पहले 80 प्रतिशत छात्र सरकारी स्कूलों में जाते थे, जबकि 20 प्रतिशत निजी स्कूलों में।

2005 तक सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या घट कर 70 प्रतिशत रह गई और अब यह 45 प्रतिशत से भी कम है। तेलंगाना आवासीय स्कूलों, माडल स्कूलों व गुरुकुल स्कूलों के माध्यम से एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यक छात्रों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। बिना सार्वजनिक किए सरकार ने लोकप्रिय मांग वाले स्थानों में शिक्षकों को अंग्रेजी माध्यम अपनाने की अनुमति दी। अंग्रेजी माध्यम न होने के कारण अनेक सरकारी स्कूल बंद हो गए।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में तीन प्रकार के स्कूल हैं। बहुसंख्य स्कूल सरकार द्वारा संचालित हैं और इनके बाद निजी स्कूलों व कार्पोरेट स्कूलों का स्थान है। निजी स्कूलों की तुलना में सरकारी स्कूलों के शिक्षक बेहतर प्रशिक्षित हैं तथा बेहतर वेतन पाते हैं। लेकिन यहां तक कि गरीब और निचली जातियों के माता-पिता भी अंग्रेजी माध्यम वाले निजी स्कूलों में अपने बच्चों की शिक्षा पर पैसे खर्च करते हैं। यदि उनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते तो खर्च बहुत कम होता, लेकिन वे निजी स्कूलों में पढ़ा कर उन पर पांच गुना अधिक खर्च करते हैं। यदि सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम हो तो गरीबों पर यह बोझ नहीं पड़ेगा।

दलित बुद्धिजीवी चंद्रभान प्रसाद लंबे समय से कह रहे हैं कि अंग्रेजी दलितों को जातीय ऊंचनीच से मुक्त कराने वाली सबसे बड़ी शक्ति है। अंग्रेजी से दशकों से वंचित रहने के कारण असमानतायें गहरी हुई हैं। एक बुद्धिजीवी का कहना है कि मातृभाषा के समर्थक कट्टरपंथी भारत को गरीब और पिछड़ा बनाए रखना चाहते हैं। यदि हमारे स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम नहीं होगा तो हम पद्म भूषण सत्या नाडेला व सुंदर पिचई जैसे लोग नहीं तैयार कर सकेंगे जो माइक्रोसाफ्ट व गूगल जैसे सम्मानित बहुराष्ट्रीय निगमों का नेतृत्व कर रहे हैं। रातोंरात अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तन आसान नहीं है। इसके लिए द्विभाषी शिक्षण सामग्री तैयार करनी होगी। शुरुआत में इसमें काफी निवेश करना होगा तथा शिक्षकों को प्रशिक्षण देना होगा। अमेरिका और अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत शिक्षा पर बहुत मामूली खर्च करता है। उसे शिक्षा पर खर्च कई गुना बढ़ाना होगा।

एनईपी के अनुसार, 'जहां संभव हो वहां यथासंभव शिक्षा का माध्यम कक्षा 5 तथा बेहतर हो कि कक्षा 8 और उसके बाद भी घर पर बोली जाने वाली भाषा, मातृ भाषा, स्थानीय भाषा, क्षेत्रीय भाषा होनी चाहिए।' इसके पीछे मजबूत वैज्ञानिक सहमति है कि बच्चों की शिक्षा उनकी अपनी भाषा में होनी चाहिए और यही सर्वोत्तम शिक्षाशास्त्रीय विधि है। भारत की तरह नाइजीरिया भी बहुभाषी देश है जहां ब्रिटिश उपनिवेशवाद व अंग्रेजी भाषा का इतिहास शिक्षा व्यवस्था पर प्रभुत्वकारी है। नाइजीरिया के प्रमुख शिक्षाशास्त्री एलियू फाफूनावा ने 1970 में एक परियोजना शुरू की थी जिसमें छात्रों के प्रयोग समूहों को उनकी अपनी देशी भाषा योरुबा में पहले छ: साल तक पढ़ाया गया। उन्होंने अंग्रेजी में पढ़ने वाले बच्चों की तुलना में अध्ययन में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मैक्सिको में नैंसी मोडियानो ने ऐसा ही प्रयोग 1973 में किया और समान परिणाम प्राप्त किए। जिन बच्चों को शुरुआत में देशी भाषा में पढ़ाया गया और बाद में स्पैनिश भाषा पढ़ाई गई उन्होंने उन बच्चों से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया जिनको पहली कक्षा से स्पैनिश पढ़ाई गई थी। भारत में व खासकर आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में ऐसे कोई तुलनात्मक अध्ययन नहीं किए गए हैं। संविधान के अनुच्छेद 350ए के अनुसार हर राज्य व स्थानीय अधिकारी को 'शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर भाषाई अल्पसंख्यक समूहों बच्चों को उनमी मातृभाषा में शिक्षा देने की व्यवस्था करनी चाहिए।' शिक्षा और राष्ट्रीय विकास पर कोठारी आयोग ने सुझाव दिया था कि आदिवासी क्षेत्रों में स्कूल के पहले दो साल में शिक्षा तथा पुस्तकों का माध्यम स्थानीय आदिवासी भाषाओं में होना चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं को अलग से पढ़ाया जाना चाहिए तथा तीसरे साल तक उनको शिक्षा का माध्यम बनाए रखना चाहिए। ओडिशा सरकार ने इस नीति का क्रियान्वयन 2007 में शुरू किया था। शिक्षा अधिकार कानून, 2009 में भी बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा देने पर जोर दिया गया है। लेकिन बाद में सरकारें शिक्षा के साथ छेड़छाड़ करने लगीं। निजी स्कूलों को अंग्रेजी छोड़ने के लिए कहने के बजाय केन्द्र सरकार अपने ही विशिष्ट केन्द्रीय विद्यालय स्कूलों के नेटवर्क में मातृभाषा का प्रयोग नहीं करती है।

अंग्रेजी विज्ञान, तकनीक, कंप्यूटर, इंटरनेट, पत्रकारिता, वेबसाइट, आदि की भाषा है। कंप्यूटरों पर 80 प्रतिशत सूचना अंग्रेजी में दी जाती है। तथ्य यह है कि अंग्रेजी, स्पैनिश या कोई अन्य भाषा मातृभाषा की नीव पर आसानी से सीखी जा सकती है। यदि हम किसी को सीधे अंग्रेजी सीखने पर मजबूर करें तो वह रट कर सीखने की तरह होगा। एक छोटा बच्चा स्कूल में तीन से चार घंटे बिताता है। बच्चे का बाकी समय गैर-अंग्रेजी परिवेश में बीतता है। यदि हम उसे सीधे अंग्रेजी सीखने को मजबूर करें तो यह रट कर सीखने की तरह होगा। एनईपी का यह सुझाव ठीक है कि पढ़ाई के पहले पांच साल मातृभाषा में होने चाहिए। इसके बाद बच्चे को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाया जा सकता है। भाषा के रूप में अंग्रेजी पहली कक्षा से पढ़ाई जा सकती है।

कक्षा 5 तक पढ़ाई की भाषा मातृभाषा होनी चाहिए। इसके बाद कक्षा 6 से मातृभाषा विषय हो जानी चाहिए तथा पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी भाषा होनी चाहिए। यह परिवर्तन सहज होगा। यदि केन्द्र सरकार सरकार या निजी क्षेत्र द्वारा संचालित सभी प्राथमिक स्कूलों के लिए अनिवार्य कर दे कि वे कक्षा 5 तक केवल मातृभाषा में शिक्षा देंगे तो सबको समान स्तर मिलेगा। ऐसा न होने पर शिक्षा माध्यम के रूप में कोई मातृभाषा को स्वीकार करने वाला नहीं होगा।

यूक्रेन की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर्याप्त नहीं

"सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र का कार्यकारी प्राधिकरण है, लेकिन यह पुतिन को यूक्रेन (रूसी वीटो) के आक्रमण को रोकने का आदेश नहीं दे सकता।"

गुइन डायर
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

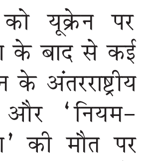

पिछले गुरुवार को यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से कई लोगों ने व्लादिमीर पुतिन के अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन और 'नियम-आधारित विश्व व्यवस्था' की मौत पर अपना सदमा और भय व्यक्त किया है, लेकिन वास्तव में आश्चर्य का कोई कारण नहीं है। वे लोग कभी नहीं समझ पाए कि नियम वास्तव में क्या थे। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में आक्रामकता के कृत्यों को दबाने और किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल के खतरे या उपयोग से बचने के बारे में बहुत सारे पाठ हैं, लेकिन यह सब अनुच्छेद 27 द्वारा ट्रम्प किया गया है, जो प्रत्येक को देता है सुरक्षा परिषद के सभी निर्णयों पर महाशक्तियों का वीटो। व्यवहार में इसका मतलब यह है कि अन्य सभी देश संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अधीन हैं, लेकिन सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य - चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका - नहीं हैं। कुछ देश दूसरों की तुलना में अधिक समान भी हैं। सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र का कार्यकारी प्राधिकरण है, लेकिन यह व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन (रूसी वीटो) के आक्रमण को रोकने का आदेश नहीं दे सकता है, क्योंकि यह अमेरिका को इराक (यूएस वीटो) पर हमला करने से रोक सकता है। नियम जो यह भी कहते हैं कि किसी भी देश की सीमाओं को बल से नहीं बदला जा सकता है और कोई भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है, लेकिन ये नियम फेमस फाइव को बाध्य नहीं करते हैं।

यह चार्टर लेखकों द्वारा कोई आकस्मिक निरीक्षण नहीं था; यह एक डिजाइन विशेषता थी। जर्मनी के आत्मसमर्पण के छह सप्ताह बाद और

परमाणु हथियारों के पहले उपयोग और जापानी आत्मसमर्पण से छह सप्ताह पहले जून 1945 में सैन फ्रांसिस्को में चार्टर पर हस्ताक्षर किए गए थे। पिछले छह वर्षों के युद्ध में कम से कम 50 मिलियन लोग मारे गए थे, और यूरोप और एशिया के अधिकांश शहर बर्बाद हो गए थे। चार्टर पर बातचीत करने वाले लोग आदर्शवादी नहीं थे; वे आधुनिक युद्ध की विनाशकारीता से भयभीत यथार्थवादी थे, ऐसे नियम लिखने की कोशिश कर रहे थे जो महान शक्तियों को नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को स्वीकार करने के लिए राजी कर सकें। महान शक्तियों ने उन्हें स्वीकार किया, लेकिन केवल इस शर्त पर कि वे स्वयं नियमों से मुक्त थे, और यही वास्तविक विश्व व्यवस्था है। यह यूक्रेन की मदद नहीं कर सकता, लेकिन यह हमेशा सच था। कुछ भी नहीं खोया है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में हर युद्ध को रोकने के लिए नहीं बनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महाशक्तियों के बीच किसी भी अधिक युद्ध को रोकने के लिए बनाया गया था, क्योंकि महाशक्ति युद्ध - 'विश्व युद्ध' - महान सामूहिक हत्यारे हैं। परमाणु प्रतिरोध के सिद्धांत की कुछ मदद से, यह उस महत्वपूर्ण कार्य में अब 75 वर्षों के लिए सफल रहा है।

सर ब्रायन उर्कहार्ट, जो द्वितीय विश्व युद्ध के माध्यम से लड़े थे और 1945 में बर्गन-बेल्सन एकाग्रता शिविर में पहले सहयोगी सैनिकों में से एक थे, शांति आते ही नए संयुक्त राष्ट्र के साथ जुड़ गए और चार से अधिक महासचिवों के अधीन सेवा की। दशक। उन्होंने व्यावहारिक रूप से शांति-पालन का आविष्कार किया। उन्होंने अपना अंतिम दशक विशेष राजनीतिक मामलों के अवर महासचिव के रूप में बिताया, और मैंने उनसे एक दिन पूछा कि वह क्यों चलते रहे। उन्होंने कहा : ''जैसा कि हम्मार्स्कजॉल्ड ने एक बार कहा था, जबकि हम में से कोई भी कभी भी विश्व व्यवस्था को देखने नहीं जा रहा है जिसका हम अपने जीवनकाल में सपना देखते हैं, फिर भी, उस आदेश को बनाने का प्रयास अराजकता और एक सहनीय अराजकता के बीच का अंतर है।'' उर्कहार्ट का पिछले साल 102 साल की उम्र में निधन हो गया था, लेकिन अगर मैं उनसे पूछ सकता था कि क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की को रूस के साथ युद्धविराम वार्ता के लिए सहमत होना चाहिए था, तो मुझे यकीन है कि वह हां कहेंगे। इसलिए नहीं कि जेलेंस्की को अपने देश की आज़ादी के लिए सौदेबाजी करनी चाहिए, बल्कि इसलिए कि अगर युद्धविराम नहीं हुआ तो अगले कुछ दिनों में बहुत से लोग मारे जाएंगे। यह हमेशा अतिरिक्त मील जाने लायक है।

आप की बात

बेरहम यूक्रेन पुलिस

यूक्रेन-पोलैंड सीमा पर भारतीय छात्रों को बेरहमी से पीटा गया है। यह बेहद कष्टप्रद है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यूक्रेन भारत की मदद नहीं कर रहा है। यह छात्रों द्वारा बताया जा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति को अपने देश से सभी समाचार प्राप्त होते ही होंगे। भारतीय छात्रों को यूक्रेनी पुलिस द्वारा परेशान क्यों किया जा रहा है? यूक्रेन ने भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध कैसे किया, इसके बारे में पोस्ट सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। फिर भी, मानवता के नाते यूक्रेनी लोगों का हुआ नुकसान हृदयविदारक है। एक तरफ वे भारत से मदद मांगते है और दूसरी तरफ भारतीय छात्रों के साथ मारपीट करते है। इससे यह स्पष्ट होता है कि, यूक्रेन का वास्तविक राजनीतिक चेहरा कैसा है? ऐसा क्यों न कहे? भारतीय छात्रों के साथ हुए अमानवीय व्यवहार के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत से माफी मांगनी चाहिए। यूक्रेन पुलिस भारतीय बच्चों से बदला ले रही है क्या? वे निराशा में हैं क्योंकि उन्हें रूस द्वारा हराया जा रहा है। ऐसा क्यों न कहे? वसुधैव कुटुम्बकम यह भारत की सिख है। संपूर्ण दुनिया को अपना परिवार मानने की व्यापक विचारधारा भारतीय संस्कृति की महानता बताती है और उसका पालन भी करती है। इस पर हर भारतीय को गर्व है।

– **जयेश राणे**, मुंबई

लोग और आपरेशन गंगा

युद्ध के बीच में, लोग डरे हुए हैं। भारतीय प्रवासी और यूक्रेन के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की बात करें तो वे सभी खतरे में हैं। विशेष रूप से जो छात्र अध्ययन करने यूक्रेन गए थे, वे भूमिगत बंकरों में कम संसाधनों के साथ रह रहे हैं। पानी और राशन दुकानों में उपलब्ध नहीं है। वे मदद के लिए भारतीय दूतावास और सरकार को संदेश भेजने की कोशिश कर तो रहें हैं लेकिन खराब परिस्थितियों के कारण उनमें से कुछ तक ही मदद पहुंचाने में सफलता मिली है। अगर हालिया रिपोर्ट्स की बात करें तो अब तक यूक्रेन से हजार से अधिक छात्रों को निकाला जा चुका है, लेकिन कई छात्र ऐसे हैं जो यूक्रेन के युद्धग्रस्त इलाकों में अभी भी फंसे हुए हैं। इसी बीच ऑपरेशन गंगा भारतीयों की उम्मीद बनकर उभरा है। दरअसल ऑपरेशन गंगा महज़ एक निकासी ऑपरेशन नहीं बाल्की उम्मीद है, उन बीस हजार लोगो की जो यूक्रेन की जलतीं धरती पर विकट परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। सच यह है कि भारत सरकार हर मुमकिन कोशिश कर रही है। युद्ध समाप्त हो और लोगो को युद्ध की विषम परिस्थितियों से निकाला जाएं यह सरकार की अब तक की कोशिश रही है।

– **निखिल रस्तोगी**, कुरुक्षेत्र विवि

राष्ट्रपति की अपील

असम के तीन दिवसीय दौरे पर गए भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने असम के लोगो और सरकार से वन्य जीवजंतुओं के संरक्षण की दिशा में कार्य करने की अपील किया। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभयारण्य का राष्ट्रपति ने भृमण किया और इन प्राकृतिक स्थलों पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। देश मे घटते वन क्षेत्र, विशाल वृक्षों के कटने से वन्य जीव जंतुओं के वासस्थलों पर संकट उत्पन्न हो गया है।अवैध शिकारियों द्वारा वन्य पशुओं,पक्षियों का अवैध शिकार किया जाता है और उन्हें विदेशों में भेजा जाता है। समय समय पर ऐसे लोगो के पकड़े जाने के समाचार छपते है।जो पशुओं की खाल, गिद्ध, मोर आदि पकड़कर इनको ऊंचे दामों में बेचने का अवैध कारोबार करते है। नदियों पर बांध, तालाब पोखरों पर अवैध कब्जे करके जलीय जीवजंतुओं के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो गया है। लोग भूल रहे है जीवन का अस्तित्व तब तक है जब तक जीव और वन रहेंगे। वनों और वन्य जीव जन्तुओं के संरक्षण के लिये समाज और सरकार को ध्यान देना चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

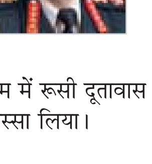

आधुनिक युद्ध के मैदान के लिए आवश्यकताएं चुनौतीपूर्ण और विविध प्रकार की हैं।

– **जनरल एमएम नर्वने**
थलसेनाध्यक्ष

मैंने स्टॉकहोम में रूसी दूतावास के बाहर एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

– **ग्रेटा थुनबर्ग**
स्वीडिश जलवायु एक्टिविस्ट

मैं ईमानदारी से चाहता हूं कि भारत ने यूक्रेन के लोगों के साथ एकजुटता से मतदान किया होता।

– **मनीष तिवारी**
कांग्रेस नेता

दलबदल का बड़ा उदाहरण बनी जलालपुर सीट

- प्रत्याशियों को लेकर चकराए क्षेत्र के मतदाता
- सभी प्रमुख दलों ने दलबदलुओं पर लगाया है दांव
- बेटा बसपा से सांसद और पिता सपा से लड़ रहे चुनाव

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

सुभाष

राजेश

राकेश

मौजूदा दौर के नेताओं में राजनीति कोई वैचारिक सोंच नहीं बल्कि मौका परस्ती बनकर रह गई। इस बार के विधानसभा चुनाव में तो उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच जिस तेजी से दल बदलने की होड़ लगी उससे तो अब तक के सारे रिकार्ड ही ध्वस्त हो गए। कोई भी राजनीकि दल नहीं बचा जो दलबदल से अछूता रहा हो। वैसे तो पूरे प्रदेश में निजी स्वार्थवश दल बदलने वाले नेताओं की संख्या भारी भरकम रही लेकिन दलबदल का बड़ा उदाहरण अंबेडकरनगर जिले की जलाललपुर विधानसभा सीट बनी है। इस विधानसभा सीट पर सत्तारूढ़ भाजपा हो चाहे सपा या भाजपा, सभी दलों से दलबदलू ही चुनाव मैदान में हैं। कोई बहुजन समाज पार्टी से बगावत कर समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ रहा है तो कोई सपा छोड़कर भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहा है तो कोई भाजपा से टिकट न मिल पाने के बाद बसपा में शामिल हो गया और अब हाथी के निशान पर चुनाव लड़ रहा है। एक प्रत्याशी तो ऐसे हैं जो अब सपा में आ चुके हैं और उसके टिकट पर ही चुनाव लड़ रहे हैं जबकि उनके बेटे अंबेडकरनगर से ही बसपा के मौजूदा सांसद हैं। कुल मिलाकर इस सीट पर स्थिति यह है कि आम मतदाता भी प्रत्याशियों की गुणा-भाग को लेकर चकराए हुए हैं। उन्हें भी कंफ्यूजन हो जाता है कि कौन प्रत्याशी किस पार्टी से प्रत्याशी है।

अंबेडकर नगर जनपद की जलालपुर विधानसभा सीट एक जमाने में बहुजन समाज पार्टी का मजबूत गढ़ मानी जाती थी। यही वजह रही कि अपने मुख्यमंत्रित्व काल में मायावती ने 29 सितंबर 1995 को फैजाबाद से काटकर अंबेडकरनगर को नए जिले के रूप में पहचान दिलाने के साथ ही अपने लिए एक सुरक्षित लोकसभा सीट तैयार की थी। यहां से वह तीन बार चुनाव जीतीं। वहीं अगर बात की जाए 2017 के विधानसभा चुनाव की तो अंबेडकरनगर की पांच विधानसभा सीटों में दो सीटों पर ही कमल खिल सका था जबकि तीन सीटों पर बसपा के प्रत्याशी विजयी रहे थे। जलालपुर विधानसभा सीट भी उनमें से एक है। इस सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा के रितेश पांडे ने भाजपा के राजेश सिंह को परास्त करके अपना कब्जा जमाया था। रितेश पांडे को बसपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में उतारा था और वह अंबेडकरनगर के सांसद चुने गए। जिसके बाद यह सीट रिक्त हो गई। 2019 में इसी सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के सुभाष राय ने बसपा की छाया वर्मा को पराजित कर इस सीट पर जीत दर्ज कराई।

मौजूदा विधानसभा चुनाव में इस सीट पर नेताओं के बीच दलबदल की ऐसी आंधी चली कि सब उलट-पलट हो गया। इस बार जलालपुर सीट पर बसपा ने डॉ.राजेश सिंह, भाजपा ने सुभाष राय और सपा ने राकेश पांडे को प्रत्याशी बनाया है। बसपा ने जिन डॉ.राजेश सिंह को टिकट दिया है, वे पिछला विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़े थे। इस बार भाजपा का टिकट घोषित होने से पहले ही बसपा में शामिल हो गए। राजेश सिंह पूर्व विधायक स्व. शेरबहादुर सिंह के बेटे हैं। उनके पिता जलालपुर सीट से कई बार विधायक चुने गए थे। भाजपा ने जिन सुभाष राय को प्रत्याशी बनाया है वह 2019 के उपुचनाव में इस सीट पर विधायक चुने गए थे।

इस बार सपा की ओर से पूर्व सांसद राकेश पांडे को टिकट दिए जाने के कारण वह भाजपा में चले गए और अब कमल निशान पर मैदान में। सपा प्रत्याशी राकेश पांडे के बेटे रितेश पांडे बसपा से अंबेडकरनगर के मौजूदा सांसद हैं। राकेश पांडे खुद भी वर्ष 2002 में सपा से विधायक और 2009 में बसपा से यहां के सांसद रह चुके हैं। इस बार वह सपा में शामिल हो गए और पार्टी ने उन्हें जलालपुर से चुनाव में उतार दिया है।

गोरखपुर क्षेत्र के 62 विधानसभा क्षेत्रों में आरएसएस ने झोंकी ताकत

भाषा। मऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में गोरखपुर क्षेत्र के दस जिलों की 62 विधानसभा सीटों पर भाजपा की जीत के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पूरी ताक़त झोंक दी है। इन निर्वाचन क्षेत्रों में आरएसएस के करीब 15 हजार ग्राम प्रमुख अपनी टोलियां के साथ मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक एक-एक विधानसभा क्षेत्र में 240 से अधिक ग्राम प्रमुख भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी टोलियों (पांच से दस लोगों के समूह) के साथ सक्रिय हैं। हालांकि, आरएसएस के पदाधिकारी इसे मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जनजागरण अभियान का नाम दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गोरखपुर क्षेत्र के 62 विधानसभा क्षेत्रों में 27,647 बूथ हैं जहां आरएसएस के ग्राम प्रमुखों और अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ी है।

मऊ के नगर प्रचार प्रमुख डॉक्टर मधुकर आनन्द ने बताया कि संघ (आरएसएस) की सुबह प्रभात शाखा में लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए स्वयंसेवक जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुबह हम शाखा के बाद वार्डों में प्रभात फेरी निकाल रहे हैं और मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं तथा उनके बीच पत्रक भी बांट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि हम किसी दल के लिए नहीं राष्ट्र के लिए कार्य करते हैं। लोक जागरण मंच, गोरक्ष प्रांत की ओर से बांटे जा रहे पत्रक में मतदाताओं से अपील की गई है कि मतदान करते समय विचार करें कि आपका बहुमूल्य मत किसे जा रहा है। पत्रक की शुरुआत में ही कहा गया है उसे, जो शुरू से राम मंदिर बनाने के पक्ष में खड़ा रहा और उसके लिए संघर्ष किया या उसे, जिसने मंदिर की जगह मस्जिद या अस्पताल बनाने की बात करते हुए विरोध किया। इस पत्रक में विश्वनाथ धाम के साथ ही सरकारी नौकरियों में जातिवाद, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने जैसे मामलों का जिक्र किया गया है। चुनाव में आरएसएस की भूमिका के संदर्भ में जब गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक सुभाष जी से बातचीत की गई तो उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, निर्वाचन आयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास करता हैं, उसी के लिए हम जनजागरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जन जागरण में यह प्रयास है कि आदमी वोट डालने जाए तो अच्छी सरकार बनाने के लिए मानकों पर विचार करे, सरकारों के कार्यकाल के मूल्यांकन के आधार पर अच्छे लोगों का चयन करें। सुभाष ने स्वीकार किया कि इस जनजागरण में करीब 15 हजार ग्राम प्रमुख भी लगे हैं और इसके अलावा आरएसएस संगठन के और भी लोग शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में गोरखपुर क्षेत्र की 62 विधानसभा सीटों में से 44पर जीत दर्ज की थी जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को सात- सात, कांग्रेस को एक तथा एक निर्दलीय को जीत मिली थी। इसके अलावा तब भाजपा की सहयोगी रही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा)और अपना दल (सोनेलाल) को भी इस इलाके की एक-एक सीटों पर जीत मिली थी। इस बार पूर्वांचल के राजभरों में प्रभावी माने जाने वाले और योगी सरकार से सबसे पहले इस्तीफा देने वाले ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा सपा के साथ है और चुनाव से ऐन पहले राज्य सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा देकर स्वामी प्रसाद मौर्य व दारा सिंह चौहान भी सपा में शामिल हो गए हैं। मौर्य और सिंह क्रमश: कुशीनगर की फाजिलनगर तथा मऊ की घोसी सीट से सपा से चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में इन नेताओं से संबंधित जातियों के मतों में बिखराव की आशंका जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक अनिल ने रविवार को मऊ के राजस्थान भवन में आरएसएस और भाजपा की एक समन्वय बैठक की जिसमें भाजपा उम्मीदवारों को चुनाव जिताने की रणनीति बनाई गई। बैठक में शामिल एक कार्यकर्ता ने पहचान गुप्त रखते हुए बताया कि राम मंदिर निर्माण धन संग्रह अभियान के समय सभी गांवों में आरएसएस ने ग्राम प्रमुख बनाए थे और इस चुनाव में वे सभी ग्राम प्रमुख टोली बनाकर बूथवार प्रचार अभियान में सक्रिय हैं। इसके पहले भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष ने आरएसएस के एक पदाधिकारी के साथ विधानसभा चुनाव संचालन समिति की दोहरीघाट में बैठक की थी। पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह क्षेत्र गोरखपुर ही है। इस क्षेत्र में राज्य की मुख्य विपक्षी सपा ने मुस्लिम और पिछड़े वर्गों के मतों को एकजुट करने की कोशिश की है। बांदा जेल में बंद और पांच बार के कथित बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी इस बार खुद चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और उनकी जगह पर उनके बेटे अब्बास अंसारी सपा की सहयोगी सुभासपा के टिकट पर मऊसे उम्मीदवार हैं। इधर, भाजपा ने बिहार के राज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर को विधानसभा चुनाव का सह प्रभारी बनाकर गोरखपुर क्षेत्र के दस जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है। विवेक ठाकुर ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में दावा किया कि भाजपा गोरखपुर क्षेत्र में 2017 के मुकाबले और बेहतर प्रदर्शन करेगी। राजनीतिक दलों की कार्यशैली पर नज़र रखने वाले मऊके विनय जायसवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, अगर किसी भाजपा उम्मीदवार से लोगों की व्यक्तिगत नाराजगी है तो उसे दूर करने की भी कोशिश ग्राम प्रमुखों की टोलियां कर रही हैं।

जानकारों के अनुसार गोरखपुर क्षेत्र के दस जिलों में करीब 52 फीसद पिछड़ी जातियों के अलावा, 20 फीसद अनुसूचित जाति के मतदाता हैं। यहां के अलग अलग क्षेत्रों में पिछड़ी कुर्मी-सैंथवार, मौर्य-कुशवाहा, यादव, राजभर, नोनिया- चौहान बिरादरी की निर्णायक संख्या है, जबकि दलितों में जाटव के अलावा पासी, खटीक, बेलदार, धोबी भी कुछ क्षेत्रों में अच्छी तादाद में हैं। सवर्ण बिरादरी में ब्राह्मण और क्षत्रिय के अलावा कायस्थ भी लगभग सभी जिलों में हैं। मऊ आजमगढ़ और पडरौना समेत करीब 15 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाताओं का भी प्रभाव है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा ने अपने संगठनात्मक ढांचे को छह भागों में बांटा है जिसमें पश्चिम क्षेत्र, ब्रज क्षेत्र, कानपुर-बुंदेलखंड, अवध और काशी क्षेत्र के अलावा गोरखपुर क्षेत्र शामिल हैं। गोरखपुर क्षेत्र में कुल दस जिले गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बलिया और मऊशामिल हैं और इनमें कुल 62 विधानसभा सीटें हैं। आजमगढ़ जिले की 10 तथा मऊजिले की चार विधानसभा सीटों पर आखिरी चरण में सात मार्च को मतदान होगा जबकि बाकी 48 सीटों पर छठे चरण में तीन मार्च को मतदान होना है। शुरू के पांच चरणों में कुल 292 सीटों पर मतदान हो चुका है और अभी दो चरणों में कुल 111 सीटों पर मतदान होना बाकी है।

चंद्रशेखर के वारिस भाजपा की जीत के लिए लगा रहे जोर

भाषा। बलिया

हमेशा से भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ समाजवादी विचारधारा का परचम लहराने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बलिया में इस बार उनके वारिस भाजपा को ही समाजवाद की सच्ची पैरोकार बताकर विधानसभा चुनाव में इस पार्टी को जीत दिलाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। बलिया का नाम आते ही पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का नाम बरबस ही लोगों के जहन में कौंध उठता है। पिछले तकरीबन पांच दशक में चंद्रशेखर बलिया की पहचान बन गए और एक वक्त ऐसा भी आया जब वह और बलिया एक दूसरे के पर्याय बन गए। चंद्रशेखर मूलत: सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र में शामिल बिल्थरारोड विधानसभा क्षेत्र के इब्राहिमपट्टी गांव के रहने वाले थे। उत्तर प्रदेश विधानसभा के हो रहे चुनाव में पहली बार ऐसा नजारा दिखाई दे रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का परिवार भगवामय हो गया है। चंद्रशेखर के बेटे और भाजपा के राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर तथा पौत्र रविशंकर सिंह पप्पू पूरी शिद्दत के साथ भाजपा के प्रचार में जुटे हैं और भाजपा को समाजवाद की सच्ची पैरोकार बता रहे हैं। नीरज शेखर ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में दावा किया कि भाजपा वर्ष 1980 में अपनी स्थापना के समय से ही समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से ही चंद्रशेखर का सम्मान करते रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि चंद्रशेखर ने हमेशा भाजपा का विरोध किया, ऐसे में उनके उत्तराधिकारियों द्वारा भाजपा का ही साथ दिए जाने का क्या औचित्य है, नीरज ने इसका कोई सीधा जवाब नहीं दिया, मगर कहा, मुझे खुशी है कि पूरा परिवार एक ही पार्टी यानी भाजपा में है। मैं विचारधारा से समाजवादी हूं। इस समय सिर्फ भाजपा में ही समाजवाद है। चंद्रशेखर के छोटे बेटे नीरज ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत समाजवादी पार्टी (सपा) से ही की थी और वह उसके टिकट पर दो बार बलिया से सांसद बने। मगर वर्ष 2014 में मोदी लहर के बीच हुए लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा के भरत सिंह के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। इसके बाद सपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर नीरज भाजपा में शामिल हो गए जिसने उन्हें दोबारा राज्यसभा भेजा। चंद्रशेखर के पौत्र एवं विधान परिषद सदस्य रविशंकर सिंह पप्पू भी विधानसभा चुनाव के ऐन पहले भाजपा में शामिल हुए हैं। वह दलील देते हैं कि समाजवाद किसी एक पार्टी की बपौती नहीं है और भाजपा उस समाजवाद को आगे बढ़ा रही है जिसकी रक्षा के लिए चंद्रशेखर सदैव प्रयत्नशील रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को चुनावी रैली में चंद्रशेखर को अपना नेता करार दिया था। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को सच्चा समाजवादी बताया। हालांकि चंद्रशेखर के पुराने करीबी लोग उनके वारिसों की दलीलों को खारिज करते हुए इसे विशुद्ध अवसरवादी नीति करार देते हैं।

नीरज शेखर

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के आखिरी समय तक उनके प्रतिनिधि रहे जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन कमलेश सिंह ने पीटीआईभाषा से बातचीत में कहा कि चंद्रशेखर हमेशा साम्प्रदायिक ताकतों का विरोध करते रहे और उन्होंने भाजपा की साम्प्रदायिक नीतियों के कारण सदैव उसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि अपने उसूलों की रक्षा के लिए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई से अच्छे रिश्तों को दरकिनार किया और कभी भाजपा का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर ने लोकसभा में पेश अटल सरकार के विश्वास मत प्रस्ताव का भी समर्थन नहीं किया था और सरकार एक मत से गिर गई थी। उनके उत्तराधिकारी आज उसी भाजपा को जन्मजात समाजवादी बताते हुए उसका प्रचार कर रहे हैं, यह अवसरवाद की पराकाष्ठा है। चंद्रशेखर के जीवन व विचारों पर प्रकाशित पुस्तक चंद्रशेखर के बगैर के सम्पादक और बलिया के टाउन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर अखिलेश सिन्हा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने चुनावी राजनीति में जीवनपर्यंत भाजपा और अन्य फासीवादी ताकतों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर और उनके परिवार के किसी भी सदस्य ने किसी चुनाव में भाजपा का समर्थन नहीं किया था, मगर अब उन्हीं के उत्तराधिकारी उसी पार्टी का प्रचार कर रहे हैं, जिसके खिलाफ चंद्रशेखर हमेशा लड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके लिए अवसरवाद महत्वपूर्ण हो गया है। युवा तुर्क के नाम से मशहूर रहे चंद्रशेखर ने प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से राजनीति में कदम रखा था। इसके बाद वह कांग्रेस, जनता पार्टी और जनता दल में रहे। जनता दल में विभाजन के बाद उन्होंने समाजवादी जनता पार्टी बनाई और अपने जीवन के आखिरी समय तक वह इसी दल में रहे। चंद्रशेखर 1977 से लेकर जीवन के आखिरी समय तक बलिया से ही सांसद रहे। इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर में वर्ष 1984 में ही वह चुनाव हारे थे। बलिया में विधानसभा चुनाव के छठे चरण के तहत आगामी तीन मार्च को मतदान होगा।

पांच चरणों में लगभग पिछले चुनाव के बराबर मतदान

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सात में से पांच चरणों के मतदान के दौरान डाले गए वोटों का प्रतिशत पिछले विधानसभा चुनाव के लगभग बराबर ही है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियां और प्रेक्षक इस पसोपेश में हैं कि इसे सत्ता के पक्ष में मतदान माना जाए या सत्ता विरोधी लहर का असर। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में हुए मतदान के प्रतिशत पर भी नजर डालें तो कोई खास फर्क नहीं दिखाई देता। जहां मतदान का प्रतिशत नहीं बढ़ने के पीछे कोविड-19 महामारी को एक प्रमुख वजह के तौर पर देखा जा रहा है, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मतदाताओं ने चुनाव में अब तक सभी पार्टियों को आजमा लिया है लिहाजा उनमें अब मतदान के प्रति वह जोशोखरोश नहीं रहा। प्रदेश में सात में से पांच चरणों का विधानसभा चुनाव हो चुका है। बाकी दो चरणों का मतदान आगामी तीन और सात मार्च को होगा। पहले चरण के चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 58 विधानसभा सीटों पर पिछली 10 फरवरी को औसतन 62.43% मतदान हुआ था जो वर्ष 2017 के 63.47% के मुकाबले एक फीसद से ज्यादा कम था।

वहीं, 14 फरवरी को हुए दूसरे चरण के मतदान में 64.42 फीसद मतदान हुआ और यह भी पिछली बार के मुकाबले 1.11 प्रतिशत कम रहा। तीसरे चरण में 62.28% मतदान हुआ जो पिछली बार के मुकाबले 0.07 प्रतिशत ज्यादा था। चौथे चरण में 23 फरवरी को राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश की 59 सीटों पर औसतन करीब 61.52% मतदान हुआ जो वर्ष 2017 में हुए 62.55 फीसद मतदान से 1.03% कम रहा। पांचवें चरण में अयोध्या, प्रयागराज, अमेठी और रायबरेली समेत विभिन्न जिलों की 61 विधानसभा सीटों पर औसतन 57.32% मतदान हुआ। यह भी वर्ष 2017 के मुकाबले लगभग एक फीसद कम रहा। प्रदेश विधानसभा के छठे चरण का चुनाव आगामी तीन मार्च को होगा। इस चरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उम्मीदवारी वाली गोरखपुर नगर की हाई प्रोफाइल सीट के लिए भी वोट पड़ेंगे। वर्ष 2017 में इस चरण की सीटों पर 56.52%मतदान हुआ था। सातवें चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी की सीटों समेत कुल 54 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। वर्ष 2017 में इस चरण की सीटों पर 59.56% मतदान हुआ था।

- आमतौर पर जब लोग सरकार बदलना चाहते हैं तो बनता है ज्यादा मतदान का माहौल

मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी नहीं होने के बारे में देश के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने पीटीआई-भाषा को बताया, मुझे ताज्जुब है कि आखिर इस बार मत प्रतिशत में बढ़ोतरी क्यों नहीं हुई। हो सकता है कि इस बार मतदाताओं को जागरूक करने के प्रयासों में कुछ कमी रह गई हो। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज के अनुसंधान कार्यक्रम लोक नीति के सह निदेशक प्रोफेसर संजय कुमार ने बताया, अगर आप पिछली बार के मत प्रतिशत से तुलना करें तो बहुत ज्यादा गिरावट नहीं आई है। आमतौर पर जब लोग सरकार बदलना चाहते हैं तो ज्यादा मतदान का माहौल बनता है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में यह नजर भी आया था। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के मन में मतदान के प्रति एक उदासीनता भी है। यह सत्ता के पक्ष की बात है या फिर उसके विरोध की, यह तो चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद ही पता चलेगा। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने दावा करते हुए कहा कि मत प्रतिशत चाहे जो भी हो लेकिन भाजपा के मतदाता पार्टी को वोट देने के लिए अपने घरों से निकल रहे हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, दूसरी पार्टियों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता क्योंकि उनके मतदाता निष्क्रिय हैं। हो सकता है कि सपा की अगुवाई वाले गठबंधन में आपसी खींचतान के कारण ऐसा हुआ हो।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजपाल कश्यप ने कहा कि मतदाता सूचियों में बहुत गड़बड़ियां हैं। पर सपा को चुनाव के हर चरण में अच्छी सफलता मिली है। लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र के निवासी वयोवृद्ध मनोज गोस्वामी (75) ने कहा, मैंने इसलिए वोट नहीं डाला क्योंकि मुझे डर था कि कहीं मुझे कोविड-19 संक्रमण ना हो जाए। लखनऊ की लाटूश रोड पर चाय बेचने वाले सुशील कश्यप ने कहा, हमने सभी पार्टियों की सरकारों को देख लिया है। सभी एक जैसे ही हैं। वहीं दूसरी ओर प्रयागराज के अल्लापुर निवासी 78 वर्षीय भंवरी पाठक ने कूल्हे में फ्रैक्चर होने के बावजूद एंबुलेंस से पहुंचकर अपना वोट डाला। वहीं, एक महिला ने बच्चे को जन्म देने के अगले ही दिन मतदान केंद्र जाकर वोट दिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार 14,66,000 से ज्यादा ऐसे मतदाता हैं, जो पहली बार वोट डालने के योग्य बने हैं। उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 15 करोड़ दो लाख से ज्यादा है।

बलरामपुर के जिस घर में रहकर अटल बिहारी वाजपेयी ने चुनाव लड़ा, अब वह जर्जर हालत में

भाषा। बलरामपुर

बलरामपुर की उतरौला विधानसभा सीट में आने वाले रमुआपुर खुर्द गांव में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी कभी रहा करते थे। जिले में आगामी तीन मार्च को विधानसभा चुनाव का मतदान है लेकिन यहां कोई खास चुनावी गहमागहमी नहीं है। स्थानीय लोगों की इच्छा है कि जिस घर में अटल बिहारी वाजपेई ने वक्त गुजारा, उसे एक स्मारक बना दिया जाना चाहिए जो अभी जर्जर अवस्था में है। इस घर के मालिक अशोक पांडेय ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, वाजपेई जी यहां रहकर अपने चुनावी अभियान का संचालन किया करते थे। उन्होंने यहां वर्ष 1957 और 1967 के चुनाव का सफलतापूर्वक संचालन किया जबकि 1962 के चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। पांडेय रमुआपुर खुर्द गांव के प्रधान भी हैं। उन्होंने कहा, हम उस वक्त बहुत छोटे थे। मुझे उस वक्त की ज्यादा चीजें याद नहीं हैं। मेरे पिता आनंद स्वरूप पांडेय जी हमें उस वक्त की बातें और चुनाव प्रचार के तौर-तरीकों के बारे में बताया करते थे। पांडे ने बताया, अटल जी हमारे घर में अपने मित्रों और समर्थकों के साथ बैठकर इस बारे में बात करते थे कि दिल्ली की गद्दी कैसे हासिल की जाए। बाद में उन्होंने उसे प्राप्त किया और प्रधानमंत्री बने। करीब 550-600 मतदाताओं वाले इस गांव ने वह दिन भी देखे हैं जब आवागमन के लिए कोई आधुनिक वाहन नहीं हुआ करता था और वाजपेई अपने चुनाव प्रचार अभियान के लिए एक जीप का इस्तेमाल किया करते थे। वाजपेई जिस घर में रहते थे वह अब बेहद जर्जर हो चुका है और वहां अब कोई नहीं रहता। पांडे ने बताया कि उन्होंने उस घर में रखी तमाम चीजें वहीं मौजूद रहने दी हैं और कोई उन्हें नहीं छूता ताकि वाजपेई की यादों को संजोया जा सके। उन्होंने कहा, वहां खंडहर मौजूद है। आप देख सकते हैं। मैं इसका स्वागत करूंगा कि कोई यहां वाजपेई जी की याद में एक स्मारक बनाने पर विचार करे। इस सवाल पर कि क्या कोई नेता या अन्य व्यक्ति यहां आकर इस स्थान के बारे में पूछता है तो पांडे ने जवाब में कहा, नहीं, सिवाय आपके (मीडिया) और किसी ने इस बारे में कभी नहीं पूछा। उन्होंने कहा कि इसके बारे में कोई भी नहीं सोचता, वाजपेई जी जो पहली बार यहां से चुनाव जीतकर संसद गए और प्रधानमंत्री बने, उनके इस स्थान से रिश्तो को रेखांकित किए जाने की जरूरत है। एक स्थानीय नागरिक पप्पू ने कहा, मैं तो उस वक्त पैदा भी नहीं हुआ था। मेरे पिताजी भी बहुत छोटे रहे होंगे। हमें सिर्फ इतना पता है कि अटल बिहारी वाजपेई जी यहां रहा करते थे और यहीं से अपने चुनाव अभियान का संचालन करते थे। उतरौला के निवासी अब्दुल हक ने बताया कि जिस स्थान को अटल बिहारी वाजपेई के स्मारक के तौर पर विकसित किया जाना चाहिए था वह आज उपेक्षित है और स्थानीय नेताओं की उदासीनता की वजह से यह कभी राजनीतिक मुद्दा भी नहीं बन पाया। बलरामपुर में आगामी तीन मार्च को मतदान होगा। यहां भाजपा ने मौजूदा विधायक राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकांत को दोबारा उम्मीदवार बनाया है जबकि सपा ने हसीब खान को टिकट दिया है।

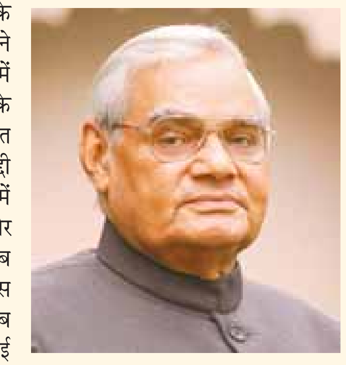

यूक्रेन संकट के बीच प्रधानमंत्री ने की राष्ट्रपति कोविंद से मुलाकात

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उन्हें यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग से पैदा हुई वैश्विक स्थिति के साथ ही यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए जा रहे अभियान की विस्तृत जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उन्हें यूक्रेन सहित विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी। ज्ञात हो कि यूक्रेन से भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार की ओर से ऑपरेशन गंगा चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा था कि यूक्रेन में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरा सरकारी तंत्र चौबीस घंटे काम कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत पड़ोसी तथा विकासशील देशों के उन लोगों की भी मदद करेगा जो पूर्वी यूरोप के युद्धग्रस्त देश में फंसे हैं। 24 फरवरी को रूस द्वारा हमला करने के बाद यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारत वहां फंसे अपने नागरिकों को रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया से लगी उसकी (यूक्रेन की) सीमा चौकियों के जरिए वहां से बाहर निकाल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चार केंद्रीय मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में पहुंच कर भारतीयों को सुरक्षित एवं सुगम तरीके से निकालने में समन्वय करने की जिम्मेदारी दी है। इसके तहत, केंद्रीय मंत्री वी के सिंह पोलैंड में, किरेन रिजिजू स्लोवाकिया में, हरदीप पुरी हंगरी में जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया रोमानिया और माल्डोवा में समन्वय करेंगे।

पीएम 2.5 प्रदूषण से होने वाली मौतों में दो दशकों में 2.5 गुना वृद्धि

नई दिल्ली। पिछले दो दशकों में भारत में पीएम 2.5 प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की एक नई रिपोर्ट में यह बात कही गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में वायु प्रदूषण के कारण हर चार में से एक मौत भारत में हुई। पर्यावरण क्षेत्र के थिंक टैंक सीएसई द्वारा एकत्र किए गए आंकड़े, और इसकी भारत की पर्यावरण रिपोर्ट की स्थिति में दिखाया गया कि दुनिया में वायु प्रदूषण के कारण 66.7 लाख लोग मारे गए। इनमें से 16.7 लाख मौतें भारत में हुईं।

चीन में वायु प्रदूषण के कारण 18.5 लाख लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में वायु प्रदूषण के जोखिम से जुड़े स्वास्थ्य प्रभावों के कारण वैश्विक स्तर पर 4,76,000 बच्चों की मृत्यु हुई। इन बच्चों की उम्र एक महीने तक थी। इनमें से ।,16,000 बच्चों की मौत भारत में हुई। खराब वायु गुणवत्ता, वर्ष 2019 में दुनिया भर में समय से पहले मौत का चौथा प्रमुख कारक थी। रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले दो दशकों में भारत में हवा में मौजूद पीएम2.5 के कारण होने वाली मौतों में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। यह 1990 में 2,79,500 से बढ़कर 2019 में 9,79,900 हो गई। पीएम2.5 का मतलब अति सूक्ष्म कणों से है जो शरीर में भीतर तक प्रवेश करते हैं और फेफड़ों तथा श्वसन पथ में सूजन को बढ़ावा देते हैं, जिससे कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली सहित हृदय और श्वसन संबंधी समस्याओं का खतरा होता है। हालांकि, आंकड़ों से पता चलता है कि देश में घरेलू स्तर पर वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है जो 1990 में 10,41,000 से 2019 में 6,06,900 हो गईं।

कंगणा जिले में बाबा बैजनाथ मन्दिर में शिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव की पूजा करते हुए श्रद्धालु।

यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी होने को लेकर भारतीय छात्र अनिश्चितता की स्थिति में अहम बैठक करेगी सरकार

नई दिल्ली। यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे छात्र रूस के हमले के बाद बने हालात के चलते अपना पाठ्यक्रम पूरा होने को लेकर अनिश्चितता की स्थिति में हैं। ऐसे छात्रों में उजैफ रब्बानी भी शामिल हैं जो यूक्रेन के खारकीव में एक बंकर में अपने दिन बिता रहे हैं और निकासी की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन चौथे वर्ष का मेडिकल छात्र अन्य भारतीय छात्रों की तरह चिंतित है कि क्या अब उसकी एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी हो पाएगी। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन में असाधारण स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। मामले को सहानुभूतिपूर्वके देखा जाएगा।

रब्बानी ने खारकीव से फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे अपनी मेडिकल डिग्री हासिल करने के लिए चार साल पूरे करने हैं। एक बार जब मैं यहां से निकाल लिया जाऊंगा तो मुझे सोचना होगा कि आगे क्या होगा। मुझे उम्मीद है कि सरकार किसी भारतीय कॉलेज में स्थानांतरित करने और वहां मेरी शिक्षा जारी रखने के लिए कोई विशेष प्रावधान करेगी। खारकीव वही शहर है जहां आज सुबह गोलाबारी में कर्नाटक निवासी एक भारतीय छात्र की मौत हो गई। हालांकि निधि यादव यूक्रेन से घर वापस आ गई हैं लेकिन उसके पिता को चिंता है कि क्या वह कीव में अपनी पढ़ाई फिर से शुरू कर पाएगी। प्रथम वर्ष की मेडिकल छात्रा के पिता ने कहा, मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। मैंने उसे डॉक्टर बनने की उम्मीद में यूक्रेन भेजने के लिए एक बड़ा कर्ज लिया, लेकिन अब चीजें खराब हो गई हैं। इस पर कोई स्पष्टता नहीं है कि क्या स्थिति सामान्य हो जाएगी, क्या वह अपनी शिक्षा फिर से शुरू कर पाएगी, क्या उसे यहां अन्य विकल्प तलाशने होंगे।

सभी भूमिगत समूहों से वार्ता शुरू करेंगे मणिपुर में शांति स्थापित करेंगेः शाह

भाषा। इम्फाल

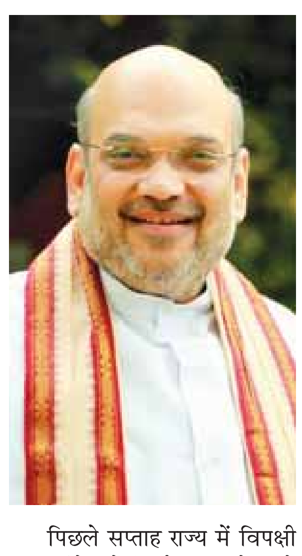

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में शांति स्थापित करने का मंगलवार को संकल्प जताया और कहा कि इसके लिए राज्य में सक्रिय सभी भूमिगत समूहों से वार्ता शुरू की जाएगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मणिपुर में सभी तस्करी गतिविधियों को रोका जाएगा और दावा किया कि अगले पांच साल में राज्य को नशा मुक्त बनाया जाएगा। थोबाल जिले के हिरोक में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, हमने असम ओर त्रिपुरा में ऐसा करके दिखाया है, जहां 9,500 युवा हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए। उन्होंने कहा, कोई भी युवा जेल नहीं जाएगा, किसी के हाथ में हथियार नहीं रहेगा बल्कि वे सभी मुख्यधारा से जुड़ेंगे और राष्ट्र के विकास में योगदान देंगे।

पिछले सप्ताह राज्य में विपक्षी दल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग को एक उग्रवादी समूह (कुकी राष्ट्रीय संगठन) द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा के समर्थन में बयान जारी करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी मणिपुर में सत्ता में रहने के दौरान मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराने में नाकाम रही थी, जहां पूर्व में दिनभर में केवल पांच से छह घंटे के लिए बिजली आती थी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद से मणिपुर के सभी गांवों तक बिजली उपलब्ध कराई गई और 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विभिन्न समुदायों में तनाव पैदा करके राज्य का विभाजन कर दिया था जबकि भाजपा राज्य की संस्कृति और पहचान का बेहद सम्मान करती है। शाह ने रैली के दौरान मणिपुर के विकास के संबंध में कई वादे भी किए। मणिपुर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत पांच मार्च को मतदान होगा।

उत्तर भारत में मार्च से मई के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से मई के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है। पश्चिमी तथा इससे लगे मध्य भारत के भागों, उत्तर-पश्चिमी भारत और पूर्वोत्तर भारत के उत्तरी हिस्सों में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की बहुत अधिक संभावना है। आईएमडी ने कहा कि प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्वी व पूर्वोत्तर भारत तथा उत्तरी मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। इस अवधि के दौरान हिंद-गंगा क्षेत्र के मैदानी इलाकों में लू का कहर सामान्य से कम रहने का अनुमान है। महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान के प्रमुख हिस्सों, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के आसपास के क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है।

क्विक न्यूज

राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर टीआरएस, भाजपा में वाकयुद्ध

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच विस के बजट सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण न होने को लेकर मंगलवार को वाक युद्ध हुआ। विस का बजट सत्र सात मार्च से शुरू हो रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय कुमार ने राज्यपाल का अभिभाषण न रखने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना की। देश में नए संविधान की वकालत करने वाली राव की हाल की टिप्पणियो का जिक्र करते हुए कुमार ने ट्वीट किया, केसीआर एक तरह का अंदेशा दे रहे है कि वह पुनर्लिखित संविधान मे क्या चाहते हैं। कोई नियम नही, कोई परंपराएं नही...केवल सनका मै बजट सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण न रखने के उनके फैसले की कड़ी निंदा करता हूं। भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद और पार्टी के अन्य सदस्यो ने भी राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन का अभिभाषण न रखने के लिए टीआरएस सरकार की आलोचना की। भाजपा सदस्यों की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए राज्य के विधानसभा मामलों के मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण इसलिए नही हो रहा है क्योंकि बजट सत्र पिछले सत्र का बचा हिस्सा है। संवैधानिक प्रावधानो का हवाला देते हुए कहा कि विधानसभा मे राज्यपाल का अभिभाषण तब होता है जब किसी कैलेंडर वर्ष मे कोई नया सत्र शुरू होता है।

चुनावों के बाद ईंधन की कीमतें बढ़ीं तो हम सड़क पर उतरेंगेः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एलपीजी के वाणिज्यिक सिलेंडर तथा दूध की कीमत में बढ़ोतरी को लेकर मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यदि विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद सरकार पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस के दाम बढ़ाती है तो इसके विरोध में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता सड़क पर उतरेंगे। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, एलपीजी के दाम एक बार फिर बढ़ाकर मोदी सरकार ने साफ कर दिया है कि आम जनता की तकलीफों से उन्हें कोई लेना-देना नही है। आज एलपीजी, कल पेट्रोल-डीज़ल...। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने संवाददाताओं से कहा, इस सरकार ने पहले दूध महंगा कर दिया और वाणिज्यिक उपयोग में लाए जाने वाले गैस सिलेंडर की कीमत 105 रुपए बढ़ा दी। आज दिल्ली मे वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत 2000 रुपए से अधिक हो गई है। उन्होने दावा किया कि भाजपा को उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों मे हार तय दिख रही है, इसलिए उत्तर प्रदेश में दो चरणों का चुनाव पूरा होने से पहले सिलेंडर का दाम बढ़ा दिया है। अलका ने कहा, सुनने मे आ रहा है कि 27 मार्च तक घरेलू सिलेंडर की कीमत 15 रुपए तक बढ़ सकती है। पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ सकते है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि सरकार ने ईंधन की कीमते बढ़ाईं तो कांग्रेस सड़क पर उतरेगी और सरकार की जन विरोधी नीतियो का विरोध करेगी।

भारतीय गैर सरकारी संगठनों को दस साल में अमेरिकी फाउंडेशन से 500 करोड़ रुपए मिलेंगे

मुंबई। अमेरिका स्थित तरसाडिया फाउंडेशन ने महामारी से प्रभावित समुदायो की मदद के लिए एक तरह का राहत कोष (रीसाइलेंस फंड) स्थापित करने के लिए दसरा से समझौता किया है। इसके तहत 10 सालो मे 500 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता गैर-लाभकारी संगठनों को दी जाएगी। फाउंडेशन की कार्यकारी अध्यक्ष माया पटेल ने कहा कि महामारी की तीसरी लहर के बीत जाने के बाद इससे प्रभावित समुदायों की मदद करना महत्वपूर्ण है, इसलिए कोष स्थापित करने का फैसला किया गया। उन्होने कहा कि दसरा के साथ समझौते से उपयुक्त गैर सरकारी संगठनो तक पहुंचने और उनकी मदद करने मे मदद मिलेगी। दसरा के सह संस्थापक और साझेदार देवल सांघवी ने कहा कि चयनित गैर सरकारी संगठनों को पांच साल की अवधि के लिए प्रति वर्ष कम से कम 10 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्एक वर्ष 100 से अधिक नए गैर सरकारी संगठनो (एनजीओ) को प्राप्तकर्ता की सूची मे जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि 10 सालो में 1000 गैर सरकारी संगठनो को 500 करोड़ रुपए की मदद की जाएगी। दसरा चयनित गैर सरकारी संगठनो की योजना बनाने और प्रभाव का आकलन करने मे मदद करेगा। दसरा कोई शुल्क नही लेगा और जुटाई गई पूरी राशि का उपयोग प्रभावित समुदायो के लिए किया जाएगा।

केंद्र ने वैज्ञानिकों के लिए दिशानिर्देशों में दी ढील

नई दिल्ली। केंद्र ने वैज्ञानिकों के लिए अनुपालन दिशानिर्देशो मे ढील दी है जिससे उनके लिए अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अनुदान प्राप्त करना और सहयोगियो को शामिल करना आसान हो गया है। ईज ऑफ डूइंग साइंसः टुवर्ड्स लेस गवर्नमेंट, मोर गवर्नेंस के लिए नए दिशानिर्देशो का उद्देश्य अनुपालन बोझ को कम करना और अनुसंधान प्रशासन से अनुसंधान सुविधा का बदलाव लाना है। इन्हें हाल ही मे विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के स्थापना दिवस पर जारी किया था। इन सुधारो मे प्रशासनिक मुद्दो के लिए एकल चरण मंजूरी भी शामिल है। दिशानिर्देशो मे कहा गया है, अनुसंधान और विकास परियोजनाओ मे लगे अनुसंधान कर्मियों के बोझ को कम करने के लिए, पहले दो वर्षो के वेतन को परियोजना मे सहायता अनुदान के रूप मे पहले वर्ष के दौरान जारी किया जाएगा।

भोपाल में मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शिवरात्रि पर्व के अवसर पर शिव बरात में हिस्सा लेते हुए।

प्रकृति से सामंजस्य के लिए आत्म-निर्भर समाज बनाना ही एकमात्र रास्ताः यादव

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहने के लिए खपत कम करना और आत्म-निर्भर समाज बनाना ही एकमात्र रास्ता है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवॉयरमेंट (सीएसई) की स्टेट ऑफ इंडिया एनवॉयरमेंट रिपोर्ट, 2022 को जारी करते हुए मंत्री ने कहा कि देश के सामने इस समय तीन गंभीर विषय जलवायु परिवर्तन, मरूस्थलीकरण और टिकाऊपन एवं लोगों की आर्थिक वहन क्षमता को जोड़ने के हैं। राजस्थान के निमली में एक सम्मेलन में रिपोर्ट जारी की गई।

इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री ने कहा, प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहने के लिए उपभोग कम करना और आत्म-निर्भर समाज बनाना ही एकमात्र रास्ता है। हम लोगों की आर्थिक वहन क्षमता और टिकाऊपन के बीच संपर्क बनाकर लोगों के जीवन को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें परंपरागत ज्ञान को वैज्ञानिक सोच के साथ जोड़ना होगा। कई बार हम अपने परंपरागत ज्ञान पर इतना गौरव करते हैं कि तर्कों को भूल जाते हैं। लेकिन हमें परंपरागत ज्ञान के साथ तर्कों और लोगों की आर्थिक वहन क्षमता के बारे में सोचना होगा।

यादव ने कहा कि उनका मंत्रालय पर्यावरण पर खुली चर्चा का पक्षधर है। 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के भारत के प्रयासों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र से सर्वाधिक उत्सर्जन होता है और सरकार इस पर अधिक जोर दे रही है। उन्होंने कहा, 2030 तक हमारी 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन की योजना है। 2030 तक रेलवे पूरी तरह विद्युतीकृत हो जाएगा जिससे उत्सर्जन 80 अरब टन कम हो जाएगा। हमारी बड़े स्तर पर एलईडी बल्ब का उपयोग बढ़ाने की भी योजना है जिससे 40 अरब टन उत्सर्जन कम हो सकता है। यादव ने कहा, हम हाइड्रोजन पर ध्यान दे रहे हैं। यदि हम हाइड्रोजन को टिकाऊ और किफायती बना सके तो दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जलवायु परिवर्तन संबंधी वैश्विक वार्ताओं और उन पर भारत के रुख का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि बातचीत लेन-देन के बारे में नहीं बल्कि मानवता को बचाने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित देशों को ऐतिहासिक स्तर पर जिम्मेदारी लेनी होगी और उनके पूर्वजों ने अतीतें क्या किया है, उस पर विचार करना होगा।

एंटीलिया के बाहर विस्फोटक मामले में बर्खास्त पुलिसकर्मी को जमानत नहीं

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने बर्खास्त पुलिस कर्मी रियाजुद्दीन काजी को मंगलवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। काजी को पिछले साल उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास एक गाड़ी में विस्फोटक मिलने और मनसुख हिरेन की हत्या में कथित भूमिका के मामले में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। एनआईए के लिए विशेष न्यायाधीश ए टी वानखेड़े ने काजी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। मुख्य आरोपी सचिन वाजे के साथ काम करने वाले काजी को दक्षिण मुंबई स्थित अंबानी के आवास एंटीलिया के बाहर स्कॉर्पियो कार में जिलेटिन की छड़ें मिलने के दौरान मुंबई अपराध शाखा की एक इकाई में तैनात किया गया था। पिछले साल 13 मार्च को तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक वाजे की गिरफ्तारी के बाद मामले में काजी की कथित भूमिका सामने आई थी। रियाजुद्दीन की ओर से वकीलों युग चौधरी और हसनैन काजी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर सबूत नष्ट करने की साजिश रचने के आरोप हैं जो जमानती अपराध है और उन पर हत्या या सख्त विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत किसी अपराध के आरोप नहीं हैं।

अधिवक्ताओं ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि सचिन वाजे ने जिस सामग्री को कथित रूप से नष्ट कर दिया, उसका इस्तेमाल अपराध में किया गया था। उन्होंने दलील दी कि रियाजुद्दीन काजी ने जो कुछ किया, अपने आधिकारिक ओहदे के तहत किया। काजी और वाजे के अलावा मामले के अन्य आरोपियों में पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा और पूर्व पुलिस कर्मी विनायक शिंदे तथा सुनील माने शामिल हैं। दक्षिण मुंबई में अंबानी के घर के बाहर पिछले साल 25 फरवरी को स्कॉर्पियो में विस्फोटक सामग्री मिली थी।

नई पीढ़ी के लिए पाठ्य पुस्तकों में प्रमाण सहित विषयों को शामिल किया जाएः भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नई पीढ़ी के लिए सरस्वती नदी के बारे में तथ्यों को प्रमाण सहित पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की आवश्यकता पर बल देते हुए मंगलवार को कहा कि जनता तो श्रद्धा के कारण नदी के अस्तित्व से जुड़े विषय को स्वीकार कर लेगी लेकिन विद्वानों को प्रमाण चाहिए। मोहन भागवत ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक द्विरूपा सरस्वती के विमोचन के अवसर पर यह बात कही।

आरएसएस के प्रमुख ने कहा कि जैसे भगवान राम के बारे में यह स्थापित हुआ कि उनका जन्म अयोध्या में हुआ, राम सेतु है...उसी प्रकार से सरस्वती नदी के बारे में भी प्रमाण सहित बातें सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह सत्य सिद्ध होनी चाहिए कि सरस्वती नदी थी, सरस्वती नदी है ताकि इसके विरोधियों की बातें असत्य सिद्ध हो जाए। भागवत ने कहा कि सरस्वती नदी के बारे में नई पीढ़ी के लिए पाठ्य पुस्तकों में प्रमाण सहित विषय को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, सरस्वती नदी से हमारा इतिहास जुड़ा हुआ है। लेकिन अंग्रेजों ने हमें यही बताया कि न तो हमारा कोई राज गौरव है, न ही कोई धन गौरव तथा सारी चीजें हमें दुनिया से ही मिली।

भागवत ने कहा कि इस प्रकार से झूठ का एक भ्रमजाल खड़ा किया गया। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद एक ऐसा वर्ग आया जो असत्य गढ़कर भ्रमजाल को फैलाता चला गया और लोग उसमें फंसते चले गए। उन्होंने कहा, लेकिन आजादी के बाद हमें इस भ्रमजाल को उतार फेंकना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धावान को विश्वास चाहिए और आज नई पीढ़ी को प्रमाण चाहिए और ऐसे में सरस्वती नदी के बारे में पाठ्य पुस्तकों में प्रमाण सहित बातें आनी चाहिए।

मोहन भागवत ने कहा कि सरस्वती नदी के बारे में उपग्रह के चित्रों में धरती के नीचे जल स्रोत की बातें आई है, उसके उद्गम एवं मार्ग के बारे में बातें स्पष्ट रूप से बाहर आनी चाहिए। उन्होंने कहा, जनता तो श्रद्धा से मान लेगी लेकिन विद्वान लोगों को प्रमाण चाहिए। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी के विषय में सरकार और प्रशासन अपने तरीके से काम कर रही है और करेगी लेकिन जनता को एकजुट होना पड़ेगा।

जम्मू में शिवरात्रि पर्व के अवसर पर भगवान शिव के मन्दिर पर जल अर्पित करते हुए श्रद्धालु।

युद्ध की आशंका के दौरान ही यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के लिए कदम उठा लिए थेः अठावले

पुणे। कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी की आलोचना को खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को वापस लाने की तैयारी तब शुरू कर दी थी जब पूर्वी यूरोपीय देश में युद्ध सिर्फ एक आशंका थी। गांधी ने दावा किया था कि यूक्रेन में भारतीयों की स्थिति खराब है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार उन्हें वापस लाने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रही है। यूक्रेन पर रूस ने हमला कर दिया है। पत्रकारों से यहां बात करते हुए अठावले ने कहा, जब युद्ध की एक आशंका थी, तब पहले ही भारत सरकार ने विद्यार्थियों को निकालने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए थे। उन्होंने कहा, सभी छात्रों और अन्य भारतीय नागरिकों को निकाल के प्रयास किए जा रहे हैं। राहुल गांधी आरोप लगाने में बहुत अच्छे हैं। उन्हें सरकार का समर्थन करना चाहिए।

फरवरी में जीएसटी संग्रह 18% बढ़कर 1.33 लाख करोड़ के पार

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि फरवरी में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 1.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। चालू वित्त वर्ष में यह पांचवीं बार है, जब जीएसटी संग्रह 1.30 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह पहली बार है जब उपकर संग्रह ने 10,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया है, जो वाहन सहित कुछ प्रमुख क्षेत्रों में सुधार को दर्शाता है। फरवरी में संग्रह कोविड-19 वायरस की तीसरी लहर से प्रभावित हुआ।

गौरतलब है कि जनवरी 2022 में जीएसटी संग्रह 1,40,986 करोड़ रुपए था। इस तरह फरवरी का संग्रह, इससे पिछले महीने के मुकाबले कम रहा।

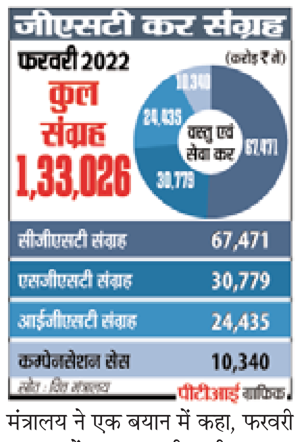

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, फरवरी 2022 में सकल जीएसटी राजस्व 1,33,026 करोड़ रुपए रहा, जिसमें केंद्रीय जीएसटी 24,435 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 30,779 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी 67,471 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 33,837 करोड़ रुपए सहित) और उपकर 10,340 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र किए गए 638 करोड़ रुपए सहित) है।

फरवरी 2022 का जीएसटी संग्रह इससे पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 18 प्रतिशत अधिक है और फरवरी 2020 के मुकाबले 26 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि 28 दिन का महीना होने के कारण आम तौर पर फरवरी में जनवरी की तुलना में कम राजस्व मिलता है। एनए शाह एसोसिएट्स के भागीदार पराग मेहता ने कहा कि मार्च 2021 का जीएसटी ऑडिट भी 28 फरवरी को पूरा हो गया है और गलतियों तथा चूक के कारण देय शेष कर के चलते भी अधिक संग्रह हुआ है। मेहता ने कहा कि संग्रह में बढ़ोतरी अब इसी सीमा में होनी चाहिए।

एफडीआई जुटाने के लिए यूरोपीय देशों के संपर्क में जुटा महाराष्ट्र

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार लॉजिस्टिक, नवीकरणीय ऊर्जा, मशीनरी, इलेक्ट्रिक वाहन एवं रसायन जैसे क्षेत्रों में यूरोपीय देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने की कोशिश में जुटी हुई है। इसके लिए राज्य सरकार ने भारत में यूरोपीय देशों के कूटनीतिक मिशन के साथ संपर्क बढ़ाना शुरू किया है। राज्य सरकार ने कूटनीतिक प्रतिनिधियों, यूरोप-भारत उद्योग मंडल के प्रमुखों के अलावा कारोबारी उद्यमों के प्रमुखों के साथ संपर्क साधने के लिए यूरोपियन बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (ईबीटीसी) के साथ प्राइमस पार्टनर्स की सेवाएं ली हैं।

ईबीटीसी ने अपने एक बयान में इसका ब्योरा देते हुए कहा कि इन बैठकों एवं मुलाकातों में महाराष्ट्र के दीर्घकालिक औद्योगिक एवं निवेश लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए यूरोपीय उद्यमों की तरफ से पेश किए जाने वाले नवाचारी एवं टिकाऊ समाधानों पर चर्चा की जाती है। ईबीटीसी ने कहा कि महामारी से कारोबारी गतिविधियों में पैदा हुए व्यवधान को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों के परिप्रेक्ष्य में यूरोपीय कंपनियों के महाराष्ट्र में प्रवेश की संभावनाओं को परखा जा रहा है। महाराष्ट्र के उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बलदेव सिंह ने कहा, ईबीटीसी और प्राइमस पार्टनर्स की तरफ से शुरू चर्चाओं का दौर काफी सार्थक है और महाराष्ट्र राज्य में यूरोपीय उद्यमों की मौजूदगी बढ़ाने में मददगार होगा। चर्चा में शामिल प्राइमस पार्टनर्स के चेयरमैन देविंदर संधू ने कहा कि शून्य- कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन की दिशा में भारत के प्रतिबद्ध होने और इन क्षेत्रों में यूरोपीय देशों की प्रौद्योगिकी अगुआई होने से ऊर्जा, परिवहन एवं शहरी विकास में साझेदारी की काफी संभावनाएं हैं।

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम 105 रुपए बढ़े

नई दिल्ली। होटल और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में उपयोग होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में मंगलवार को 105 रुपए की वृद्धि की गई। हालांकि सब्सिडी दर पर मिलने वाली रसोई गैस के दाम में कोई वृद्धि नहीं की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार 19 किलो वजन वाले वाणिज्यिक सिलेंडर का दाम 1,907 रुपए से बढ़ाकर 2,012 रुपए कर दिया गया है। यह दिसंबर 2021 के 2,101 रुपए प्रति सिलेंडर के बाद इसकी दूसरी सबसे ऊंची दर है। एलपीजी दरों में संशोधन हर महीने की पहली तारीख को किया जाता है। घरों में खाना पकाने के लिए दी जानी वाली एलपीजी सिलेंडर के दाम में अक्टूबर से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस तरह 14.2 किलो वाले सिलेंडर के दाम 899.50 रुपए के स्तर पर बने हुए हैं। पिछले छह महीने में रसोई गैस सिलेंडरों की मूल्य वृद्धि को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना के बाद दरें नहीं बढ़ाई गई हैं।

अश्नीर ग्रोवर ने भारतपे के एमडी पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। फिनटेक फर्म भारतपे के प्रबंध निदेशक अश्नीर ग्रोवर ने आगामी बोर्ड मीटिंग का एजेंडा मिलने के कुछ देर बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बोर्ड मीटिंग के एजेंडा में सलाहकार फर्म पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई पर विचार शामिल है। भारतपे ने एक बयान में कहा, "अश्नीर ग्रोवर ने आगामी बोर्ड बैठक का एजेंडा मिलने के कुछ मिनट बाद भारतपे के प्रबंध निदेशक और बोर्ड निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया। एजेंडा में उनके आचरण के बारे में पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट को प्रस्तुत करना और उसके आधार पर कार्रवाई करने का विचार करना शामिल था। रिपोर्ट के निष्कर्ष के आधार पर बोर्ड के पास कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है।"

बोर्ड की बैठक मंगलवार को होनी है और इस दौरान ग्रोवर पर लगे वित्तीय अनियमितता के आरोपों पर चर्चा होगी। ग्रोवर ने अपने त्याग पत्र में कहा है कि उन्हें एक कंपनी को अलविदा कहने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिसके वे संस्थापक हैं। ग्रोवर ने पत्र में आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार को कुछ लोगों द्वारा निराधार मामलों में फंसाया गया है तथा ए लोग न केवल उनकी प्रतिष्ठा को, बल्कि कंपनी की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ग्रोवर को भेजे गए सवाल का कोई जवाब नहीं मिला। पिछले सप्ताह ग्रोवर को अपने खिलाफ जारी कंपनी की जांच रोकने के लिए दायर मध्यस्थता अर्जी में हार का सामना करना पड़ा था और उन्हें सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) से कोई राहत नहीं मिली। ग्रोवर ने एसआईएसी में दायर अपनी अर्जी में कंपनी के कामकाज के लिए जारी समीक्षा रोकने की मांग करते हुए कहा था कि उनके खिलाफ की जा रही यह जांच गैरकानूनी है। इस याचिका पर पहली सुनवाई 20 फरवरी को हुई थी।

सीडीएसएल के पास खुले डी-मैट खातों की संख्या छह करोड़ पार

नई दिल्ली। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (सीडीएसएल) ने मंगलवार को कहा कि उसके पास खुले सक्रिय डी-मैट खातों की संख्या छह करोड़ को पार कर गई है। वर्ष 1999 में डिपॉजिटरी संस्था के रूप में काम शुरू करने वाली सीडीएसएल ने एक बयान में कहा कि छह करोड़ डी-मैट खातों का संचालन करना एक उपलब्धि है। वह प्रतिभूतियों के इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन की सुविधा देने के साथ स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार के निपटान का भी काम करती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य अनंत बरुआ ने इस उपलब्धि पर सीडीएसएल को बधाई देते हुए कहा कि डी-मैट खातों की वजह से भारतीय प्रतिभूति बाजार तक पहुंच सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सुगम हो गई है। इस अवसर पर सीडीएसएल के चेयरमैन बी वी चौबल ने कहा कि अब बड़े शहरों के अलावा मझोले और छोटे शहरों (टियर-2 एवं टियर-3) शहरों के निवेशक भी डी-मैट खाते बड़ी संख्या में खोल रहे हैं जो भारतीय पूंजी बाजार के बढ़ते फलक को दर्शाता है। सीडीएसएल के पास डी-मैट खाता खोलने वाले निवेशकों को प्रतिभूतियां जमा करने की सुविधा मिलती है। इसके एवज में सीडीएसएल को लेनदेन पर लगने वाले शुल्कों, खाता रखरखाव शुल्क और सौदा निपटान शुल्क से आय प्राप्त होती है।

फरवरी में भी वाहनों की घरेलू बिक्री पर पड़ा असर पर टाटा मोटर्स और महिंद्रा का प्रदर्शन बेहतर

भाषा। नई दिल्ली

अग्रणी वाहन निर्माता कंपनियों मारुति सुजुकी, हुंदै, टोयोटा और होंडा की थोक बिक्री में फरवरी में गिरावट दर्ज की गई। सेमीकंडक्टर की किल्लत बने रहने से वाहनों की बिक्री पर असर देखा गया है। हालांकि टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्कोडा और एमजी मोटर ने एक साल पहले की तुलना में फरवरी 2022 में वाहनों की थोक बिक्री में वृद्धि दर्ज की। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने फरवरी के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि उसकी घरेलू बिक्री 8.46 प्रतिशत गिरकर 1,40,035 इकाई रही जबकि फरवरी 2021 में यह 1,52,983 इकाई रही थी। एमएसआई ने एक बयान में कहा, "इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की किल्लत ने मुख्य तौर पर घरेलू बाजार में बिकने वाले वाहनों के उत्पादन पर हल्का असर डाला। हालांकि कंपनी ने इस असर को कम करने के लिए हरसंभ कदम उठाए हैं।

इसी तरह देश की दूसरी बड़ी कार कंपनी हुंदै मोटर इंडिया ने फरवरी में 44,050 इकाइयों की थोक बिक्री के साथ 14.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने कहा कि सेमीकंडक्टर चिप की किल्लत से निपटने के लिए वह सभी वैकल्पिक तरीके अपना रही है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा कि उसकी घरेलू बिक्री फरवरी में 38 प्रतिशत गिरकर 8,745 इकाई पर आ गई। इसी तरह होंडा कार्स की घरेलू बिक्री फरवरी 2022 में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,187 इकाई रह गई। होंडा कार्स इंडिया के निदेशक (विपणन एवं बिक्री) युइची मुराता ने कहा, "हमें भविष्य में हालात सुधरने की उम्मीद है ताकि हम बाजार की मांग को अधिक असरदार ढंग से पूरा कर सकें। इसके उलट, टाटा मोटर्स ने यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री में 47 प्रतिशत की जोरदार उछाल दर्ज करते हुए 39,981 वाहनों की बिक्री की। एक साल पहले इसी महीने में कंपनी ने 27,225 इकाई बेचे थे।

इसी तरह महिंद्रा एंड महिंद्रा ने घरेलू बाजार में पिछले महीने 80 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि के साथ 27,663 इकाइयों की बिक्री की। कंपनी ने फरवरी 2021 में 15,391 इकाइयों की बिक्री की थी। स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए भी फरवरी का महीना थोक बिक्री के लिहाज से अच्छा साबित हुआ। मझोले आकार की एसयूवी कुशाक की सफलता के दम पर कंपनी ने पिछले महीने 4,503 वाहनों की बिक्री के साथ पांच गुना वृद्धि दर्ज की। इसी तरह एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि फरवरी में उसकी खुदरा बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 4,528 इकाई हो गई। निसान इंडिया ने भी घरेलू बाजार में पिछले महीने 2,456 वाहनों की बिक्री की।

भारत में अत्यधिकधनी लोगों की संख्या 2021 में 11 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश में तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 226 करोड़ रुपए) या इससे अधिक संपत्ति वाले अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में पिछले साल 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रियल एस्टेट के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रैंक ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में यह बढ़ोतरी शेयर बाजारों में तेजी और डिजिटल क्रांति के चलते हुई। भारत 2021 में विश्व स्तर पर अरबपतियों की आबादी में तीसरे स्थान पर है। अमेरिका 748 अरबपतियों के साथ पहले स्थान पर है, जिसके बाद 554 अरबपतियों के साथ चीन का स्थान है। भारत 145 अरबपतियों के साथ तीसरे स्थान पर है। संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक ने द वेल्थ रिपोर्ट 2022 के अपने ताजा संस्करण में कहा कि वैश्विक स्तर पर अत्यधिक धनी लोगों की संख्या 2021 में 9.3 प्रतिशत बढ़कर 6,10,569 हो गई, जो इससे पिछले साल 5,58,828 थी। नाइट फ्रैंक ने एक बयान में कहा, भारत में अत्यधिक धनी लोगों (तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक शुद्ध संपत्ति) की संख्या में 2021 में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में अधिक नेटवर्थ वाले अमीरों की संख्या 2021 में 13,637 थी जो इससे पिछले साल 12,287 थी। अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि बेंगलुरु में देखी गई। वहां इनकी संख्या 17.1 प्रतिशत बढ़कर 352 हो गई। उसके बाद दिल्ली (12.4 प्रतिशत बढ़कर 210) तथा मुंबई (नौ प्रतिशत बढ़कर 1,596) का स्थान रहा।

क्विक न्यूज

छोटे उद्योगों को समर्थन देने के लिए नकदी डालने की आवश्यकताः परिधान निर्यातक

कोयंबटूर। चालू वित्त वर्ष में तिरुपुर में तैयार कपड़ों का निर्यात 32,000 करोड़ रुपए के स्तर को पार कर जाने की संभावना है। लेकिन निर्यातकों ने रूस के यूक्रेन पर हमले के मद्देनजर प्रतिकूल प्रभाव होने की आशंका व्यक्त की है। तिरुपुर निर्यातक संघ (टीईए) ने कहा कि पिछले दस महीने में निर्यात 26,030 करोड़ रुपए रहा। सोमवार को चेन्नई में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को एक ज्ञापन में टीईए ने कहा कि पिछले 15 महीनों में कच्चे माल, सूती धागे की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के साथ-साथ सहायक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने नकदी के मोर्चे पर एमएसएमई को प्रभावित किया है। टीईए के अध्यक्ष राजा एम षणमुगम ने कहा कि निर्यात ऋण सुविधा गारंटी योजना के माध्यम से ऋण सहायता प्राप्त करने के बाद भी लागत की भारी वृद्धि ने उनकी नकदी को पूरी तरह से समाप्त कर दिया। वे अब इकाइयों को महीने भर पहले 300 रुपए में एक किलो सूती धागा खरीद रही थीं, वे अब इतनी ही राशि में केवल आधा किलो ही खरीद कर पा रही है। उन्होंने कहा कि नतीजतन, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) अब नकदी संकट की स्थिति से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदित हो कि निर्यात क्षेत्र की 95 प्रतिशत इकाइयां एमएसएमई के अंतर्गत आती हैं और उन्हें पटरी पर लाने के लिए ताजा नकदी डाले जाने की आवश्यकता है। टीईए ने मंत्री से एमएसएमई को अपनी लागत निकालने में मदद करने, निर्यात आदेश प्राप्त करने और विकास के रास्ते पर बढ़ने में मदद करने के लिए एक और दो साल के लिए निर्यात कर्ज सुविधा योजना (इंटरेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम) के विस्तार की घोषणा करने का अनुरोध किया।

औरंगाबाद, अहमदनगर में गैस वितरण पर बीपीसीएल करेगी 4,000 करोड़ का निवेश

औरंगाबाद। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने मंगलवार को कहा कि भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद और अहमदनगर जिलों में गैस वितरण नेटवर्क की स्थापना का काम शुरू कर दिया है। कंपनी इसे पूरा करने में 4,000 करोड़ रुपए निवेश करेगी। डॉ कराड ने यहां बीपीसीएल के अधिकारियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में इस निवेश योजना की जानकारी दी। उन्होने कहा कि औरंगाबाद में गैस वितरण नेटवर्क की आधारशिला बुधवार को रखी जाएगी जिसमें पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि दिसंबर तक औरंगाबाद शहर में पाइपलाइन के जरिए घरों तक गैस की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। अहमदनगर के श्रीगोंडा से औरंगाबाद के बीच गैस पाइपलाइन बिछाने का काम पहले से ही जारी है। इस मौके पर बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशक (गैस) सुखमल जैन ने कहा कि कंपनी अगले पांच वर्षों में इस परियोजना पर करीब 1,600 करोड़ रुपए और पूरी परियोजना पर कुल 4,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

आरबीआई ने तीन सहकारी बैंकों पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित समेत तीन सहकारी बैंकों पर जुर्माना लगाया है। नियामक अनुपालन में खामियों को लेकर इन बैंकों पर जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को बताया कि कर्ज देने से जुड़े नियमों, वैधानिक/अन्य प्रतिबंध तथा अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) नियमों के उल्लंघन को लेकर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित पर 4.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित (पन्ना) पर भी एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष योजना, 2014 और केवाईसी के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए यह जुर्माना लगाया है। साथ ही बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष योजना, 2014 के प्रावधानों का अनुपालन न करने पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित (सतना) पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

एंबेसी आरईआईटी ने 335 कमरों वाला हिल्टन गार्डन इन होटल खोला

नई दिल्ली। एम्बेसी ऑफिस पार्क रीट ने बेंगलुरु में 335 कमरों वाला हिल्टन गार्डन इन होटल खोला है। एम्बेसी ऑफिस पार्क देश का पहला सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि यह होटल एम्बेसी मान्याता बिजनेस पार्क में स्थित है। 353 कमरों वाला होटल आगामी हिल्टन होटल्स एम्बेसी मान्याता कॉम्प्लेक्स का हिस्सा है। इन दोनो होटल मे कुल मिलाकर 619 कमरे है। एम्बेसी ऑफिस पार्क्स रीट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी माइक्ल हॉलैंड ने कहा, हिल्टन गार्डन इन के उद्घाटन के साथ, हम एम्बेसी मान्याता में एक और उच्च श्रेणी की सुविधा प्रदान करने पर खुश है।

क्रिप्टोवायर ने सूचकांक आईसी15 पर कारोबार के लिए बिटबिन्स के साथ समझौता किया

नई दिल्ली। क्रिप्टोवायर ने मंगलवार को कहा कि उसने अगले महीने से भारत के पहले वैश्विक क्रिप्टो सूचकांक आईसी15 पर कारोबार शुरू करने के लिए क्रिप्टोकरेंसी बाजार बिटबिन्स के साथ समझौता किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि आईसी15 पर कारोबार शुरू होने के साथ बिटबिन्स के लगभग 40 लाख उपयोगकर्ताओं को आईसी15 पर कारोबार का लाभ मिलेगा। आईसी 15 क्रिप्टो करेंसी का सूचकांक है जबकि क्रिप्टोवायर एक ऐप है जो इस नई संपत्ति वर्ग से जुड़ी विभिन्न जानकारी उपलब्ध कराता है। क्रिप्टोवायर ने कहा कि अप्रैल के पहले सप्ताह से बिटबिन्स पर आईसी15 का कारोबार किया जाएगा।

यूक्रेन युद्ध से चालू वित्त वर्ष में आयात बिल बढ़कर 600 अरब डॉलर होने की आशंकाः रिपोर्ट

मुंबई। यूक्रेन मे जारी संकट के चलते चालू वित्त वर्ष मे देश का आयात बिल बढ़कर 600 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है। इसका कारण कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रत्न और आभूषण, खाद्य तेल और उर्वरक के आयात पर भारत की निर्भरता और रुपए के मूल्य में गिरावट है। इससे महंगाई और चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका है। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स ने मंगलवार को एक रिपोर्ट मे यह कहा। रिपोर्ट के मुताबिक रूस-यूक्रेन युद्ध से पैदा हुए भू-राजनीतिक जोखिम से खनिज तेल और गैस, रत्न और आभूषण, खाद्य तेल और उर्वरक जैसी वस्तुओं के दाम बढ़ जाएंगे। इसके चलते वित्त वर्ष 2021-22 मे वस्तुओं का आयात 600 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है, जो चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनो मे 492.9 अरब अमेरिकी डॉलर था। इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने रिपोर्ट मे कहा कि इसके चलते मुद्रास्फीति मे बढ़ोतरी होगी, चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपए के मूल्य मे गिरावट हो सकती है। उन्होने कहा कि कच्चे तेल की कीमत में 5 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी होने पर व्यापार या चालू खाता घाटा 6.6 अरब डॉलर बढ़ता है।

श्रीराम ऑटोमॉल ने एक ही दिन में नीलामी से 7,900 पुराने वाहन बेचे

मुंबई। श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (सामिल) ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने सालाना नीलामी आयोजन में एक दिन मे ही 7,900 पुराने वाहनो एवं अन्य संपत्तियों की नीलामी कर 215 करोड़ रुपए मूल्य के लेनदेन किए। कंपनी ने एक बयान मे कहा कि 26 फरवरी को अपने सालाना ऑनलाइन नीलामी कार्यक्रम के दौरान उसने एक ही दिन मे 7,900 पुराने वाहनों की नीलामी की। इस नीलामी से 215 करोड़ रुपए मूल्य के लेनदेन किए गए। कंपनी के मुताबिक, उसके पास 14,500 पुराने वाहन एवं वाहन उपकरण नीलामी के लिए पंजीकृत थे। इनमे कारें, ट्रक, निर्माण एवं खेती उपकरण, दोपहिया एवं तिपहिया वाहन भी शामिल थे। श्रीराम ऑटोमॉल के निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर मल्होत्रा ने कहा कि पुराने वाहनो के उद्योग मे 100 से अधिक नीलामियों के जरिए एक ही दिन मे 7,900 वाहनो की बिक्री कर हमने इतिहास बना दिया है।

कोल इंडिया का उत्पादन फरवरी में 4 फिसद बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजानिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) का कोयला उत्पादन फरवरी 2022 में चार प्रतिशत बढ़कर 6.43 करोड़ टन पर पहुंच गया। इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में कंपनी ने 6.19 करोड़ टन कोयला का उत्पादन किया था। कोल इंडिया ने एक बयान में बताया कि अपने उत्पादन को बढ़ाते हुए उसने फरवरी 2022 में 6.43 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया है। पिछले महीने की तुलना में फरवरी में कंपनी का औसत उत्पादन बढ़कर 23 लाख टन प्रतिदिन हो गया। जनवरी से तीन दिन कम होने के बावजूद, फरवरी में कंपनी का उत्पादन पिछले महीने के बराबर था। कंपनी का चालू वित्त वर्ष के अंत तक 63 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य है। सीआईएल ने अप्रैल से फरवरी 2021-22 के बीच 54.24 करोड़ टन कोयला का उत्पादन किया है। यह इस अवधि के दौरान हासिल अब तक का उच्च स्तर है। सालाना आधार पर यह 2.73 करोड़ टन अधिक है। कोल इंडिया ने कहा, कंपनी को वित्त वर्ष 2021-22 के समाप्त होने तक अब तक का सबसे अधिक उत्पादन हासिल करने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2019-20 कंपनी ने अब तक का सबसे अधिक 60.7 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था।

होंडा कार्स की थोक बिक्री फरवरी में 23 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता होंडा कार्स इंडिया की घरेलू बाजार में थोक बिक्री फरवरी 2022 के दौरान 23 प्रतिशत घटकर 7,187 इकाई रही। इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में कंपनी ने 9,324 इकाइयों की बिक्री की थी। वही कंपनी का निर्यात पिछले महीने बढ़कर 2,337 इकाई पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में 987 इकाई था। होंडा कार्स इंडिया के निदेशक (विपणन और बिक्री) युइची मुराता ने एक बयान में कहा, हम उपभोक्ता भावना में सुधार देख रहे हैं। कोविड-19 महामारी की स्थिति में सुधार होता जा रहा है और बाजार खुल रहे हैं।

पी-नोट के जरिए निवेश जनवरी में घटकर 87,989 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। भारतीय पूंजी बाजार में पार्टिशिपेट्री नोट्स (पी-नोट्स) के जरिए किया जाने वाला निवेश जनवरी के अंत में घटकर 87,989 करोड़ रुपए रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन संकट की वजह से विदेशी निवेशकों का नकारात्मक रुख आगे भी बना रहेगा। पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की तरफ से पी-नोट्स उन विदेशी निवेशकों को जारी किए जाते हैं जो भारतीय शेयर बाजार में पंजीकरण के बगैर ही इसका हिस्सा बनना चाहते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना जरूरी होता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय बाजारों में पी-नोट्स के जरिए किए गए निवेश का मूल्य जनवरी 2022 के अंत मे 87,989 करोड़ रुपए रहा था। यह दिसंबर 2021 की तुलना में कम है जब 95,501 करोड़ रुपए का निवेश पी-नोट्स के जरिए किया गया था।

अडाणी समूह ने मीडिया कारोबार में रखा कदम, क्यूबीएम में ली अल्पांश हिस्सेदारी

नई दिल्ली। जाने माने उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह ने राघव बहल के मीडिया उद्यम क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड (क्यूबीएम) में अल्पांश हिस्सेदारी लेकर मीडिया व्यवसाय में कदम रख दिया है। अडाणी ग्रुप और क्यूबीएम ने एक संयुक्त बयान में अल्पांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण की सूचना दी। हालांकि इस सौदे में हुए लेनदेन की रकम का खुलासा नहीं किया गया है। क्यूबीएम कारोबार एवं वित्तीय समाचार देने वाली कंपनी है और ब्लूमबर्गक्विंट नाम के डिजिटल समाचार मंच का संचालन करती है। हालांकि अडाणी ग्रुप के क्यूबीएम से जुड़ने के साथ ही अमेरिकी कंपनी ब्लूमबर्ग मीडिया ने इस उद्यम से खुद को अलग कर लिया। ब्लूमबर्ग मीडिया के अलग से जारी एक बयान में कहा कि वह क्यूबीएम के साथ अपने संयुक्त उद्यम से अलग हो रही है। यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि अडाणी समूह ने क्या ब्लूमबर्ग की हिस्सेदारी ली है? अडाणी समूह बंदरगाह से लेकर बिजली क्षेत्र तक कारोबार का संचालन करता है। पिछले कुछ महीनों से समूह के मीडिया व्यवसाय में भी कदम रखने की चर्चाएं चल रही थीं।

स्कोडा ऑटो वोक्सवैगन इंडिया ने शेन्क अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने वित्त और आईटी के लिए स्कोडा ऑटो निदेशक मंडल के सदस्य क्रिश्चियन शेन्क को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। वह क्रिश्चियन काह्न वॉन सीलेन का स्थान लेंगे। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने नेतृत्व टीम को मजबूत करने और भविष्य के विकास के अवसरों के उपयोग के लिए यह निर्णय किया है। स्कोडा ऑटो में वैश्विक क्षेत्रों के प्रबंधन प्रमुख और एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के वर्तमान अध्यक्ष क्रिश्चियन काह्न वॉन सीलेन, कंपनी में बिक्री और विपणन के कार्यकारी निदेशक के रूप में इंडिया बोर्ड में शामिल होंगे। इसके अलावा पीयूष अरोड़ा ने मंगलवार से प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल लिया है।

फेसबुक ने जनवरी में 1.16 करोड़ सामग्रियों पर की कार्रवाई : मेटा

नई दिल्ली। सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने जनवरी 2022 के दौरान भारत में मानदंडों के 13 उल्लंघन श्रेणियों में 1.16 करोड़ से अधिक सामग्रियों पर कार्वाई की। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी के अनुसार इन श्रेणियों में धमकाना, उत्पीड़न, बच्चों को खतरे में डालना, खतरनाक संगठन और व्यक्ति, वयस्क नग्नता और यौन गतिविधियां शामिल हैं। कंपनी ने अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट में कहा कि अभद्र भाषा, आत्महत्या, धोखाधड़ी, हिंसक और ग्राफिक सामग्री जैसे श्रेणियों में भी कार्वाई की गई है। फेसबुक ने एक से 31 जनवरी के बीच कई श्रेणियों में 1.16 करोड़ से अधिक सामग्रियों पर कार्रवाई की, जबकि इंस्टाग्राम ने इसी अवधि के दौरान 12 श्रेणियों में 32 लाख से अधिक सामग्रियों पर कार्वाई की। पिछले वर्ष मई में लागू हुए नियमों के तहत बड़े डिजिटल मंचों (50 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं वाले) को हर महीने अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होती है।

पेज एक का शेष

छात्रों को...

फ्लाइट मंगलवार को शाम 4 बजे दिल्ली से रवाना हुई और वापसी की फ्लाइट जॉर्जिया के कुटैसी से होकर चलेगी। केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने मंगलवार को पोलैंड के वारसॉ में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में रहने वाले 80 भारतीय छात्रों से मुलाकात की। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रोमानिया और मोल्दोवा के लिए रवाना हुए, जबकि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी हंगरी गए हैं। रोमानिया में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को आश्वासन दिया कि विशेष उड़ानों से रोमानिया से बाहर निकलने के लिए किसी वीजा की आवश्यकता नहीं है।

भारत ने...

दिल्ली यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों की तत्काल और तत्काल निकासी के प्रयास करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

आयसी ने...

समूह और उसके अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन के आभारी हैं। उनके इस फैसले पर प्रतिक्रिया पर टाटा संस ने कोई जवाब नहीं दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने गत शुक्रवार को कहा था कि सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एअर इंडिया को इल्कर आयसी को सीईओ और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। स्वदेशी जागरण मंच के सह-संयोजक अश्विनी महाजन ने कहा था कि सरकार इस मुद्दे के प्रति पहले से ही संवेदनशील है और उसने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। यह पूछे जाने पर कि एसजेएम नवनियुक्त सीईओ और एमडी का विरोध क्यों कर रहा है, महाजन ने दोहराया कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है।

छठे चरण...

सहजनवा आदि में ताबड़तोड़ जनसभाएं कीं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बलिया और गोरखपुर के दौरे पर रहे। अखिलेश ने बलिया के फेफना में कार्यकर्ता सम्मेलन किया। इसके अलावा बासडीह, गोरखपुर के कई क्षेत्रों में सम्मेलन किया। प्रियंका वाद्रा ने भी सिद्धार्थनगर समेत कई स्थानों पर गईं। उन्होंने यहां के इटवा और शोहरतगढ़ में जनसभा की। फरेंदा में रोड शो किया। बस्ती में डोर टू डोर अभियान किया। छठे चरण में कुल 676 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में इन 57 सीटों में 46 सीटें भाजपा और दो सीटें उसके सहयोगी दलों अपना दल एस और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी सुभासपा ने जीती थी, हालांकि सुभासपा इस बार समाजवादी पार्टी से गठबंधन कर चुनाव लड़ रही है। छठे चरण के विधानसभा क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा समेत कई स्टार प्रचारक चुनाव प्रचार कर चुके हैं। उधर, बहुजन समाज पार्टी समेत अन्य दलों के नेताओं ने भी इन क्षेत्रों में प्रचार कर अपने अपने उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की है। कुशीनगर जिले की पड़रौना विधानसभा सीट से पिछली बार भाजपा से चुनाव जीते और करीब पांच वर्ष तक योगी सरकार में श्रम मंत्री रह चुके स्वामी प्रसाद मौर्य इस बार कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से सपा के उम्मीदवार हैं जहां उनका मुकाबला भाजपा के सुरेंद्र कुशवाहा से है। कृषि मंत्री और भाजपा उम्मीदवार सूर्य प्रताप शाही का देवरिया जिले की पथरदेवा सीट पर अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी सपा के ब्रह्माशंकर त्रिपाठी से मुकाबला है। पत्रकारिता से राजनीति में आये शलभ मणि त्रिपाठी देवरिया भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर मैदान में हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के...

भर्ती कराया गया। नडेला ने आगे लिखा कि उन्हें पता चला कि गर्भाशय की श्वासावरोध के कारण हुए नुकसान से उनके बच्चे को गंभीर सेरेब्रल पाल्सी हुई है। उन्होंने यह भी लिखा कि विशेष जरूरतों वाले बेटे के पिता के रूप में यह उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ था और उन्हें शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण लोगों के जीवन को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। भारत के कई राजनीतिक नेताओं ने नडेला परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ट्वीट किया, सत्य नडेला के बेटे जैन के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। उनके और उनके परिवार तथा दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान उन्हें और परिवार को इस क्षति को सहन करने की शक्ति दें। सत्य नडेला वैश्विक सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं। हैदराबाद में जन्मे नडेला को फरवरी 2014 में माइक्रोसॉफ्ट का सीईओ बनाया गया था। उन्हें जून 2021 में कंपनी का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया।

कोरोना के...

वायरस का नया वैरिएंट आने पर लगातार नए उपचार विकसित नहीं करने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि वैज्ञानिकों को हर बार कोरोना वायरस का नया स्वरूप सामने आने पर लगातार नए उपचार विकसित नहीं करने पड़ेंगे। यह ठीक उसी तरह होगा जैसे लोग गले में खराश के लिए लोग पेन्सिलिन लेते हैं, अनुसंधानकर्ता कोविड-19 के लिए नीम-आधारित दवा से अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम कम कर फिर से जीवन शुरू कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने अपनी प्रयोगशालाओं में पेड़ की छाल के अर्क के कोरोना वायरस के खिलाफ प्रभाव की जांच की। आईआईएसईआर कोलकाता के अनुसंधानकर्ताओं ने पशु मॉडल में अर्क का परीक्षण किया जिससे इसमें कोरोना वायरस के खिलाफ विषाणु रोधी गुण मिले। स्पाइक प्रोटीन का उपयोग कोरोना वायरस कोशिकाओं में प्रवेश करने और उन्हें संक्रमित करने के लिए करता है। कोलोराडो विश्वविद्यालय में नागेल की प्रयोगशाला ने सार्स कोव-2 मानव फेफड़ों की कोशिकाओं में नीम की छाल के अर्क का परीक्षण किया। नीम की छाल का अर्क संक्रमण के लिए एक निवारक दवा के रूप में प्रभावी साबित हुआ और संक्रमण के बाद वायरस की प्रतिकृति तथा प्रसार में भी कमी आई। नागेल ने कहा कि हमारे अनुसंधान में अगला कदम नीम की छाल के अर्क में विषाणु रोधी विशिष्ट घटकों की पहचान करना है क्योंकि ए घटक सार्स-कोव-2 के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ते हैं। हम मानते हैं कि यह स्पाइक उत्परिवर्तन के साथ उभरते स्वरूपों पर प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद हम कोरोना वायरस संक्रमण के इलाज के वास्ते विषाणु रोधी दवा की खुराक का निर्धारण करेंगे।

पायनियर
नई दिल्ली , बुधवार, 2 मार्च 2022

यूक्रेन के शरणार्थी प्रीज़ेमिस्ल, पोलैंड पहुंचे, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर में रूसी गोलाबारी के रूप में हुई और टैंकों और अन्य वाहनों के 40 मील के काफिले में नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया गया

यूक्रेन से अन्य देशों के लोग भागे

यूक्रेनी सुरक्षा कर्मियों पर बदसलूकी करने का आरोप

भाषा। प्रेज्मिस्ल (पोलैंड)

पूरा दिन ट्रेन और बस यूक्रेन से भाग रहे लोगों को पोलैंड के सीमावर्ती शहरों तक लाती रहीं। इन लोगों में हमलों के कारण वतन छोड़कर भाग रहे यूक्रेनी नागरिक ही नहीं हैं,बल्कि बड़ी संख्या अन्य देशों के निवासियों की भी है जिन्होंने यूक्रेन को अपना ठिकाना बनाया था। सीमा के नज़दीक स्थित शहर प्रेज्मिस्ल कई शरणार्थियों के लिए पहला पड़ाव है। इनमें बड़ी संख्या में अफ्रीकी और पश्चिम एशियाई देशों के निवासी हैं।

तेईस वर्षीय मिस्र के नागरिक अहमद इब्राहिम अपनी बिल्ली के साथ शुक्रवार देर शाम यहां पहुंचे। वह कई दिनों की यात्रा की वजह से परेशान और बीमार हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह यूक्रेन से चिकित्सा में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में अध्ययन कर रहे थे और उनका एक साल बचा हुआ था। इब्राहिम के मुताबिक, उन्हें अपने भविष्य और अगले कदम के बारे में कुछ नहीं पता है। इससे पहले, एक पाकिस्तानी शख्स पश्चिमी पोलैंड के लवीव की एक सुपरमार्केट के पार्किंग स्थल पर बस से उतरा। सर्दी में कांपते हुए उन्होंने एक स्वयंसेवक से कहा कि वह जर्मनी जाना चाहता है, लेकिन उसके पास धन नहीं है। स्वयंसेवक ने कहा कि क्या वह पोलैंड के शहर क्रैकोव तक जाना चाहेंगे? इससे वह जर्मनी के नज़दीक पहुंच जाएंगे। इस पर उन्होंने राज़ामंदी दे दी। गैर यूक्रेनियों ने शिकायत की है कि उनके साथ खराब सलूक किया गया है और यूक्रेनियों की तुलना में उन्हें लंबी कतारों में लगाया गया है। भारतीय छात्रा कनिका अग्निहोत्री छह साल से यूक्रेन में हैं। वह बिना भोजन छह घंटे तक चलकर शेहनी सीमा क्रॉसिंग पहुंची। उन्होंने कहा कि वहां यूक्रेन के सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें अपमानित किया और भारतीयों के एक अन्य समूह से उठक-बैठक लगाते हुए सुरक्षा कर्मियों के पास तक आने को कहा गया। उन्होंने एपी से कहा कि उनका समूह दूसरे सीमा क्रॉसिंग पर चला गया जहां उनके साथ अच्छा सलूक किया गया। उन्होंने कहा कि पोलैंड में पहुंचने के बाद देश के लोगों ने उनकी मदद के लिए सबकुछ किया। इस तरह की खबरें हैं कि खासकर अफ्रीकी लोगों के साथ यूक्रेन के सुरक्षा कर्मी बदसलूकी कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि करीब 6.6 लाख शरणार्थी यूक्रेन से पड़ोसी देशों में भाग चुके हैं। एजेंसी के प्रमुख फिलिप्पो ग्रैंडी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि बृहस्पतिवार से ही शरणार्थियों की संख्या में हर घंटे बढ़ोतरी हो रही है। ज़्यादातर लोग पोलैंड जाना चाहते हैं जहां पहले से यूक्रेन के कई लोग रहते हैं जो हाल के वर्षों में काम के लिए आए थे। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि अगर जंग के हालात और खराब हुए तो 40 लाख लोग यूक्रेन छोड़ देंगे।

नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग व पोलिश राष्ट्रपति आंद्रेजेज डूडा और सेना के सदस्यों के साथ

यूक्रेन पर हमले नहीं रुके तो देश छोड़ने वाले असुरक्षित लोगों की संख्या बढ़ती जाएगी : संरा

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के प्रमुख फिलिप्पो ग्रैंडी ने आगाह किया है कि यदि रूस के सैन्य हमले जारी रहे तो यूक्रेन में अपने घरों से भागने वाले असुरक्षित लोगों की संख्या बढ़ती चली जाएगी। ग्रैंडी ने मंगलवार को जिनेवा में पत्रकारों से कहा कि उनकी एजेंसी के अनुसार अब तक 6,77,000 लोग यूक्रेन से पड़ोसी देशों में भाग गए हैं, जिनमें से लगभग आधे लोग फिलहाल पोलैंड में हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर कई किलोमीटर लंबी कतारें देखी गई हैं और कुछ लोग कई दिन से उन्हें पार करने का इंतजार कर रहे हैं। ग्रैंडी ने कहा, यदि सैन्य आक्रमण जारी रहा और एक के बाद एक शहरी इलाके प्रभावित होते रहे तो देश छोड़ने वाले असुरक्षित लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका है। ग्रैंडी ने देश से भाग रहे गैर-यूक्रेनी लोगों के साथ भेदभाव की कथित घटनाओं की निंदा की लेकिन साथ ही यह भी कहा कि सरकारी नीतियों के चलते ऐसा नहीं हुआ है। संरा मानवीय समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा कि गोलाबारी से पहले ही जल आपूर्ति लाइन , विद्युत लाइन और बुनियादी सेवाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सैंकड़ों परिवार बिना पेयजल आपूर्ति के हैं।

परमाणु चेतावनी स्तर को बदलने की कोई जरूरत नहीं दिखती : नाटो

लस्क एअर बेस (पोलैंड)। नाटो प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि रूस की धमकियों के बावजूद गठबंधन को अपनी परमाणु अस्त्र चेतावनी के स्तर को बदलने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती। गठबंधन के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेजेज डूडा के साथ यूरोपीय सुरक्षा पर बातचीत के बाद एसोसिएटेड प्रेस से बात की। वे मध्य पोलैंड के लस्क में एक एअर बेस पर मिले जहाँ नाटो के पोलैंड और अमेरिका के एफ-15 तथा एफ-16 लड़ाकू जेट विमान मौजूद हैं। स्टोल्टेनबर्ग ने कहा,"हम हमेशा वही करेंगे जो हमारे सहयोगियों की रक्षा और बचाव के लिए आवश्यक है, लेकिन हमें नहीं लगता कि नाटो के परमाणु बलों के चेतावनी स्तर को बदलने की कोई आवश्यकता है। क्रेमलिन ने परमाणु युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सप्ताहांत के आदेश के बाद उसके भूमि, वायु और समुद्री परमाणु बल हाई अलर्ट पर हैं। नाटो के पास स्वयं कोई परमाणु अस्त्र नहीं है, लेकिन इसके तीन सदस्यों-अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के पास परमाणु अस्त्रों का भंडार है। बेस के एक हैंगर में खड़े स्टोल्टेनबर्ग ने कहा,"हम दृढ़ता से मानते हैं कि जिस तरह से रूस परमाणु हथियारों के बारे में बात कर रहा है, वह लापरवाह और गैर-जिम्मेदार है। स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि रूस ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, यह मानते हुए कि परमाणु युद्ध नहीं जीता जा सकता है और न ही लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस से"हमलों को रोकने और अपने सभी बलों को वापस बुलाने तथा कूटनीतिक प्रयासों में अच्छे विश्वास के साथ बात करने" का आह्वान किया। यूक्रेन और रूस के सरकारी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को दक्षिण-पूर्वी बेलारूस में वार्ता के लिए मिले थे, लेकिन परिणाम तुरंत नहीं निकल सका। अमेरिका ने हाल में नाटो क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में 5,000 अतिरिक्त सैनिकों की कुमुक भेजी है।

हमले के बाद यूक्रेन में जमीनी हालात

रूस के पांच हजार सैनिक मारे गए या बंधक बनाए गए

ब्रसेल्स। रूस-यूक्रेन संकट में अब तक पांच हजार से अधिक रूसी सैनिक बंधक बना लिए गए है या फिर मारे गए है। विभिन्न पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी ने यह अनुमान लगाया है। अधिकारी ने कहा कि यूक्रेनी बलों ने बड़ी संख्या में रूसी विमानों, टैंकों और कुछ रक्षा प्रणालियों को मार गिराया है। खुफिया अधिकारी ने कहा कि रूसी बलों ने उत्तरी कीव, पूर्वी शहर खारकीव और उत्तरी शहर चेर्नीहिव में तोपों से हमले तेज कर दिए है। साथ ही बीते 48 घंटे में उसने भारी हथियारों का इस्तेमाल किया है।

दोनेत्सक में अलगाववादियों ने दो गलियारा बनाने की घोषणा की

कीव। दोनेत्सक में अलगाववादियों के सैन्य बल ने कहा है कि उसने मारियुपोल से नागरिकों को निकालने के लिए दो गलियारे बनाए है। यह इस बात का संकेत है कि प्रमुख अजोव समुद्री बंदरगाह पर एक बड़ा हमला हो सकता है। अलगाववादियों की सेना के प्रवक्ता एडुआर्ड बसुरिन ने कहा कि गलियारे में बुधवार तक नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही की गारंटी है। रूसी सेना के लिए औद्योगिक केंद्र मारियुपोल महत्वपूर्ण है। यह रूस को क्रीमिया और रूसी मुख्य भूभाग के बीच एक गलियारा स्थापित करने में मदद करेगा।

ब्रिटेन के पीएम जॉनसन ने यूरोप का दौरा शुरू किया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन रूस के साथ संघर्ष से जूझ रहे यूक्रेन के पड़ोसी एवं ब्रिटेन के यूरोपीय सहयोगी देशों- पोलैंड और एस्टोनिया के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। पोलैंड में जॉनसन प्रधानमंत्री माटेउज़ मोराविएकी के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वह एस्टोनिया की यात्रा पर जाएंगे। जॉनसन ने कहा, आज मैं पोलैंड और एस्टोनिया का दौरा करूंगा, दो देश जो यूक्रेन में मौजूदा संकट से बुरी तरह प्रभावित है। हमने ऐसे मूल्यों को साझा किया है जिनकी रक्षा करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि मानवीय स्थिति बदतर होती जा रही है। जॉनसन यूरोपीय सुरक्षा और स्थिरता पर चर्चा करने के लिए एस्टोनियाई प्रधानमंत्री काजा कैलास और एस्टोनियाई राष्ट्रपति अलार करिस से भी मिलेंगे। ब्रिटेन के विदेश सचिव लिज़ ट्रस द्वारा सोमवार को हाउस ऑफ कॉमंस में रूस के खिलाफ और सख्त प्रतिबंधों की रूपरेखा तैयार किए जाने के बाद जॉनसन की यह यात्रा हो रही है।

महारानी एलिज़ाबेथ ने कोविड से संक्रमण होने के बाद ऑनलाइन बैठक की

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय ने कोविड से संक्रमित होने के ठीक एक हफ्ते बाद मंगलवार को ऑनलाइन माध्यम से दो बैठकें की जबकि कुछ अन्य रद्द कर दी। वह कोरोना वायरस के संक्रमण के हल्के लक्षण से उबरी है। 95 वर्षीय महारानी ने अपने दिन की शुरुआत कार्ल्स जोर्डाना माडेरो का स्वागत करके की जिन्होंने प्रिंसिपालिटी ऑफ अंडोरा के नए राजदूत के तौर पर अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया।

क्विक न्यूज

पाकिस्तानी सांसदों की गिलगित-बाल्तिस्तान को प्रांतीय दर्जा देने की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सांसदों के एक समूह ने गिलगित-बाल्तिस्तान को प्रांतीय दर्जा देने के लिए संसद के ऊपरी सदन में एक विधेयक पेश किया है। गिलगित-बाल्तिस्तान को भारत अपना अभिन्न हिस्सा बताता है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) के सांसद कौदा बाबर, अहमद खान, नसीबुल्लाह बजाई और प्रिंस उमर ने सोमवार को नया अंतरिम प्रांत बनाने के लिए संविधान के अनुच्छेद एक में संशोधन का प्रस्ताव दिया। गिलगित बाल्तिस्तान का प्रशासन पाकिस्तान की संघीय सरकार संचालित करती है, जिसे भारत ने अवैध कब्जा करार दिया है। भारत ने साफ तौर पर पाकिस्तान को बताया है कि गिलगित और बाल्तिस्तान समेत जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख का पूरा केंद्र शासित प्रदेश उसका अभिन्न हिस्सा है। बीएपी के संवैधानिक विधेयक में कहा गया है कि गिलगित-बाल्तिस्तान के लोग लंबे समय से समान नागरिकता के अधिकारों की मांग करते रहे हैं। विधेयक में कहा गया है कि गिलगित-बाल्तिस्तान विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव भी पारित किया था।

फाइजर का कोविड रोधी टीका 5-11 साल के बच्चों में कम प्रभावी: अध्ययन

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में वृद्धि के दौरान फाइजर के कोविड रोधी टीके का बच्चों में कम प्रभाव दिखा, खासकर पांच से 11 वर्ष की आयु के बच्चों में। हालांकि यह अभी भी गंभीर बीमारी के खिलाफ एक सुरक्षा कवच है। अमेरिका के अल्बानी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ और यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने कोविड के मामलों और अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में फाइजर के टीके के प्रभाव पर अध्ययन किया। उन्होंने दिसंबर 2021 और जनवरी 2022 के दौरान 12-17 वर्ष की आयु के 852,384 पूर्ण टीकाकरण वाले बच्चों और 5-11 वर्ष की आयु के 365,502 बच्चों के डेटा का उपयोग किया। अध्ययन में फाइजर का कोविड रोधी टीका बच्चों, खासकर पांच से 11 वर्ष की आयु के बच्चों में कम प्रभावी पाया गया।

चीन ने ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन करने को लेकर अमेरिका को चेताया

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर उसने ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन जताने का प्रयास किया तो उसे (अमेरिका को) इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यूक्रेन पर रूसी सेना की तरह स्वशासित ताइवान पर चीनी आक्रामकता की आशंका के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा भेजा गया पूर्व अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल ताइपे पहुंचा है, जिसके चलते चीन ने अमेरिका को यह चेतावनी दी। ताइवान की मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने अमेरिकी सेना के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी माइक एडमिरल (सेवानिवृत्त) मुलेन के नेतृत्व में पहुंचे पांच सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल की अगवानी की। अमेरिका द्वारा ताइवान के साथ संबंध मजबूत करने के प्रयास ने बीजिंग की चिंता बढ़ा दी है। चीन ताइवान पर अपना दावा जताता रहा है। हाल के महीनों में चीन लगातार ताइवान के हवाई रक्षा क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान भेजता रहा है। मुलेन की यात्रा के अलावा अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री बुधवार को ताइवान पहुंच सकते हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की यात्रा से जुड़े सवाल पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा, चीन के लोग राष्ट्रीय सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने को लेकर दृढ़ संकल्पित हैं।

नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने की पूजा अर्चना

काठमांडू। दो साल में पहली बार पशुपतिनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। नेपाल की राजधानी के इस प्रसिद्ध मंदिर में मंगलवार को भारत के करीब एक लाख तीर्थयात्रियों सहित पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पूजा अर्चना करने का अनुमान है। मंगलवार तड़के साढ़े तीन बजे से ही भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए बागमती नदी के तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में श्रद्धालु पहुंचने लगे। पशुपति एरिया डेवलपमेंट ट्रस्ट के एक अधिकारी के मुताबिक, दोपहर तक श्रद्धालुओं की संख्या 4,00,000 को पार कर गई, हालांकि यह संख्या मंगलवार रात तक पांच लाख को पार कर सकती है। कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद पशुपतिनाथ में मशिवरात्रि त्योहार मनाया गया। भारतीय श्रद्धालुओं की संख्या ।,00,000 रहने का अनुमान है। शिव की पूजा के लिए भारत से लगभग 5,500 साधु भी आए हैं। नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने इस अवसर पर लोगों को बधाई दी और सभी नेपाली लोगों से पशुपतिनाथ सहित देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित सांस्कृतिक और धार्मिक विरासतों की रक्षा और प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा, नेपाल हमेशा दुनिया भर के उन श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक चिंतन का केंद्र रहा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद दुष्प्रचारों का बाजार गर्म, दावों- प्रतिदावों का दौर

भाषा। कीव

यूक्रेन और इसके बाहर एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकार रूसी आक्रमण से संबंधित सैन्य गतिविधियों को अपने कैमरों में कैद कर रहे हैं। दुष्प्रचारों का बाजार गर्म है तो सोशल मीडिया पर दावे और प्रतिदावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। जिससे यह तय कर पाना मुश्किल हो रहा है कि आखिर हो क्या रहा है? यूक्रेन पर रूसी हमले के छठे दिन की घटनाओं की पुष्ट जानकारी इस प्रकार है :- रूसी सेना का यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में नागरिक ठिकानों को निशाना बनाना जारी है। एपी की ओर से सत्यापित वीडियो में यह देखा जा सकता है कि खारकीव के आवासीय इलाकों में एक के बाद एक गोले दागे जा रहे हैं। अस्पताल के कर्मचारी खारकीव के प्रसूति अस्पताल को बम शेल्टर ले गए हैं। वहां अस्थाई बिजली व्यवस्था की गई है और दीवारों के सहारे गद्दे रखे गए हैं। यहां गर्भवती महिलाओं को लाकर रखा गया है। इस शेल्टर में नवजात बच्चों की किलकारियां गूंज रही है। यक्रेन की राजधानी कीव के पूर्वोत्तर इलाके में ब्रोवेरी उपनगरीय इलाके में एक सैन्य बेस से आग की लपटें उठ रही हैं। इसकी तस्वीर एक कार चालक ने भेजी है, जिसे एपी ने प्रमाणित किया है। उधर पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के मद्देनजर मास्को में भी नकद राशि के लिए लोग कतारों में खड़े देखे गए। मक्सर टेक्नोलॉजीज से प्राप्त उपग्रहीय तस्वीर के अनुसार, रूसी तोपें कीव में कहर बरपाए हुए हैं। बख्तरबंद गाड़ियां, तोप और आर्टिलरी तथा सहायक वाहन कीव से 15 किलोमीटर की दूरी पर हैं। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि रूसी सेना केवल यूक्रेन के सैन्य सुविधा केंद्रों पर हमले कर रही है।

यूक्रेन संकट को हल करने के लिए रूस की वैध सुरक्षा मांगों का उचित समाधान किया जाना चाहिए

बीजिंग। रूस के यूक्रेन में सैन्य हमले तेज करने के बीच चीन ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को की वैध सुरक्षा मांगों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान के लिए उचित तरीके से इसका समाधान किया जाना चाहिए। रूस की सैन्य कार्वाई की आलोचना करने से इनकार करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने ऐसे राजनीतिक समाधान का आह्वान किया जो दोनों पक्षों की वैध सुरक्षा चिंताओं का हल करता हो और यूरोप में स्थाई शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देता हो। वांग ने कहा, चीन का मानना है कि एक देश की सुरक्षा दूसरे देशों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

गूगल ने रूस की सरकारी मीडिया पर शिंकजा कसा

भाषा। वाशिंगटन

यूक्रेन पर रूसी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री पर शिकंजा कसते हुए गूगल समेत प्रमुख तकनीकी कंपनियां रूस की सरकारी मीडिया को अपने मंचों का उपयोग करने से रोकने की तरफ कदम बढ़ा रही हैं ताकि वे दुष्प्रचार एवं गलत सूचनाओं को प्रसार नहीं कर सकें। गूगल ने मंगलवार को घोषणा की कि वह यूरोप में ऐसे यूट्यूब चैनल को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक कर रहा है। हालांकि, साफ किया कि इसे पूरी तरह प्रभावी होने में थोड़ा समय लगेगा। इसके अलावा, सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली अमेरिका की अन्य प्रमुख कंपनियों ने भी क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) की पहुंच को सीमित करने को लेकर जबरदस्त बदलाव किए हैं। इसके तहत ट्विटर ने इनके द्वारा साझा की गई सामग्री पर एक लेबल लगाया है ताकि लोगों को पता चल सके कि ए सामग्री रूसी सरकार द्वारा प्रसारित है। इससे इतर आर्थिक झटका देते हुए रूसी मीडिया के चैनल की विज्ञापन से होने वाली आय में भी कटौती की जा रही है।

यूक्रेन-रूस संकट के वैश्विक प्रभाव होंगे : विदेश नीति विशेषज्ञ

नई दिल्ली। यूक्रेन-रूस संकट गहराने के बीच विदेश नीति विशेषज्ञों के एक धड़े ने मंगलवार को आगाह किया कि इसका वैश्विक प्रभाव होना तय है और इसके दीर्घकालीन प्रभाव की भविष्यवाणी करना और भी मुश्किल होगा। भारत स्थित फाउंडेशन द्वारा आयोजित यूक्रेन-रूस युद्ध और इसके भू-राजनीतिक परिणाम पर एक सम्मेलन में कुछ विशेषज्ञों ने यूक्रेन में मौजूदा हालात को बड़ी त्रासदी बताया, जिसकी मानवीय और वित्तीय कीमत चुकानी होगी। वॉशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी में वरिष्ठ फेलो एना बॉर्श्चेव्स्कया ने दावा किया, यह संकट पूरी तरह रूस ने खड़ा किया है और यह दोतरफा संकट नहीं है। इस संकट का असर हर किसी पर पड़ेगा और इसका पूरी दुनिया को प्रभावित करना तय है।

सिंधु जल संधि : भारत, पाक के अधिकारियों ने वार्ता की

भाषा। इस्लामाबाद

स्थाई सिंधु आयोग की वार्षिक बैठक के तौर पर भारत और पाकिस्तान के अधिकारियों ने सोमवार को यहां मुलाकात की और दोनों पक्षों के मौजूदा मौसम के दौरान बाढ़ प्रवाह की जानकारी संबंधी विषयों पर चर्चा करने और भविष्य के कार्यक्रमों, बैठकों और निरीक्षणों को अंतिम रूप देने की उम्मीद है।

भारत के सिंधु जल आयुक्त पी के सक्सेना की अगुवाई में 10 सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल पीसीआईडब्ल्यू की वार्षिक बैठक में भाग लेने लिए सोमवार को वाघा बॉर्डर के जरिए यहां पहुंचा और उसने राजधानी में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। सूत्रों ने पुष्टि की है कि बातचीत शुरू हो गई और सौहार्दपूर्ण माहौल में पाकिस्तान की आपत्तियों पर चर्चा हो रही है। चर्चा कल तक चलेगी। इस तीन दिवसीय बैठक का आयोजन सिंधु जल संधि-1960 के दायित्वों के तहत पाकिस्तान के सिंधु जल आयुक्त के कार्यालय ने किया। भारत और पाकिस्तान ने नौ साल तक चली बातचीत के बाद 1960 में इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे। संधि में नदियों के इस्तेमाल के संबंध में दोनों देशों के बीच सहयोग और सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक व्यवस्था तय की गई। हालांकि, संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच असहमतियां और मतभेद भी रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल को मध्य जनवरी में यहां आना था, लेकिन कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों के कारण भारत ने इस बैठक को स्थगित करने का अनुरोध किया था। कश्मीर मुद्दे को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में गतिरोध के बीच यह बैठक हो रही है। भारतीय आयुक्त पी के सक्सेना के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में तीन महिला अधिकारी शामिल हैं। संधि पर हस्ताक्षर होने के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि तीन महिला अधिकारी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय जल आयोग, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम और विदेश मंत्रालय से संबंधित, भारतीय आयुक्त पी के सक्सेना के सलाहकार शामिल हैं।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

मैं आलोक पांडे पुत्र-स्वर्गीय पी एन पांडे निवासी-ए 12 मानवस्थली अपार्टमेंट वसुंधरा एनक्लेव दिल्ली-110096 यह घोषणा करता हूं कि ऊपर लिखित पत्ते के मेरे अलॉटमेंट लेटर और पजेशन लेटर कहीं गुम हो गए हैं यदि किसी को मिले तो कृपया ऊपरलिखित पते पर पहुंचाने की कृपा करें।

PD(9156)A

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General public on behalf of Fullerton India Home Finance Company. That Mr. Sunil Kumar is claiming owner /attorney of Property bearing No. 6/23A, area measuring 100 sq.,Yds., out of total area measuring 200 sq., Yds., Situated in the area of Village Tilak Nagar, New Delhi "the said property". by virtue of Regd. GPA, Notarized Agreement & regd. will all dated 14.05.2003 executed by Mrs. Tara Rani who was owner of the said property by virtue of Conveyance deed dated 12.05.1999, All persons are hereby informed that above mentioned claiming owner/attorney holder want to sell Entire First floor of the said property to Mr. Rohit Ginotra who is taking Loan from Fullerton for purchase of the said floor, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner /attorney holder over the said property, its sale /Mortgage/litigation, & any kind of objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा जनता को यह सूचना दी जाती है कि मेरे क्लाइंट **इंडसइंड बैंक लिमिटेड**, जिसकी एक शाखा झंडेवालान में है, ऋण/वित्तीय सुविधा प्रदान करना चाहता है। श्री सुभाष चंद बंसल पुत्र स्वर्गीय श्री मन्नू मल बंसल के खिलाफ "बिल्ट-अप प्रोपर्टी बियारिंग प्लॉट नंबर 17, एरिया 340 वर्ग गज का क्षेत्रफल, ब्लॉक-डी, आवासीय कॉलोनी में स्थित ग्रीन पार्क मेन, नई दिल्ली के रूप में जाना जाता है"। पूर्वोक्त श्री सुभाष चंद बंसल, उप पंजीयक-कार्यालय, दिल्ली के साथ दिनांक 23.02. 1999 को दस्तावेज संख्या 288 के रूप में विधिवत पंजीकृत परिवार विभाजन के विलेख के आधार पर उपरोक्त संपत्ति के मालिक होने का दावा करते हैं। किसी भी व्यक्ति(व्यक्तियों) को उपर्युक्त संपत्ति में किसी भी तरह से अधिकार, शीर्षक या हित/दावे/आपत्ति(ओं) के संबंध में कोई आपत्ति या दावे हैं, तुरंत सभी सहायक दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी से लिखित रूप में संपर्क करना चाहिए। उनके यदि इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से **10 दिनों** की अवधि के भीतर ऐसा कोई दावा प्राप्त नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि उपरोक्त संपत्ति में किसी का भी कोई अधिकार, शीर्षक या हित नहीं है और भले ही किसी के पास कोई दावा/आपत्ति हो, उसने इसे छोड़ दिया है।

हिमांशु आहूजा (अधिवक्ता)
संपर्क नंबर: 9810310373, 011-41830049
ई-मेल पता: alolegals@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरी पक्षकार शीतल चौहान, ए 3, अप्पर ग्राउंड फ्लोर प्लॉट न. बी-1400 / 2 सी, ब्लॉक-सी, खसरा न. 16 /1, & 2, देवली, साकेत, न्यू दिल्ली को प्रदीप कुमार, हंसराज, संदीप कुमार, नीतेश कुमार पूरी, राम नाथ गुप्ता, हंस राज से ख़रीदकर पी सी एच एफ एल के साथ बंधक रख रहे है, और उन्होंने उक्त प्रॉपर्टी को जय प्रकाश, सुन्दर सिंह तथा अनिता बेवा संदीप से खरीदा था तथा इन्हे प्रॉपर्टी मुख़्तयार सिंह और संदीप पुत्र मुख़्तयार की मृत्यु के बाद हक त्याग पत्र तारीख 10.02.2020 से प्राप्त है, अतः किसी को उक्त संपत्ति के समबन्ध मे कोई दावा या अधिकार है तो वह व्यक्ति इस प्रकाशन के 8 दिनों के अंदर नीचे लिखे न. पर संपर्क कर के अपने दावे की जानकारी दे दे

एडरैम लिगल सल्यूशन
चैंबर न. ७६०, द्वारका कोर्ट,
सेक्टर-१०, द्वारका, नई देल्ही.-७५.
म:- ९८९९०१३९१८

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि सुश्री प्रीति मित्तल पुत्री श्री देवेन्द्र कुमार मित्तल निम्नवर्णित दस्तावेजों के आधार पर आबादी ललिता पार्क, लक्ष्मी नगर, ग्राम शकरपुर खास इलाका शाहदरा, दिल्ली-110092 में स्थित सम्पत्ति सं. 102320 के अंश रूप द्वितीय तल भाग, छत के अधिकार के साथ, की काबिज स्वामिनी है :

श्री तेजपाल पुत्र श्री नारायण दास द्वारा उक्त तल के संबध में सुश्री प्रीति मित्तल पुत्री श्री देवेन्द्र कुमार मित्तल के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत सेल डीड दिनांकित 14-07-2020, जो एसआर टप्प् ए प्रीत विहार के कार्यालय में दस्तावेज नंबर 2128 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। इससे पहले स्व. श्रीमती सपना उर्फ दया पत्नी श्री तेजपाल वर्ष 2008 की पंजीकृत जीपीए के आधार पर स्वामिनी थी, जिनका स्वर्गवास 04 जुलाई, 2014 को हो चुका है। इसके अतिरिक्त सुश्री ममता पुत्री श्री तेजपाल द्वारा उक्त तल के संबंध में श्री तेजपाल पुत्र श्री नारायण दास के पक्ष में निष्पादित परित्याग विलेख दिनांकित 09-01-2020, जो एसआर टप्प् ए प्रीत विहार के कार्यालय में बही नंबर 1, जिल्द नंबर 1775 में , पेज नगर 5 से 8 तक पर, पंजी. दिनांक 16-01-2020 को दस्तावेज नंबर 219 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। कि अब सुश्री प्रीति मित्तल उक्त सम्पत्ति को सुश्री साजिदा को बेचने की इच्छुक हैं, जो उसको सैटिन हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड के पास बंधक रखने की इच्छुक हैं। यदि किसी व्यक्ति को सम्पत्ति के संबंध में कोई आपत्ति अथवा कोई अधिकार, स्वत्वाधिकार अथवा हित है। कृपया आपत्ति इस सूचना के 7 दिन के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा उसको जब्त माना जाएगा।

अधिवक्ता महेश बंसल मोबाइल नंबर 9968347592 सैटिन हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

भारत में नए युग का बाल साहित्य

भारत में प्रकाशित पुस्तकों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पादित पुस्तकों को टक्कर देने लगी है। न केवल रूप के संदर्भ में, बल्कि सामग्री के मामले में भी। और, शैक्षिक होते हुए, ऐसी पुस्तकें कल्पना को उत्तेजित और प्रज्वलित करती हैं। 'चितवन मित्तल' का विश्लेषण :

भारत में पहले से कहीं अधिक बच्चे मनोरंजन के लिए किताबें पढ़ रहे हैं। इस निरंतर वृद्धि को देखकर खुशी हो रही है क्योंकि अत्यधिक स्क्रीन समय अधिकांश माता-पिता के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है, खासकर जब से महामारी शुरू हुई है। लेकिन युवा भारत क्या पढ़ रहा है और इस आदत को बढ़ावा देने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अंग्रेजी में बाल साहित्य कैसे बदल गया है।

परियों की कहानियों, मिथकों और दंतकथाओं की

कई पीढ़ियों के दौरान, कॉन्वेंट शिक्षा के लिए धन्यवाद, भारतीय बच्चों को, विशेष रूप से उनके प्रारंभिक वर्षों में, एक प्रधान पठन आहार से अवगत कराया गया है जिसमें मुख्य रूप से अनुवादित पश्चिमी क्लासिक्स, जैसे अंग्रेजी, जर्मन, रूसी और ग्रीक शामिल हैं। परियों की कहानियों, मिथकों और दंतकथाओं। इन्हें भारतीय लोक कथाओं, महाकाव्यों और क्षेत्रीय भाषाओं में मिथकों के साथ जोड़ा गया है, जिनका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है, जैसे पंचतंत्र और जातक कथाएँ।

हालाँकि, इन पुस्तकों का प्रारूप, भाषा, स्वर और प्रस्तुति शैली अपेक्षाकृत सरल और दिनांकित थी। उत्पादन की गुणवत्ता, सस्ती और बुनियादी। चित्र विशद और रंगीन थे लेकिन सीधे आगे और अकल्पनीय थे। और भाषा रुकी हुई थी- स्वर निर्देशात्मक और प्रत्यक्ष था। इसने व्याख्या के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी। उल्लेखनीय रूप से, आज भी, बहुत छोटे बच्चों के लिए ऐसी पुस्तकें निर्मित, खरीदी और पढ़ी जाती हैं। वे मुख्य रूप से उन माता-पिता की सेवा करते हैं जो बुनियादी मूल्यों को विकसित करने के लिए आजमाए हुए और आजमाए हुए तरीके की तलाश में हैं; अपने बच्चों को नैतिक और धार्मिक शिक्षा प्रदान करें।

हालाँकि, हाल ही में, माता-पिता की एक विशिष्ट फसल उभरी है, जो स्वयं उत्साही पाठक हैं। अधिक से अधिक खर्च करने योग्य आय वाले माता-पिता, मुख्य रूप से शहरी केंद्रों में, पढ़ने को स्कूल के पाठ्यक्रम के साथ कम और बच्चे के संज्ञानात्मक विकास के साथ करने के लिए अधिक के रूप में देख रहे हैं। पहले देखी गई नैतिक शिक्षा ने आज बच्चों के लेखन में एक बहादुर नई आवाज का मार्ग प्रशस्त किया है : वह जो शैली, रूप और भाषा के साथ प्रयोग कर रहा है।

नवीनता का समावेश

धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, भारत में प्रकाशित पुस्तकों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्मित पुस्तकों को टक्कर देने लगी है; न केवल रूप के संदर्भ में, बल्कि सामग्री के मामले में भी। किताबों को एक प्रीमियम अहसास देने के लिए कागज और प्रिंट की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। फ़ॉन्ट और चित्र और चित्र अधिक स्पष्ट रूप से रंगे जा रहे हैं और सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन हो रहे हैं। नियोजित भाषा शैक्षणिक रूप से ध्वनि और कम उपदेशात्मक है। यह बौद्धिक रूप से बिना मांग के वर्णनात्मक है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शैक्षिक होते हुए भी ऐसी किताबें कल्पना को उत्तेजित और प्रज्वलित करती हैं, खासकर उन छोटे बच्चों के लिए जो अभी तक स्वतंत्र रूप से नहीं पढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए, ऐसी किताबें तैयार करने के लिए जो आकर्षक और अधिक सांस्कृतिक रूप से निहित हैं, लेखकों, चित्रकारों और प्रकाशकों का एक समूह हमारी सामूहिक भारतीयता को आकर्षित कर रहा है। वे एक ऐसे परिवेश में सेट नाम और भौतिक विशेषताओं के साथ वर्ण

> पेंगुइन और हार्पर कॉलिन्स सहित भारत में स्थापित प्रकाशन गृहों ने बाल साहित्य पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। हालांकि, पिछले दशक में छोटे स्वतंत्र प्रकाशनों का उदय सबसे बड़ा गेम चेंजर रहा है। तुलिका, तारा, पिकल योक बुक्स और आदिदेव प्रेस जैसे इंडी प्रकाशक उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री के साथ बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

बनाकर ऐसा करते हैं जो संबंधित है। क्रिएटिव स्वदेशी लोक कला शैलियों की विशेषता और प्रदर्शन करते हैं। इसी तरह, कहानियां मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा में सुनाई जाने के बावजूद क्षेत्रवाद को शामिल करती हैं। यह सब कलाकृति और कहानियों को एक विशिष्ट भारतीय स्वाद देता है।

कॉमिक सेंस की कमी

कहानी की किताबों के अलावा, कहानी कहने और प्रस्तुत करने का एक और रूप जो बच्चों के बीच लोकप्रिय है, जो स्वतंत्र पाठक हैं, कॉमिक किताबें हैं। हालाँकि, अमर चित्र कथा श्रृंखला से अलग, जिसने भारतीय पौराणिक कथाओं और बाद के इतिहास को इन विषयों को युवा दर्शकों के लिए सुलभ बनाने के लिए कॉमिक प्रारूप में पैकेज करने की मांग की, भारत में बहुत कम है। इसी तरह, जबकि अन्य हैं, जैसे कि टिंकल, सदाबहार पात्रों जैसे सप्पंडी और शिखर शंबू, और चाचा चौधरी, जिन्होंने समान मात्रा में मनोरंजन और शिक्षित किया, उनकी रचना के बाद से इस स्थान में बहुत कम उल्लेखनीय हुआ है।

इसी तरह, सुपरहीरो एडवेंचर फिक्शन जॉनर में एक बड़ा खालीपन भरा जाना बाकी है। जबकि भारतीय ग्राफिक कलाकारों ने अतीत में नागराज, कमांडो ध्रुव, डोगा और परमानु जैसे पात्रों के माध्यम से मार्वल और डीसी की पसंद से मेल खाने के लिए एक वैकल्पिक, स्वदेशी रूप से विकसित सुपरहीरो फ्रैंचाइज़ी बनाने की कोशिश की है, उन्होंने उस तरह का नहीं बनाया है उनके विदेशी समकक्षों का भारत में निरंतर प्रभाव बना हुआ है। ग्राफिक उपन्यासों के साथ भी ऐसा ही है।

मातृभाषा को पुनः प्राप्त करना

लेकिन कुछ अच्छी खबर है। हमें मातृभाषा में लिखी गई कहानियों के मूल्य का एहसास होने लगा है। और धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, क्षेत्रीय भाषाओं में बाल साहित्य, अनुवाद के माध्यम से, राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने लगा है। हालाँकि, इस खंड में बहुत कुछ किया जाना बाकी है और प्रकाशकों को क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ द्विभाषी पुस्तकों में अधिक बाल साहित्य बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

बहुत पीछे, आगे का रास्ता

दुनिया में अंग्रेजी भाषा के सबसे बड़े पाठक होने के बावजूद, भारत से अंग्रेजी में बच्चों के साहित्य की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति बहुत कम है। अधिकांश इस बात से सहमत हैं कि बच्चों की किताबों का प्रवाह हमेशा पश्चिम से पूर्व की ओर रहा है। उदाहरण के लिए, मेरा 8 साल का बच्चा डॉक्टर सीस (1998 में आखिरी बार प्रकाशित एक किताब!) और जूलिया डोनाल्डसन की किताबों से, आज भारत में प्रकाशित कुछ किताबों से ज्यादा परिचित हुआ करता था। ग्रंथों की गेय गुणवत्ता, दोहराव और प्रतिधारण के लिए खुद को उधार देती है; कल्पनाशील चित्र और सूक्ष्म रंग उन्हें बच्चों का पसंदीदा बनाते हैं।

क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश प्रकाशक, संपादक, शिक्षाविद और माता-पिता बच्चों की किताबों को केवल पढ़ने और लिखने के कौशल प्राप्त करने के लिए आवश्यक मानते हैं? क्या अवकाश के लिए पढ़ना अभी भी एक ऐसे देश में एक विदेशी अवधारणा है जो कहानी कहने की जीवंत और प्राचीन मौखिक परंपरा को समेटे हुए है? या यह संभवतः बच्चों के साहित्य की स्थिति से जुड़ा है- कि वास्तव में कुछ भी हितधारकों को बच्चों को चुनौती देने वाली किताबें उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित नहीं करता है?

धीमा मंथन

हालांकि, बच्चों के प्रकाशन उद्योग में प्रतिकूल दिशा एक अनुकूल दिशा में आगे बढ़ रही है, जिस पर हमारा ध्यान आकर्षित होता है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपना ध्यान दक्षिण एशियाई बाजार में स्थानांतरित कर दिया है। वे न केवल अपने अंतरराष्ट्रीय खिताबों का विपणन करना चाहते हैं, और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण कर रहे हैं, बल्कि विशेष रूप से दक्षिण एशिया के लिए पुस्तकों को प्रकाशित करने पर भी सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं। यह उम्मीद की जा सकती है, स्थानीय खिलाड़ियों को उत्पादन और सामग्री दोनों को आगे बढ़ाने और सुधारने के लिए मजबूर करेगा।

पेंगुइन और हार्पर कॉलिन्स सहित भारत में स्थापित प्रकाशन गृहों ने बाल साहित्य पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। हालांकि, पिछले दशक में छोटे स्वतंत्र प्रकाशनों का उदय सबसे बड़ा गेम चेंजर रहा है। तुलिका, तारा, पिकल योक बुक्स और आदिदेव प्रेस जैसे इंडी प्रकाशक उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री के साथ बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

तलाशने के लिए कुछ सांत्वना है। मेरा मानना है कि भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के पास बाल साहित्य की दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है। और इन छोटे लेकिन सार्थक परिवर्तनों के कारण, आगे चलकर, मुझे लगता है कि बच्चों के लिए अंग्रेजी लेखन, दक्षिण एशिया से बाकी दुनिया में और अधिक सामग्री देखेगा।

(लेखक भारत में स्थित एक स्वतंत्र प्रकाशन कंपनी आदिदेव प्रेस के संस्थापक हैं। उसने हाल ही में 6 बच्चों की चित्र पुस्तकें लिखी हैं और प्रकाशित की हैं, और दक्षिण एशियाई संस्कृति पर ध्यान देने के साथ उच्च गुणवत्ता वाली किताबें बनाने, जुड़ाव और विविधता, मूल्य-उन्मुख शिक्षा और द्विभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं)

दर्शकों के सामने 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे कोहली

भाषा। मोहाली

भारत और श्रीलंका के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाला पहला टेस्ट मैच दर्शकों की मौजूदगी में खेला जाएगा। यह स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने मंगलवार को बयान में कहा कि क्रिकेट प्रशंसक कोहली को 100वां टेस्ट मैच खेलने के ऐतिहासिक क्षण का गवाह बन सकते हैं। शाह ने बयान में कहा, भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली के पंजाब क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला पहला टेस्ट मैच खाली स्टेडियम में नहीं खेला जाएगा। उन्होंने कहा, राज्य क्रिकेट संघ ने दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति देने का निर्णय किया है और वर्तमान परिस्थितियों में यह विभिन्न कारकों पर आधारित है। मैंने पीसीए पदाधिकारियों से बात की है और उन्होंने पुष्टि की है कि क्रिकेट प्रशंसक विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच के ऐतिहासिक क्षण को देख पाएंगे। बीसीसीआई सचिव ने कहा भले ही वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में सीमित ओवरों की श्रृंखला दर्शकों के बिना खेली गई थी लेकिन कोविड-19 के मामलों में गिरावट के बाद दर्शकों को आने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच को लेकर उत्साहित हूं और अपने चैंपियन क्रिकेटर को शुभकामनाएं देता हूं। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) ने पुष्टि की कि टेस्ट मैच के लिए दर्शकों को अनुमति दे दी गई है। पीसीए कोषाध्यक्ष आरपी सिनोला ने पीटीआई से कहा, बीसीसीआई ने हमें आगामी टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति देने के लिए कहा है। इससे पहले इस मैच में दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया था।

जब पिता को खोने के दुख में डूबे होने के बावजूद बल्लेबाजी को उतरे थे 17 वर्ष के कोहली

नई दिल्ली। कर्नाटक के खिलाफ 2006 मे दिल्ली के रणजी ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन जब पुनीत बिष्ट ड्रेसिंग रूम मे पहुंचे तो कमरे मे सन्नाटा पसरा था और एक कोने में 17 वर्ष का विराट कोहली बैठा था जिसकी आंखें रोने से लाल थी। बिष्ट यह देखकर सकते में आ गए लेकिन उन्हें अहसास हो गया कि इस लड़के के भीतर कोई तूफान उमड़ रहा है। कोहली के पिता प्रेम का कुछ घंटे पहले ही ब्रेन स्ट्रोक के कारण निधन हुआ था। कोहली और बिष्ट अविजित बल्लेबाज थे लेकिन कोहली पर मानों दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। एक समय दिल्ली के विकेटकीपर रहे बिष्ट अब मेघालय के लिए खेलते है। उन्होंने उस घटना को याद करते हुए कहा , आज तक मै सोचता हूं कि उसके भीतर ऐसे समय में मैदान पर उतरने की हिम्मत कहां से आई। हम सब स्तब्ध थे और वह बल्लेबाजी के लिए तैयार हो रहा था। उन्होंने कोहली के सौवें टेस्ट से पहले उस घटना को याद करते हुए कहा , उसके पिता का अंतिम संस्कार भी नही हुआ था और वह इसलिए आ गया कि वह नही चाहता था कि टीम को एक बल्लेबाज की कमी खले क्योंकि मैच में दिल्ली की हालत खराब थी। सोलह साल पहले की वह घटना आज भी बिष्ट को याद है और यह भी कि कप्तान मिथुन मन्हास और तत्कालीन कोच चेतन चौहान ने विराट को घर लौटने की सलाह दी थी। उस समय चेतन सर हमारे कोच थे। चेतन सर और मिथुन भाई दोनों ने विराट को घर लौटने को कहा था क्योंकि उन्हे लगा कि इतनी कम उम्र में उसके लिए इस सदमे को झेलना आसान नही होगा। उन्होंने कहा , टीम में सभी की यही राय थी कि उसे अपने घर परिवार के पास लौट जाना चाहिए। लेकिन विराट कोहली अलग मिट्टी के बने हैं। बिष्ट ने करीब एक दशक तक दिल्ली के लिए खेलने के बाद 96 प्रथम श्रेणी मैचों में 4378 रन बनाए है। इसके बावजूद युवा विराट कोहली के साथ 152 रन की वह साझेदारी उन्हें सबसे यादगार लगती है। बिष्ट ने उस मैच में 156 और कोहली ने 90 रन बनाए थे। उन्होने कहा , विराट ने अपने दुख को भुलाकर जबर्दस्त दृढ़ता दिखाई थी। उसने कुछ शानदार शॉट्स खेले और मैदान पर हमारी बहुत कम बातचीत हुई। वह आकर इतना ही कहता था कि लंबा खेलना है , आउट नही होना है। मुझे समझ नही आ रहा था कि क्या कहूं। मेरा दिल कहता था कि उसके सिर पर हाथ रखकर उसे तसल्ली दूं लेकिन दिमाग कहता था कि नही , हमें टीम को जिताने पर फोकस करना है। इतने साल बाद भी विराट उसी 17 साल के लड़के जैसा है। उसमें कोई बदलाव नही आया। बंगाल के विकेटकीपर श्रीवत्स गोस्वामी ने भी भारत के लिए अंडर 19 क्रिकेट खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा , हम बंगाल से थे और विराट दिल्ली से। उसकी ऊर्जा और आक्रामकता गजब की थी। उसके साथ रहते हुए कोई भी पल उबाऊ नही होता था।

कोहली के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण हैं 100 टेस्ट : बुमराह

मोहाली। जसप्रीत बुमराह ने विराट कोहली की अगुवाई में ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और अब जबकि यह स्टार बल्लेबाज अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने की तैयारी कर रहा है तब भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ और वर्तमान में उप कप्तान ने कहा कि यह विशिष्ट उपलब्धि उनके पूर्व कप्तान की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। श्रीलंका के खिलाफ चार मार्च से यहां शुरू होने वाला टेस्ट कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा। बुमराह ने 2018 में कोहली की कप्तानी में ही अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। बुमराह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह किसी भी खिलाड़ी के लिए विशेष उपलब्धि होती है। यह उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा, अपने देश के लिए 100 टेस्ट मैच खेलना विशिष्ट अवसर होता है और उन्होंने भारतीय टीम की सफलता में बहुत अधिक योगदान दिया है और भविष्य में भी ऐसा करेंगे। बुमराह से पूछा गया कि क्या वह कोहली को इस विशेष अवसर पर कुछ उपहार देंगे, उन्होंने कहा, अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है।

विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को हराया

भाषा। रेंगियोरा (न्यूजीलैंड)

● मंधाना के 67 गेंद में 66 रन

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के 67 गेंद में 66 रन की मदद से भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप से पूर्व आखिरी अभ्यास मैच में मंगलवार को वेस्टइंडीज को 81 रन से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को टीम के पहले अभ्यास मैच के दौरान सिर पर चोट लगने के कारण मंधाना को निगरानी में रखा गया था। उन्होंने चोट लगने के दो दिन बाद ही शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को 50 ओवर में 258 रन तक पहुंचाया। जवाब में वेस्टइंडीज टीम नौ विकेट पर 177 रन ही बना सकी। भारत को रविवार को पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलना है जिसने पहले अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को दो रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 2017 की उपविजेता भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और शेफाली वर्मा को चिनेले हेनरी ने खाता खोले बिना ही आउट कर दिया। इसके बाद दीप्ति शर्मा और मंधाना क्रीज पर आए और दूसरे विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी की। मंधाना ने 67 गेंद में सात चौकों की मदद से 66 रन बनाए। चेरी अन फ्रेसर ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच लपका। दीप्ति ने 64 गेंद में 51 रन बनाए जिसमें एक ही चौका शामिल था। कप्तान मिताली राज ने 42 गेंद में 30 रन का योगदान दिया जबकि यस्तिका भाटिया ने 53 गेंद में 42 रन बनाए। वेस्टइंडीज की शुरूआत बहुत खराब रही और उसने चार विकेट 53 रन पर ही गंवा दिए। विकेटकीपर शेमेइन कैंपबेल ने 81 गेंद में 63 रन बनाए जबकि हेली मैथ्यूज ने 61 गेंद में 44 रन का योगदान दिया। इन दोनों के अलावा कोई बल्लेबाज टिक नहीं सकीं। भारत के लिए पूजा वस्त्राकर ने सात ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि मेघना सिंह और दीप्ति को दो दो विकेट मिले।

क्विक न्यूज

सीनियर शतरंज : पांच खिलाड़ियों को बढ़त

कानपुर। मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम सहित पांच खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां 58वीं सीनियर राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के आठवें दौर के बाद समान 6.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की। आठवें दौर में तमिलनाडु के ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त बी अधिबान को हराया, जबकि अंतरराष्ट्रीय मास्टर पी प्रणव ने अनुभवी ग्रैंडमास्टर दीप सेनगुप्ता को पराजित किया।

महिला हॉकी विश्व कप में भारत का पहला मैच तीन जुलाई को इंग्लैंड से

भुवनेश्वर। भारत इस साल नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप मे अपने अभियान की शुरुआत तीन जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ करेगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने मंगलवार को विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका मुकाबला पांच जुलाई को चीन से और सात जुलाई को न्यूजीलैंड से होगा। भारत एक से 17 जुलाई तक होने वाली इस प्रतियोगिता मे पूल चरण के अपने मैच नीदरलैंड के एम्सटेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम मे खेलेगा। कार्यक्रम सार्वजनिक होने के बाद भारतीय महिला टीम की हॉफबैक सुशीला चानू ने कहा कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी का सामना करने से नही घबराएगी।

कनकशन से उबरे स्मिथ, पाक के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए तैयार

इस्लामाबाद। आस्ट्रेलिया के उपकप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि वह पिछले महीने सिर मे लगी चोट (कनकशन) से पूरी तरह से उबर चुके है और उन्हें 1998 के बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहली टेस्ट श्रृंखला का इंतजार है। स्मिथ को श्रीलंका के खिलाफ सिडनी मे एक टी20 मैच के दौरान छक्का बचाने के प्रयास मे सिर मे चोट लगी थी। वह श्रीलंका के खिलाफ आखिरी तीन टी20 मैच नही खेल सके। उन्होंने मंगलवार को एक आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस मे कहा , अब ठीक लग रहा है। पिछले कुछ दिन से मै बेहतर महसूस कर रहा हूं। आज के अभ्यास सत्र के बाद और अच्छा लग रहा है। आस्ट्रेलियाई टीम ने पिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर अभ्यास किया जहां पहला टेस्ट खेला जाना है। दूसरा टेस्ट 12 से 16 मार्च तक कराची मे और तीसरा 21 से 25 मार्च तक लाहौर मे खेला जाएगा।

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी भगत व कदम की नजर जीत पर

नई दिल्ली। एक महीने तक स्पेन मे अभ्यास करने के बाद भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत और सुकांत कदम 2022 सत्र की शुरूआत स्पेनिश ओपन टूर्नामेंटों मे जीत के साथ करना चाहते है। भगत और कदम दोनो स्पेनिश ओपन टूर्नामेंट खेलेंगे जो तीन दिन के अंतराल पर खेले जाने है। पहला टूर्नामेंट ग्रेड टू टूर्नामेंट है जो मंगलवार से विक्टोरिया मे शुरू होगा जबकि दूसरा ग्रेड वन टूर्नामेंट नौ से 13 मार्च तक कार्टाजेना मे खेला जाएगा। भगत ने एक विज्ञप्ति मे कहा , सत्र की शुरूआत मे स्पेन के यह टूर्नामेंट काफी अहम है। मै पिछले एक महीने से स्पेन में अभ्यास कर रहा हूं और इससे मुझे अतिरिक्त फायदा मिलेगा। यह साल काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेल होने है।

द.अफ्रीका ने न्यूजीलैंड से श्रृंखला बराबरी की

● दूसरे टेस्ट में 198 रन से हराया

भाषा। क्राइस्टचर्च

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड को 198 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड को जीत के लिए 426 रन का लक्ष्य देने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने उसे 227 रन पर आउट करके एक सत्र बाकी रहते जीत हासिल की।

न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट एक पारी और 276 रन से जीता था। दक्षिण अफ्रीका टीम उस मैच में 95 और 111 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। पूरे पांचों दिन मैच में दक्षिण अफ्रीका का दबदबा रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 364 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज सारेल एरवी ने शतक जड़ा। इसके बाद न्यूजीलैंड को 293 रन पर आउट करके पहली पारी में 71 रन की बढत बना ली। कैगिसो रबाडा ने 60 रन देकर पांच विकेट लिए। क्विंटोन डिकॉक के अचानक संन्यास लेने के बाद विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी कर रहे काइल वेरेने ने भी शतक जड़ा जिसकी मदद से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी नौ विकेट पर 354 रन पर घोषित करके 425 रन की बढ़त ले ली। चौथे दिन न्यूजीलैंड ने पहले तीन विकेट 25 रन पर गंवा दिए जिससे मैच में वापसी की उम्मीदों पर पानी फिर गया। रबाडा ने टॉम लाथम और विल यंग को पहले तीन ओवर में पवेलियन भेजा। न्यूजीलैंड ने आखिरी दिन चार विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया। उस समय डेवोन कोंवे 60 और टॉम ब्लंडेल एक रन बनाकर खेल रहे थे। कोंवे पहले सत्र के आखिर में 92 रन पर आउट हो गए तेज गेंदबाज लुथो सिपामला ने उन्हें पवेलियन भेजा। इसके बाद से न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई। ब्लंडेल और कोलिन डि ग्रांडहोमे (18) दूसरे सत्र के पहले पांच ओवर में ही आउट हो गए जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत तय हो गई।

हरमनप्रीत वनडे रैंकिंग में 20वें स्थान पर

● मिताली दूसरे स्थान पर बरकरार

भाषा। दुबई

भारत की हरमनप्रीत कौर आईसीसी द्वारा जारी महिला वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में एक पायदान चढकर 20वें स्थान पर है जबकि कप्तान मिताली राज दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। हरमनप्रीत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में 66 गेंद में 63 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। उन्होंने इस पारी से भारत को जीत दिलाकर न्यूजीलैंड को क्लीन स्वीप से रोका। मिताली और स्मृति मंधाना क्रमश: दूसरे और आठवें स्थान पर हैं। हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में एक पायदान चढकर 12वें स्थान पर है। वह हरफनमौलाओं की रैंकिंग में एक स्थान नीचे पांचवें स्थान पर आ गई है। गेंदबाजों की रैंकिंग में झूलन गोस्वामी शीर्ष 10 में अकेली भारतीय हैं जो चौथे स्थान पर है। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर ने भारत के खिलाफ आखिरी दो वनडे में शानदार प्रदर्शन किया। इसकी बदौलत वह बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच पायदान चढकर 17वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में वह चार पायदान चढकर 17वें स्थान पर पहुंच गई। हरफनमौलाओं की रैंकिंग में वह दो पायदान चढकर चौथे स्थान पर है। बल्लेबाजी में एलिसा हीली शीर्ष पर है जबकि आस्ट्रेलिया की ही जेस जोनासेन गेंदबाजों में और एलिस पेरी हरफनमौलाओं में शीर्ष पर हैं।

विश्व कप ट्राफी के साथ अपनी लंबी यात्रा का अंत करना चाहती हैं मिताली

रंगियोरा (न्यूजीलैंड)। विश्व कप मे पहली बार 22 साल पहले भाग लेने के बाद अब महिलाओं के इस महत्वपूर्ण क्रिकेट टूर्नामेंट मे भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार मिताली राज ने कहा कि उन्होंने अपने लंबे करियर मे लगभग सब कुछ हासिल किया है लेकिन इस प्रतिष्ठित ट्राफी को प्राप्त करने का उनका सपना अब भी अधूरा है। मिताली न्यूजीलैंड मे ही 2000 मे खेले गए विश्व कप मे भारतीय टीम का हिस्सा थी। इसके दो दशक से भी अधिक समय बाद वह इसी देश मे अपनी टीम की कप्तानी कर रही हैं। इस बीच 2017 मे ऐसा समय भी आया जब उनकी टीम फाइनल मे इंग्लैंड से हार गई थी। इसके अलावा वह 2005 मे दूसरे स्थान पर रही टीम का भी हिस्सा थी। मिताली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो मे कहा, मैंने विश्व कप 2000 से लेकर लंबी राह तय की है। वह विश्व कप भी न्यूजीलैंड मे ही खेला गया था। टाइफॉयड होने के कारण मै उस विश्व कप के मैचो मे नही खेल पाई थी। अब मै फिर से यहां हूं। यह लंबी यात्रा रही है और मै इसका सुखद अंत करना चाहती हूं। उन्होंने कहा, मै चाहती हूं कि हमारे सभी खिलाड़ी विश्व कप मे अच्छा प्रदर्शन करें। इससे भारत को यह प्रतिष्ठित कप हासिल करने मे मदद मिलेगी। भारत पिछली श्रृंखला मे न्यूजीलैंड से I-4 से हार गया था लेकिन मिताली ने कहा कि उनकी टीम चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले विश्व कप मे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। उन्होने कहा, विश्व कप से पहले हम जिन क्षेत्रों मे सुधार करना चाहते थे उन पर हमने पिछली श्रृंखला और उससे पहले के मैचों पर ध्यान दिया। टीम अब लगातार 250 से अधिक का स्कोर बना रही है और विश्व कप मे भी हम इसे बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

यूक्रेन संकट का रूस के खेलों पर हो रहा असर

फिना ने पुतिन से सम्मान वापस लिया

भाषा। लुसाने

● तटस्थ रूप में भाग ले सकते हैं रूस और बेलारूस के तैराक

अंतरराष्ट्रीय तैराकी महासंघ (फिना) ने यूक्रेन पर पर रूस के हमले के कारण मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिया गया फिना आर्डर सम्मान वापस लेने का फैसला किया। विश्व तैराकी की सर्वोच्च संस्था ने इसके साथ ही घोषणा की कि रूस और बेलारूस के किसी भी खिलाड़ी या अधिकारी को अपने देश के नाम के साथ भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी लेकिन वे तटस्थ खिलाड़ियों के रूप में भाग ले सकते हैं। फिना ने बयान में कहा, रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन को 2014 में दिया गया फिना आर्डर वापस ले लिया गया है। इसमें कहा गया है, अगले आदेश तक रूस या बेलारूस के किसी भी खिलाड़ी या अधिकारी को रूस या बेलारूस के नाम के तहत प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रूसी या बेलारूसी खिलाड़ियों को व्यक्तिगत या टीम के रूप में तभी स्वीकार किया जाएगा जब वे तटस्थ खिलाड़ी या तटस्थ टीम के रूप में भाग लें।

अटलांटा के लिए गोल करने पर भी रूसी खिलाड़ी ने नहीं मनाया जश्न

बरगामो (इटली)। अटलांटा के रूसी फुटबॉलर एलेक्सेइ मिरांचुक ने सीरि ए फुटबॉल में सैंपडोरिया पर 4 . 0 से मिली जीत में आखिरी गोल करने के बाद सिर नीचे झुकाए रखा और गोल का कोई जश्न नहीं मनाया। रूस की राष्ट्रीय टीम को फीफा विश्व कप के क्वालीफाइंग मैचों में भाग लेने से रोक दिया गया है।यूक्रेन पर सैन्य हमले के कारण रूस खेल जगत में अलग थलग पड़ता दिख रहा है। मिरांचुक ने चार डिफेंडरों को छकाकर शानदार तरीके से गोल किया था लेकिन गोल करने के तुरंत बाद हाथ उठाकर संकेत दिया कि वह कोई जश्न नहीं मनाएंगे। मिरांचुक अटलांटा टीम के साथी खिलाड़ी यूक्रेन के रूस्लान मालिनोवस्की के दोस्त हैं। रूस्लान ने यूरोपा लीग में बृहस्पतिवार को ओलंपियाकोस के खिलाफ मैच में गोल करने के बाद अपनी जर्सी उतार दी थी और उनकी टीशर्ट पर लिखा था नो वार इन यूक्रेन।

आइस स्केटिंग में भी भाग नहीं ले पाएगा रूस

लुसाने। यूक्रेन पर हमले के कारण रूस को उसके देश में बेहद लोकप्रिय खेल आइस स्केटिंग की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग यूनियन ने मंगलवार को रूस को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिबंधित किया। इससे एक दिन पहले रूस को फुटबॉल और आइस हॉकी प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया गया था जो व्लादीमीर पुतिन के पसंदीदा खेल हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने विश्व भर की खेल प्रतियोगिताओं से रूस के खिलाड़ियों को बाहर रखने का अनुरोध किया था जिसके बाद ए कदम उठाए गए। रूस के अलावा बेलारूस के खिलाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। बेलारूस इस युद्ध में रूस का साथ दे रहा है।

एफआईएच ने रूस को जूनियर महिला विश्व कप में भाग लेने से रोका

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने भी वैश्विक खेल बिरादरी के साथ कदम से कदम मिलाते हुए मंगलवार को रूस को आगामी एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप मे हिस्सा लेने से रोकने का फैसला किया। रूस के यूक्रेन पर हमले की विश्व भर मे कड़ी निंदा हो रही है और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के आह्वान पर विश्व भर की खेल संस्थाएं उसका बहिष्कार कर रही है। एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप एक से 12 अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम मे आयोजित किया जाएगा। एफआईएच ने बयान मे कहा, रूसी खिलाड़ियों और अधिकारियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं मे भागीदारी को लेकर आईओसी की कल की सिफारिशो के बाद एफआईएच के कार्यकारी बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम मे एक से 12 अप्रैल तक होने वाले एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप से रूस को बाहर करने का निर्णय किया है। आईओसी ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद रूस और उसका समर्थन कर रहे बेलारूस के खिलाड़ियो और अधिकारियो को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओ से निलंबित करने की अपील की थी।

रूस और बेलारूस को लेकर बैठक करेगा अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण को देखते हुए रूस और बेलारूस के मुक्केबाजों को प्रतियोगिताओं से निलंबित करने के बारे में निर्णय लेने के लिए इस सप्ताह के आखिर में उसके निदेशक मंडल की बैठक होगी। आईबीए ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की हालिया सिफारिश के बाद यह बैठक बुलाई गई है। आईओसी ने अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों से यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस और उसका समर्थन करने वाले बेलारूस को निलंबित करने की अपील की थी। आईबीए ने बयान में कहा, आईओसी की रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों की भागीदारी के संबंध में की गई सिफारिशों और उन्हें प्रतियोगिताओं से निलंबित करने पर फैसला लेने के लिए आईबीए ने निदेशक मंडल की बैठक बुलाई है। इसमें कहा गया है, बैठक इस सप्ताह के आखिर में होगी। दिलचस्प बात यह है कि आईबीए के प्रमुख रूस के उमर क्रेमलेव हैं।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी अन्वेष कीव से रवाना होकर पोलैंड की सीमा पर पहुंचे

चेन्नई। यूक्रेन में फंसे पूर्व भारतीय राष्ट्रीय रैपिड शतरंज चैम्पियन अन्वेष उपाध्याय राजधानी कीव को छोड़कर पोलैंड की सीमा से लगे लवीव शहर पहुंचने में सफल रहे हैं। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी उन कई भारतीयों में शामिल है जो रूसी आक्रमण के बाद यूक्रेन में फंस गए हैं। वह लगभग 10 घंटे की लंबी रेल यात्रा के बाद यूक्रेन के पश्चिमी शहर लवीव पहुंचे। अन्वेष ने कहा कि वह एक दिन विश्राम करने के बाद भारत रवाना होने की सोच रहे हैं। मैं एक दिन आराम करूंगा और फिर भारत पहुंचने के लिए आवश्यक प्रक्रिया अपनाऊंगा। मैं अपने माता पिता से लगातार संपर्क बनाए हुआ हूं। इससे वह भी कुछ आश्वस्त हो जाएंगे। भारतीय दूतावास जो भी परामर्श दे रहा है, मैं उसका पालन कर रहा हूं। अन्वेष 2012 में चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई करने के लिए यूक्रेन चले गए थे।

खिलाड़ियों का कप्तान बनना चाहते हैं श्रेयस

भाषा। कोलकाता

श्रीलंका के खिलाफ हाल में टी20 श्रृंखला में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी नई फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में खिलाड़ियों के कप्तान बनना चाहते हैं। यह श्रेयस का कप्तान के रूप में दूसरा कार्यकाल होगा। वह इससे पहले 2018 से 2020 तक दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहे थे। श्रीलंका के खिलाफ 204 रन बनाकर मैन ऑफ द सीरीज रहे अय्यर ने केकेआर की वेबसाइट से कहा, मैं अब पूरी तरह से अलग मानसिकता के साथ यह जिम्मेदारी संभालूंगा। मैं अब निर्णय लेने और कप्तानी कौशल के मामले में अधिक परिपक्व और अनुभवी हूं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि खिलाड़ियों का कप्तान हूं और मैं ऐसा माहौल तैयार करना चाहूंगा जहां सभी का एक ही लक्ष्य हो, मैच जीतना।

मुंबई के किशोर ने 72 घंटे से अधिक समय क्रीज पर बिताकर रिकार्ड बनाया

मुंबई। सबसे लंबे समय तक बल्लेबाजी करने का रिकार्ड बनाने की कवायद में मुंबई के एक किशोर सिद्धार्थ मोहिते ने नेट सत्र के दौरान 72 घंटे, पांच मिनट क्रीज पर बिताए और अब वह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स से उनकी इस उपलब्धि को मान्यता मिलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्नीस वर्षीय मोहिते ने पिछले सप्ताहांत 72 घंटे पांच मिनट बल्लेबाजी करके हमवतन विराग माने के 2015 में बनाए गए 50 घंटे बल्लेबाजी करने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। मोहिते ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैंने जो प्रयास किया उसमें सफल रहा। यह एक तरीका था जिससे मैं लोगों को दिखाना चाहता था कि मैं कुछ अलग हटकर हूं।

सौरभ ने आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण जीता

काहिरा। भारत के स्टार निशानेबाज सौरभ चौधरी ने इस साल के पहले आईएसएसएफ विश्व कप में पुरूषों की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया है। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चौधरी ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में जर्मनी के माइकल श्वाल्ड को पछाड़ा। रूस के अर्टेम चेरनोसोव ने कांस्य पदक जीता। यूक्रेन पर रूस के सैन्य हमले के कारण उसका ध्वज हटा दिया गया था। ओलंपियन और युवा ओलंपिक स्वर्ण जीत चुके चौधरी क्वालीफिकेशन में 584 स्कोर करके तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने रिले वन के आखिरी चरण में 38 स्कोर करके पहला स्थान पाया। पदक के मुकाबले में उन्होंने 42.5 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत की एशा सिंह, श्री निवेता और रूचिता विनेरकर चुनौती पेश करेंगी। टूर्नामेंट में 60 देशों के 500 से अधिक निशानेबाज भाग ले रहे हैं।

बायो बबल की थकान से जैसन रॉय आईपीएल से हटे

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बल्लेबाज जैसन रॉय ने बायो बबल की थकान का हवाला देकर आईपीएल से नाम वापिस ले लिया है जिससे टूर्नामेंट शुरू होने से तीन सप्ताह पहले गुजरात टाइटंस टीम को करारा झटका लगा है। दक्षिण अफ्रीका में जन्में इंग्लैंड के 31 वर्षीय क्रिकेटर जैसन रॉय को टाइटंस ने उनकी मूल कीमत दो करोड़ रूपए में खरीदा था। रॉय ने ट्वीट किया , भारी मन से मैने इस साल टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। मैं टीम प्रबंधन और कप्तान हार्दिक को मुझ पर भरोसा करने और नीलामी में मुझे चुनने के लिए धन्यवाद देता हूं। पिछले तीन साल से दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उसका असर मुझ पर पड़ा है। यही वजह है कि मुझे लगता है कि परिवार के साथ समय बिताना अहम है। इसके साथ ही अगले कुछ महीने अपने खेल पर काम करना चाहता हूं।

श्रीशंकर ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता

तिरुवनंतपुरम। लंबी कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक एम श्रीशंकर ने मंगलवार को यहां पहली राष्ट्रीय ओपन कूद प्रतियोगिता में 8.17 मीटर के अपने तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीतकर वापसी की। श्रीशंकर ने अपने पहले प्रयास में 8.14 मीटर कूद लगाई लेकिन मोहम्मद अनीस याहिया ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आखिरी प्रयास में 8.15 मीटर कूद लगा दी। लंबी कूद में 8.26 मीटर के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले 22 वर्षीय श्रीशंकर ने ऐसे में याहिया को दो सेंटीमीटर के अंतर से पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता। केरल का यह एथलीट तोक्यो ओलंपिक में 7.69 मीटर तक ही कूद पाया था और अपनी क्वालीफाईंग ग्रुप में 13वें स्थान पर रहा था।

अभ्यास के दौरान सहज नजर आ रहे हैं अश्विन : बुमराह

मोहाली। भारतीय उप कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कहा कि स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अपनी चोट से अच्छी तरह उबर रहे हैं और वह श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले अभ्यास के दौरान सहज नजर आ रहे हैं। चोट के कारण अश्विन हाल में वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। बुमराह ने शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, टेस्ट टीम पहले ही यहां पहुंच चुकी है और अभ्यास कर रही है। वह (अश्विन) चोट से उबर गए हैं। मैं नहीं जानता कि उन्हें अब किसी तरह की कोई परेशानी है।